राष्ट्रीय दैनिक

हर खबर की खबर

प्रातः किरण

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान एवं नवाचारों का ...

कौशल विकास का हब बनेगा... | 05

वर्ष : 14 | अंक : 124 | पटना, बुधवार, 12 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम : 181 मामलों का निष्पादन, सीएम ने अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

आम नागरिकों की शिकायतों का निष्पक्ष व त्वरित समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : सम्राट

- जनसेवा के संकल्प के साथ काम कर रही राज्य सरकार
- समस्याओं का समाधान 30 दिनों के भीतर किया जाए

प्रात : किरण

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाकर जनता के विश्वास को और मजबूत करना है। उन्होंने अधिकारियों को आम नागरिकों की शिकायतों का पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री मंगलवार को सचिवालय स्थित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम हॉल में आयोजित राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम में राज्यभर से कुल 181 आवेदक पहुंचे, जिनके मामलों का निष्पादन किया गया।

शिकायतों का त्वरित समाधान हो: इस दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया है। जिन आवेदकों को अपने मामलों के निर्णय से संतुष्टि नहीं है, उनके लिए राज्य स्तरीय सहयोग कार्यक्रम

की व्यवस्था की गई है, ताकि उनकी शिकायतों का पुनः परीक्षण कर न्यायसंगत और त्वरित निर्णय लिया जा सके।

सभी पदाधिकारी आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें: उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के बाद यह भी सुनिश्चित किया जाए कि वह दोबारा अतिक्रमण की चपेट में न आए। मुख्यमंत्री ने वृद्धा पेंशन और राशन कार्ड के पात्र आवेदकों को शीघ्र लाभ दिलाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र व्यक्ति को तकनीकी कारणों से सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी पदाधिकारी आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक और संवेदनशील व्यवहार करें।

शिकायतों के निष्पादन में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं: उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निष्पादन में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आवेदन के निष्पादन में सहयोग नहीं करने या कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि सहयोग शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं का समाधान 30 दिनों के भीतर किया जाए। साथ ही बरसात के बाद नई सड़कों के निर्माण का काम पूरा करने की दिशा में तेजी से कार्य करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों से आए आवेदकों ने सहयोग शिविर की सराहना की।

ये रहें मौजूदः-कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, संबंधित विभागों के मंत्री, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह सहित विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव मौजूद रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी और वरीय अधिकारी भी कार्यक्रम से जुड़े।

सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना सरकार का लक्ष्य

उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। कुछ मामलों में संतुष्टि नहीं मिलने के कारण वे राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पहुंचे, जहां उनकी समस्याओं पर सुनवाई की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनसेवा के संकल्प के साथ काम कर रही है और प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना ही सरकार का लक्ष्य है।

लघु जल संसाधन विभाग के इंजीनियर हरेंद्र कुमार के ठिकानों पर एसवीयू की छापेमारी

- शुरूआती तलाशी के दौरान लगभग 10 लाख रुपये नकद, आभूषण और जमीन खरीद से जुड़े कई अहम कागजात हाथ लगे
- पटना के पत्रकार नगर थाना क्षेत्र, फुलवारीशरीफ, वैशाली के पातेपुर और बांका में उनके कार्यालय एवं किराए के आवास पर हुई सघन छापेमारी

प्रात : किरण

पटना। भ्रष्टाचार के खिलाफ बिहार में विशेष निगरानी इकाई यानी एसवीयू की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में बांका प्रमंडल में पदस्थापित कार्यपालक अभियंता हरेंद्र कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एसवीयू ने बड़ी कार्ररवाई शुरू की है। मंगलवार को एसवीयू की टीम ने उनके चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई पटना, वैशाली और बांका में अलग-अलग स्थानों पर की गई। इन पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (1)(बी) सह पठनीय 13 (2) सह पठनीय 12 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई है। इनके पटना के पत्रकार नगर थाना के

महावीर नगर में मौजूद नंदनी अपार्टमेंट के फ्लैट-307, फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र में मौजूद अभियंता हरेंद्र कुमार की पत्नी कुमारी सोनी के नाम पर फ्लैट, वैशाली के पातेपुर थाना स्थित सिमरवारा के पैतृक आवास और बांका स्थित लघु जल संसाधन विभाग के कार्यालय एवं यहां मौजूद उनके किराए के मकान में एक साथ छापेमारी की गई। इन सभी स्थानों पर तलाशी के दौरान अर्जित अकूत संपत्ति से संबंधित कई ठोस साक्ष्य मिले हैं। तलाशी के दौरान अभियुक्त एवं उनकी पत्नी के नाम से एक अतिरिक्त फ्लैट तथा भूखंड समेत अचल संपत्ति के अब तक आठ दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। इन सभी अचल संपत्ति का सरकारी मूल्य 1.43 करोड़ रुपये आंकी गई है। इन अचल संपत्तियों में फुलवारीशरीफ क्षेत्र में बेउर चौराहा के पास प्लॉट, वैशाली के पातेपुर में क्रय जमीन के तीन प्लॉट, पत्नी के नाम पर पटना के महावीर नगर में जनक नंदनी आपार्टमेंट में एक फ्लैट, संपत्तचक एवं दानापुर में जमीन के एक-एक प्लॉट, पटना के मीठापुर में कृषि फॉर्म के पास अंशुल होम्स में एक फ्लैट तथा पटना जिला के परसा थाना के फजीलाबाद मौजा में जमीन के प्लॉट के कागजात मिले हैं। इनके जनक नंदनी अपार्टमेंट के फ्लैट नं- 307 की तलाशी के दौरान 9 लाख 50 हजार रुपये कैश, 81 लाख रुपये के सोने एवं चांदी के आभूषण, एक क्विड रेनो कार, होंडा यूनिकॉर्न बाइक, यामाहा की स्कूटी समेत अन्य कई महंगी वस्तुओं की खरीदारी से संबंधित अनेक वॉउचर या बिल बरामद हुए हैं। इसके अलावा पैतृक आवास से तलाशी के दौरान 3.42 लाख रुपये नकद और जमीन से संबंधित कागजात मिले हैं। इसके अलावा सरकारी बैंकों में 5 खाते की जानकारी मिली है, जिनमें काफी राशि जमा होने की प्राथमिक सूचना मिली है। फिलहाल सभी दस्तावेजों की जांच जारी है।

आय के स्त्रोत और पासबुक की जांच शुरू: एग्जीक्यूटिव इंजीनियर की संपत्ति, आय के स्त्रोत और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से बैंक पासबुक, उनके परिजनों के पासबुक को खंगाला जा रहा है। विशेष निगरानी इकाई के अधिकारियों ने बताया कि अभियंता के पास अवैध संपत्ति होने की जानकारी मिली थी। इसकी पड़ताल करने के बाद 10 अगस्त को मामले में एफआईआर की गई थी। एफआईआर के अगले दिन 11 अगस्त को छापेमारी की गई।

संक्षिप्त खबरें

राज्य के 03 जिलों में वज्रपात से 09 लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री मर्माहत

पटना। वज्रपात से बांका में 05, लखीसराय में 03 एवं पटना में 01 व्यक्ति की मौत पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

खगड़िया में 'प्रसाद' खाने से 165 से ज्यादा लोग बीमार, मचा हड़कंप

पटना। बिहार के खगड़िया से हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। जिले के अमनी पंचायत के हियादतपुर गांव में सत्यनारायण की पूजा के बाद प्रसाद खाने से 165 से ज्यादा लोग बीमार हो गए हैं। गांव में लगभग एक ही समय पर बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने से हड़कंप मच गया, जिसके बाद परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने प्रभावित लोगों को खगड़िया सदर अस्पताल पहुंचाया। देर रात तक अस्पताल में मरीजों के आने का सिलसिला जारी रहा। शुरूआती जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम करीब 7 बजे मायाराम चौधरी के बेटे सुबोध चौधरी के घर पर सत्यनारायण पूजा का आयोजन किया गया था। धार्मिक अनुष्ठान के बाद भक्तों को प्रसाद बांटा गया। अनुमान है कि 250 से ज्यादा लोगों ने प्रसाद खाया। प्रसाद खाने के कुछ ही देर बाद, कई लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगीं। बच्चों ने उल्टी और दस्त की शिकायत की, जबकि बड़ों में चक्कर आना, कमजोरी और बेचैनी जैसे लक्षण दिखे। जैसे-जैसे प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ी, पूरे गांव में चिंता फैल गई।

मोदी आज कोविंद की आत्मकथा का करेंगे विमोचन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार सुबह विज्ञान भवन में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की आत्मकथा, जिसका शीर्षक भारतीय गणराज्य की विजयः मेरा जीवन, मेरे संघर्ष है, का विमोचन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री समारोह को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि यह आत्मकथा श्री कोविंद की असाधारण जीवन-यात्रा का एक अत्यंत व्यक्तिगत वृत्तांत प्रस्तुत करती है, जिसमें उनके प्रारंभिक वर्षों से लेकर उनके विशिष्ट सार्वजनिक जीवन और अंततः भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में उनकी सेवा तक के अनुभवों, संघर्षों और उपलब्धियों का वर्णन किया गया है। यह पुस्तक उन मूल्यों, अनुभवों और परिस्थितियों की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जिन्होंने उनकी जीवन-यात्रा और सार्वजनिक सेवा को आकार दिया।

केरल अब केरलम नाम से जाना जाएगा

- विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) बिल पास

प्रात : किरण

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच मंगलवार को केरल (नाम परिवर्तन) बिल, 2026 को ध्वनि मत से पास कर दिया गया। इस बिल में केरल राज्य का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव है।केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने सदन में यह बिल पेश किया, जबकि विपक्षी सांसद 20 जुलाई को नीट प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी और बयान की मांग करते हुए नारेबाजी करते रहे। सदन की अध्यक्षता कर रहे कृष्णा प्रसाद टेनेटी ने विपक्षी सांसदों से सदन को सुचारू रूप से चलने देने का आग्रह किया। हालांकि, हंगामा जारी रहा। नित्यानंद राय और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने केरल का नाम बदलने वाले बिल पर चर्चा न करने के लिए विपक्ष की आलोचना की।

रिजिजू ने कहा, यह दुखद है कि केसी वेणुगोपाल जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी इस बिल पर नहीं बोलेंगे। जब हंगामा नहीं थमा, तो बिना चर्चा के ही ध्वनि मत से बिल पास कर दिया गया। इससे पहले इस साल फरवरी में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केरल का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। गौरतलब है कि केरल विधानसभा ने 24 जून, 2024 को केरल का नाम बदलकर केरलम करने का प्रस्ताव पास किया था। इस प्रस्ताव में कहा गया,मलयालम भाषा में हमारे राज्य का नाम केरलम है।

डेयरी किसानों को केसीसी का बड़ा सहारा 5 साल में तीन गुना बढ़े लाभार्थीः मंत्री

प्रात : किरण

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मंगलवार को बताया कि किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के तहत संस्थागत ऋण प्राप्त करने वाले पशुपालन और डेयरी किसानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021-22 में जहां 15.08 लाख पशुपालक किसान इस योजना से लाभान्वित हो रहे थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 50.42 लाख पहुंच गई है। इससे स्पष्ट है कि पशुपालन क्षेत्र के किसानों की औपचारिक बैंकिंग और ऋण सुविधाओं तक पहुंच तेजी से बढ़ी है।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने कहा कि सरकार

की विभिन्न योजनाओं और वित्तीय सहायता कार्यक्रमों के कारण डेयरी क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है, जिसका असर देश के दूध उत्पादन पर भी दिखाई दे रहा है। वर्ष 2024-25 में भारत का कुल दूध उत्पादन 247.87 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो देश की अनुमानित 243 मिलियन टन की घरेलू मांग से अधिक है। इससे भारत की डेयरी आत्मनिर्भरता और उत्पादन क्षमता का पता चलता है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय डेयरी उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में डेयरी उत्पादों का कुल निर्यात 407.18 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो इस क्षेत्र की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को दशार्ता है।

राजीव रंजन सिंह ने आगे कहा कि दूध उत्पादन और पशुधन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए केंद्र सरकार राष्ट्रीय गोकुल मिशन का विस्तार कर रही है। दिसंबर 2014 से संचालित इस योजना का उद्देश्य देशी पशु नस्लों का संरक्षण, आनुवंशिक सुधार और दूध उत्पादन बढ़ाना है।

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्साः विदेश मंत्रालय

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। भारत ने अरुणाचल प्रदेश को अपना अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान ये बात कही। भारत ने हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों के नाम बदल अपने आधिकारिक नक्शे में शामिल किया। इसके बाद चीन हमेशा की तरह बौखला गया और इसकी निंदा करता हुआ बयान जारी किया।

इसी मामले को लेकर मीडिया ने जब सवाल किया तो जायसवाल ने किसी भी देश का नाम लिए बगैर स्पष्ट किया, भारत अरुणाचल प्रदेश का एक अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और यह एक स्वंय सिद्ध तथ्य है जिसे कोई भी चीज इस निर्विवाद वास्तविकता को बदल नहीं सकता। चीन 2017 से ही अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश को शामिल करता रहा है और कई जगहों के नाम बदलने का हथकण्डा अपनाता रहा है। इस बार भारत ने अपने ही क्षेत्र में नाम बदले तो चीन तिलमिला उठा।

भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से सर्वे ऑफ इंडिया मैप में अरुणाचल प्रदेश की झील, बस्तियों और स्मारक समेत 27 स्थलों के नाम बदले हैं। वहीं चीन 2017 से ही नाम बदलने के हथकंडे अपनाता रहता है।

चीन का मानना है कि अरुणाचल प्रदेश दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है, हालांकि भारत ने इस दावे को हमेशा खारिज किया है और इसे बेबुनियाद बताया है।

हमारी मांग नहीं बदली, सरकार को सदन में देना होगा जवाब : खड़गे

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष का सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लागातार जारी है। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष अपनी मांगों पर कायम है और इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और गोलीबारी को लेकर सरकार से सदन में जवाब देने की मांग की।

कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, हम अपना रुख नहीं बदल रहे हैं। शुरू से लेकर अब तक हमारी

मांग वही रही है। हमारे तीन मुद्दे हैं। छात्रों पर लाठीचार्ज और गोलीबारी का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि यह कार्रवाई किसके आदेश पर की गई। उन्होंने कहा कि सरकार को सदन में यह बताना चाहिए कि आदेश किसने दिया और पूरी घटना कैसे हुई। खड़गे के मुताबिक, घटना को 18 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सरकार अब तक बयान देने को तैयार नहीं है।

परीक्षा और राम मंदिर मुद्दे का स्रोत एक, दोनों पर चर्चा होनी चाहिए

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को चढ़ावा चोरी के आरोप और झारखंड में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी देखने को मिली। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, डिंपल यादव और राम गोपाल यादव ने सरकार पर सवाल उठाए, जबकि कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और गौरव गोगोई ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्र सरकार को घेरा। इस बीच भाजपा सांसदों ने संसद परिसर में विरोध-प्रदर्शन कर अपने मुद्दों को लेकर विपक्ष पर दबाव बनाया।

संसद में सरकार चर्चा और जवाब के लिए तैयार : रिजिजू

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। संसद में छात्रों के प्रदर्शन और उनके खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार छात्रों के आंदोलन से जुड़े पूरे मामले पर विस्तृत चर्चा और हर बिंदु पर जवाब देने के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष इस पर चर्चा नहीं होने देना चाहता है। गृह मंत्री अमित शाह भी इस मुद्दे पर जवाब देने के लिए तैयार थे लेकिन कांग्रेस चर्चा के बजाय बाहर नारेबाजी कर रही है। उधर, विपक्षी

नेताओं ने सरकार पर जवाबदेही से बाचने का आरोप लगाया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार ने सोमवार को ही छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े घटनाक्रम पर पूरी और विस्तृत चर्चा की पेशकश की थी। सरकार की ओर से जवाब तैयार था और गृह मंत्री अमित शाह जवाब देने के लिए तैयार थे लेकिन विपक्ष ने चर्चा नहीं होने दी। मंगलवार को भी सरकार चर्चा के लिए तैयार थी लेकिन कांग्रेस ने बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की। रिजिजू ने कहा कि सरकार छात्रों के प्रदर्शन से जुड़े प्रत्येक मुद्दे पर विस्तृत चर्चा और जवाब के लिए तैयार है। चर्चा होने पर पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कांग्रेस से चर्चा से पीछे नहीं हटने की अपील करते हुए कहा कि मानसून सत्र अब समाप्ति की ओर है और सरकार ने छात्रों के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा का प्रस्ताव दिया है।

इतिहास मनमोहन सिंह को सबसे अहम प्रधानमंत्री के तौर पर याद रखेगाः सोनिया गांधी

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मंगलवार को कहा कि इतिहास निश्चित रूप से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को एक शांत, सौम्य और एक बेहद अहम प्रधानमंत्री के तौर पर अच्छे शब्दों में याद रखेगा। इंडियन एक्सप्रेस में लिखे एक कॉलम में सोनिया गांधी ने कहा, इतिहास निश्चित रूप से डॉ. मनमोहन सिंह को अच्छे नजरिए से याद रखेगा। 29 जुलाई, 2026 की तारीख हमारे हालिया राजनीतिक इतिहास में एक अहम लेकिन नजरअंदाज किया गया दिन था। एक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने कथित कोल ब्लॉक आवंटन घोटाले में डॉ. मनमोहन सिंह को सीबीआई से मिली क्लीन चिट को सही ठहराया। इससे भी अहम बात यह है कि कोर्ट ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने और बिना किसी ठोस वजह के पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणी करने के लिए ट्रायल कोर्ट को फटकार लगाई।

सोनिया गांधी ने आगे लिखा कि उनके खिलाफ लॉबी सुनियोजित और संगठित थी। उन्होंने लिखा, इस फैसले से हमारे सार्वजनिक विमर्श के सबसे दुखद अध्यायों में से एक (डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान) का अंत हो गया है। डॉ. मनमोहन सिंह असाधारण ईमानदारी और सत्यनिष्ठा वाले व्यक्ति थे। उनके खिलाफ लॉबी सुनियोजित और संगठित थी, जिसमें नौकरशाही से लेकर मीडिया, न्यायपालिका, नागरिक समाज और निश्चित रूप से आरएसएस और भाजपा तक के लोग शामिल थे। सोनिया गांधी ने आगे लिखा, आज, उनकी झूठी मुहिम का अंत कुछ न हासिल होने के साथ हुआ है। डॉ. मनमोहन सिंह हर मामले में सही साबित हुए। ईमानदारी और जवाबदेही का उनका रिकॉर्ड नरेंद्र मोदी सरकार के काम करने के तरीके के बिल्कुल उलट था, जो अपराध और भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसियों जैसे ईडी और सीबीआई का साफ तौर पर और बुरी तरह से दुरुपयोग करती रही हैं।सोनिया गांधी ने लिखा, हम सभी को निश्चित रूप से इस बात का अफसोस है कि वे यह दिन देखने और अपने विवेक से देश का मार्गदर्शन करने के लिए हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन हम सभी के लिए यह सुकून की बात है कि जनवरी 2014 में की गई उनकी भविष्यवाणी हर गुजरते दिन के साथ और साफ होती जा रही है। इतिहास निश्चित रूप से उन्हें एक शांत, सौम्य, लेकिन बेहद अहम प्रधानमंत्री के तौर पर याद रखेगा।

बैठक | पीएम मोदी की अध्यक्षता में संसद भवन परिसर में एनडीए सांसदों की साप्ताहिक मंगल मिलन बैठक आयोजित

संसद में विपक्षी हंगामे के बीच एनडीए ने की 'मंगल मिलन' बैठक

- पीएम मोदी और सांसदों ने तिरंगा लहराकर एकता का संदेश दिया

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को संसद भवन परिसर में एनडीए सांसदों की साप्ताहिक मंगल मिलन बैठक आयोजित की गई। इस दौरान पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और एनडीए के अन्य दिग्गज नेताओं ने तिरंगा लहराकर देश की एकता और अखंडता का कड़ा संदेश दिया।

मानसून सत्र में विपक्ष पर घेराबंदी: मानसून सत्र के अंतिम दिनों में सत्ता पक्ष ने विपक्ष के हंगामे के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है। एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में विरोध मार्च निकालकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर झारखंड के छात्र प्रदर्शन और दोहरे मापदंड को लेकर जोरदार निशाना साधा है।

गृह मंत्री अमित शाह दे सकते हैं जवाब

विपक्ष द्वारा राम मंदिर चढ़ावा चोरी और छात्र प्रदर्शन के मुद्दों पर लगातार हंगामा किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, इन सभी गंभीर मुद्दों पर आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में विस्तार से जवाब दे सकते हैं।

एम्स पटना में जल्द शुरू होगी एलर्जेन इम्यूनोथेरेपी

एलर्जी के मूल कारण का होगा सटीक इलाज

हर तीसरा व्यक्ति एलर्जी से पीड़ित, समय पर पहचान और इम्यूनोथेरेपी ही कारगर समाधान

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।बढ़ती एलर्जी संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाने और सही इलाज की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए एम्स पटना के पल्मोनरी मेडिसिन विभाग ने मंगलवार को इम्यूनोथेरेपी इन एलर्जिक डिजीजेज विषय पर एक कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (उटए) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने एलर्जी की आधुनिक जांच, सही निदान और इम्यूनोथेरेपी के नए विकल्पों पर विस्तृत चर्चा की।

जागरूकता और वैज्ञानिक उपचार ही एलर्जी का सही समाधान : प्रो. राजू अग्रवाल

कार्यक्रम का उद्घाटन एम्स पटना के कार्यकारी निदेशक प्रो. (ब्रिगेडियर) डॉ. राजू अग्रवाल ने किया। उन्होंने पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि एलर्जी से जुड़ी समस्याओं के प्रभावी इलाज के लिए समय पर बीमारी की पहचान, जन-जागरूकता और वैज्ञानिक उपचार पद्धतियां बेहद आवश्यक हैं।

जल्द शुरू होगी एलर्जेन इम्यूनोथेरेपी सेवा : डॉ. दीपेंद्र कुमार राय

विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. दीपेंद्र कुमार राय ने स्वागत संबोधन में कहा कि एलर्जी के इलाज की पहली सीढ़ी एलर्जी के सही कारणों की पहचान करना है। सटीक एलर्जी टेस्ट के आधार पर ही मरीजों के लिए बेहतर उपचार तय हो पाता है। उन्होंने घोषणा की कि एम्स पटना में एलर्जी टेस्टिंग की सुविधा पहले से उपलब्ध है और जल्द ही यहाँ एलर्जेन इम्यूनोथेरेपी की सेवा भी शुरू कर दी जाएगी।

देश में हर तीसरा व्यक्ति एलर्जी से प्रभावित : डॉ. गौतम मोदी

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, मोदी एलर्जिक क्लिनिक के डॉ. गौतम मोदी ने बताया कि देश में लगभग हर तीन में से एक व्यक्ति किसी न किसी रूप में एलर्जी से पीड़ित है। उन्होंने सबक्यूटेनियस और सब-लिंगुअल इम्यूनोथेरेपी पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि यह पद्धति केवल लक्षणों को दबाने के बजाय बीमारी के मूल कारण पर काम करती है।

चिकित्सकों के लिए नया ज्ञान और आधुनिक दृष्टिकोण

पल्मोनरी मेडिसिन विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सोमेश ठाकुर ने कहा कि ऐसे शैक्षणिक आयोजन डॉक्टरों को आधुनिक उपचार पद्धतियों से अपडेट रखने में काफी मददगार साबित होते हैं। कार्यक्रम के समापन पर एडिशनल प्रोफेसर डॉ. सौरभ करमाकर ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।एम्स पटना में इस नई सेवा के शुरू होने से मरीजों को आधुनिक जांच और वैज्ञानिक इलाज एक ही छत के नीचे मिल सकेगा, जो सुलभ और मरीज-केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

एसकेएमवी कॉलेज में बदहाल व्यवस्था के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन, शुल्क वसूली और शिक्षकों की मनमानी पर जताया आक्रोश

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। एसकेएमवी कॉलेज की बदहाल व्यवस्था, अत्यधिक शुल्क वसूली और शिक्षकों की कथित मनमानी के विरोध में मंगलवार को छात्र-छात्राओं ने कॉलेज परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया और नारेबाजी करते हुए व्यवस्था में सुधार की मांग की। प्रदर्शनकारी छात्रों लक्ष्मण कुमार, सोनू कुमार और जय राजकुमार ने आरोप लगाया कि कॉलेज भवन जर्जर हो चुका है, कक्षाओं में बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं है, ब्लैकबोर्ड क्षतिग्रस्त हैं और अधिकांश पंखे खराब रहने के कारण भीषण गर्मी में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। छात्रों का कहना है कि कक्षाओं की छत पर लगे करकट टूटे होने से गर्मी में धूप सीधे कमरों में आती है तथा बारिश के दौरान पानी टपकता है। वहीं, बरसात में कॉलेज परिसर में जलजमाव की समस्या भी बनी रहती है। छात्रा नेहा कुमारी और सुरभि कुमारी ने आरोप लगाया कि कॉलेज में पठन-पाठन की स्थिति ठीक नहीं है तथा फतुहा में एकमात्र कॉलेज होने का लाभ उठाकर विभिन्न कार्यों के लिए अन्य संस्थानों की तुलना में अधिक शुल्क वसूला जाता है। छात्रों ने बोनाफाइड सर्टिफिकेट के फॉर्म के नाम पर 100 रुपये लिए जाने पर भी सवाल उठाया। प्रदर्शन की जानकारी मिलने पर मुख्य पार्षद प्रतिनिधि सह लोजपा (रामविलास) नेता टुनटुन यादव कॉलेज पहुंचे और छात्रों की समस्याएं सुनीं तथा कॉलेज प्रबंधन से बातचीत कर शीघ्र समाधान कराने की बात कही। वहीं, कॉलेज के प्राचार्य संत कुमार चौधरी ने छात्रों के आरोपों पर कहा कि विद्यार्थियों की परेशानियों को देखते हुए समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जा रहा है और कॉलेज प्रशासन इस दिशा में काम कर रहा है।

संक्षिप्त खबरें

महारानी चौक के पास चीनी लदा ट्रक पलटा, टला बड़ा हादसा

फतुहा। फतुहा वार्ड से चीनी की बोरियां लोड कर बुद्धदेवचक स्थित गोदाम जा रहा एक ट्रक मंगलवार को महारानी चौक के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रक में लदी चीनी की बोरियां सड़क पर बिखर गईं, जिससे कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और सड़क पर बिखरी बोरियों को हटाने में सहयोग किया। गनीमत रही कि ट्रक पलटने के दौरान उसकी चपेट में कोई राहगीर या दूसरा वाहन नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ट्रक के अनियंत्रित होकर पलटने के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा।

बिवि अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कालीघाट मंदिर में की पूजा-अर्चना

बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने आज कोलकाता स्थित प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर में सपरिवार विधिवत पूजा-अर्चना कर माता काली से देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि कालीघाट शक्तिपीठ देश की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां माता काली के दर्शन एवं पूजा-अर्चना करना उनके लिए श्रद्धा और आध्यात्मिक अनुभूति का अवसर है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शक्ति की उपासना का विशेष महत्व है। मां काली को शक्ति, साहस और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने बिहारवासियों सहित देश के सभी नागरिकों के सुख, स्वास्थ्य, शांति और समृद्धि की मंगलकामना की।इस अवसर पर उन्होंने मंदिर की धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की विविध आध्यात्मिक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक एकता और विरासत को मजबूत करती हैं।

सावन महोत्सव 2026 में बिखरे कला, संस्कृति और प्रतिभा के रंग

पटना। सावन की हरियाली, बिहार की समृद्ध लोक-संस्कृति, कला, संगीत और प्रतिभा को समर्पित ह्यसावन महोत्सव 2026ह्व का भव्य आयोजन हुनर के तत्वावधान में किंग्स रिसॉर्ट, जगनपुरा, पटना में किया गया। कार्यक्रम में कला, संस्कृति, फिल्म एवं मनोरंजन जगत से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी ने आयोजन को खास बना दिया।कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता के रूप में कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा से जुड़े वरुण सिंह, कला संस्कृति के प्रदेश अध्यक्ष, अमर शौर्य एवं रंजन सिंह सहित फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों एवं फिल्म निर्माताओं ने भी कार्यक्रम में शिरकत की और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में रवि शंकर चौधरी एवं उनकी पत्नी पुजा चौधरी की विशेष उपस्थिति रही। दोनों ने हुनर की डायरेक्टर मनीषा मिश्रा द्वारा तैयार किए गए हाथ से निर्मित मिथिला कला से सजे कुर्ता एवं साड़ी पहनकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पारंपरिक परिधान के माध्यम से बिहार की कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने का यह प्रयास कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। साथ ही बॉलीवुड एक्टर रवि सुधा चौधरी को हुनर का ब्रैंड एम्बेसडर बनाया गया।

प्रसिद्ध फ्लूट आर्टिस्ट पलक जैन ने अपनी मनमोहक बाँसुरी प्रस्तुति से पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। उनकी प्रस्तुति पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं।

वहीं मुन्ना सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। प्रसिद्ध एंकर एवं कॉमेडियन राज सोनी ने अपनी शानदार एंकरिंग, हास्य अंदाज और मंच संचालन से पूरे कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा। उन्होंने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को पूरे कार्यक्रम के दौरान बांधे रखा।

कार्यक्रम को सफल बनाने में हुनर टीम की अक्षिता वैभव और पियूष की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। टीम के सदस्यों ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, मंचीय गतिविधियों और प्रस्तुतियों को सफलतापूर्वक संभाला।

सावन महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण पटना के बच्चों एवं युवा प्रतिभाओं की शानदार भागीदारी रही। हुनर से जुड़े बच्चों के साथ-साथ पूरे पटना से आए बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक, नृत्य एवं मंचीय प्रस्तुतियों में हिस्सा लिया।

बच्चों के आत्मविश्वास और प्रतिभा ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। आयोजन में सावन की पारंपरिक संस्कृति, मिथिला कला, फैशन, संगीत, नृत्य और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला।

105 फीट लंबे तिरंगे के साथ शहर में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा

प्रातः किरण संवाददाता

फतुहा। भारत सरकार के मेरा युवा भारत और संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से तथा ठउउ ऊ्रीू३ङ्म१३ी बिहार-झारखंड (अ१ ब्ल्लॅ) और स्थानीय हाई स्कूल के संयुक्त प्रयास से हर घर तिरंगा का राष्ट्रव्यापी जन अभियान भव्य रूप में मनाया गया। हाई स्कूल फतुहा से आयोजित तिरंगा यात्रा का उद्घाटन मुख्य पार्षद प्रतिनिधि टुनटुन यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया। समारोह में प्रभारी धर्मेंद्र कुमार (अठड, अ१ ब्ल्लॅ) व अरविंद कुमार (कमांडर, ऋ१२३ इ-१ & ए७स्त्री१३ ठउउ) ने भी प्रमुख भूमिका निभाई और उपस्थित लोगों को शुभकामनाएँ दीं। यात्रा में प्रथम बिहार एयर स्क्वाड एवं ठउउ के कैडेट्स बड़े उत्साह के साथ शामिल हुए और हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। आयोजन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक धर्मेंद्र यादव ने मार्गदर्शन किया वहीं समाजसेवी रवि प्रकाश ने विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के युवाओं को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रेरित किया, जिससे बड़ी संख्या में छात्र व नागरिक जुड़ गए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 105 फुट लंबा विशाल तिरंगा था, जिसे लेकर आयोजित यात्रा शोभायात्रा के रूप में फतुहा के मुख्य मार्गों से निकाली गई। रवि प्रकाश, अनु सुशील कुमार, साहिल, अभिनंदन कुमार, दिनेश कुमार, बबीता गुप्ता, रेखा कुमारी, आशा कुमारी व ज्योति कुमारी सहित विद्यालय के तमाम परिवार और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्य पार्षद प्रतिनिधि टुनटुन यादव ने सहभागी से स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया और नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान व जुड़ाव बढ़ाने पर जोर दिया। आयोजकों ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य विशेषकर युवाओं में राष्ट्रनिर्माण की भावना जगाना, एकता का सन्देश फैलाना और नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान से जोड़ना है। जहां स्थानीय नागरिकों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की, वहीं आयोजक अगले दिनों घर-घर पहुंचकर अभियान को और व्यापक बनाने के लिए प्रदेश स्तर पर भी समन्वय बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

सूबे के शहरी क्षेत्रों में 598 स्वास्थ्य केंद्रों को मिली मंजूरी, मात्र 2 रुपये में होगा इलाज

■ **सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक खुलेगी यूपीएचसी**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । बिहार के शहरी क्षेत्रों और खासकर स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। राज्य सरकार राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) के तहत स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा और मजबूत करने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य में कुल 164 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 434 शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के संचालन को भारत सरकार से स्वीकृति मिल गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जिला पदाधिकारियों और सिविल सर्जनों को आगामी 31 अगस्त 2026 तक इन केंद्रों का संचालन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

इन नए स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को सभी स्वास्थ्य सुविधाएं पूरी तरह मुफ्त दी जाएंगी। ओपीडी में दिखाने के लिए मरीजों को मात्र 2 रुपये का पर्चा (सुविधा शुल्क) कटवाना होगा। यह दो रुपये की राशि जन आरोग्य समिति के बैंक खाते में जमा की जाएगी, जिससे केंद्र का ही विकास होगा। लोगों की सहूलियत के लिए यूपीएचसी में ओपीडी का समय सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा, जबकि यूएचडब्ल्यूसी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे।

राजधानी पटना के लोगों के लिए एक विशेष पहल की गई है। पटना स्मार्ट सिटी लिमिटेड और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल के तहत पटना में संचालित 11 जन सेवा केंद्रों को भी अब शहरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के रूप में संचालित किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत सरकार से इन 11 केंद्रों के संचालन को भी हरी झंडी मिल चुकी है।

यूपीएचसी पर मुख्य रूप से ओपीडी, मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन, परामर्श, संचारी व गैर-संचारी रोगों की जांच और मुफ्त दवा वितरण सहित 12 प्रकार की सेवाएं उपलब्ध होंगी।

स्लम बस्तियों के लोगों तक सीधे लाभ पहुंचाने के लिए विशेष दूरस्थ स्वास्थ्य शिविर और आयुष्मान आरोग्य शिविर लगाने का भी प्रावधान किया गया है।युवाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए शहरी निकाय क्षेत्र में आने वाले 19 राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थानों और 14 राजकीय अभियंत्रण (इंजीनियरिंग) महाविद्यालयों में भी यूएचडब्ल्यूसी का संचालन किया जा रहा है, जिन्हें केंद्र सरकार से स्वीकृति मिल गई है।

पटना जिला टीबी स्क्रीनिंग में राज्य में प्रथम स्थान पर: जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश

पटनाः टीबी मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने टीबी के संभावित मरीजों की पहचान, स्क्रीनिंग, नैट जांच, एक्स-रे और उपचार में और तेजी लाने के निर्देश दिए।समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खुशी जाहिर की कि स्क्रीनिंग के मामले में पटना जिला 2 जुलाई को 38वें स्थान पर था, जो अब शानदार प्रगति करते हुए पूरे राज्य में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। उन्होंने इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयासों की सराहना की। बैठक में बताया गया कि अब तक 16,381 संदिग्ध मरीजों की नैट टेस्टिंग और 22,493 मरीजों की एक्स-रे जांच की जा चुकी है।जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि टीबी उन्मूलन केवल दवा तक सीमित नहीं है, बल्कि पोषण और नियमित निगरानी भी उतनी ही आवश्यक है। वर्तमान में 361 मरीजों को हर महीने फूड बास्केट दिया जा रहा है। उन्होंने सभी पात्र मरीजों को समय पर पोषण सहायता और दवाइयां उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।साथ ही, निक्षय पोषण योजना के तहत डीबीटी के जरिए मिलने वाली आर्थिक सहायता के भुगतान में तेजी लाने और किसी भी प्रकार के अनावश्यक विलंब को रोकने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही पटना को टीबी मुक्त बनाया जा सकता है। बैठक में उपविकास आयुक्त श्री शुभम कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रीनलैंड सैटेलाइट टाउनशिप के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चा ने भरी हुंकार, बड़े आंदोलन का ऐलान

पटना, 11 अगस्त 2026 पटना के कदमकुआं स्थित गांधी निधि में संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार द्वारा आयोजित विशाल किसान कन्वेंशन में सरकार की ग्रीनलैंड सैटेलाइट टाउनशिप योजना के खिलाफ जोरदार हुंकार भरी गई। मोर्चा ने आरोप लगाया कि 11 जिलों की लगभग 3 लाख एकड़ कृषि योग्य जमीन छीनने की साजिश रची जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसानों ने साफ कहा—ह्वजमीन हमारी है, पुरखों की विरासत का सौदा नहीं होने देंगे।कन्वेंशन में आंदोलन को दिशा देने के लिए 21 सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया। आगामी 3 महीनों के लिए तय रणनीतियों के तहत मां जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम और चंपारण से ह्यकिसान जागरण यात्राह्व शुरू होगी, जो पूरे बिहार का भ्रमण कर पटना शहीद स्मारक पहुंचेगी। इसके बाद जिला स्तर पर किसान महापंचायतें होंगी, जिसमें राष्ट्रीय नेता भी शामिल होंगे। अंतिम चरण में बिहार बंद और दिल्ली की तर्ज पर पटना कूच का आह्वान किया जाएगा।नेताओं ने कहा कि सैटेलाइट टाउनशिप के बजाय गांवों को स्मार्ट बनाया जाए, बाढ़-सुखाड़ का स्थाई निदान हो और कृषि आधारित उद्योग लगाकर प्रवासियों को रोजगार मिले। इस कन्वेंशन की अध्यक्षता प्रो. आनंद किशोर एवं ई. अनिल कुमार ने की, जिसमें प्रदेश भर के दर्जनों प्रमुख किसान नेताओं ने हिस्सा लिया।

पटना समाहर्तातय में जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः समाहरणालय, पटना में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विधायक श्याम रजक, विधायक अरुण मांझी, उप विकास आयुक्त शुभम कुमार, समाज सेविका सुधा वर्गीस और जिला कल्याण पदाधिकारी संजीव कुमार रतन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में रउ-रळ समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा, पीड़ित परिवारों को त्वरित सहायता, पेंशन, और लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष बल दिया गया। कल्याण अधिकारी ने बताया कि हत्या से संबंधित मामलों में पीड़ितों के आश्रितों को प्राथमिकता पर पेंशन दी जा रही है और जून तक 139 पेंशनरों को इसका भुगतान किया जा चुका है।वर्तमान में न्यायालयों में लंबित 1,357 मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए विशेष लोक अभियोजक को नियमित अनुश्रवण और प्रभावी पैरवी के निर्देश दिए गए। साथ ही पात्र आश्रितों को शीघ्र नौकरी उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया।

कबीर अंत्येष्टि योजनाः अब तक 1,935 लाभुकों को लाभ मिला है। योजना की राशि बढ़ाने के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया।विस्थापित महादलित परिवारों का पुनर्वासः* अतिक्रमण हटाने के दौरान विस्थापित गरीब व महादलित परिवारों को आसपास बसाने और मानवीय दृष्टिकोण के साथ कार्ययोजना तैयार कर सरकार को भेजने पर सहमति बनी।

बिना आधार के भी नामांकनः उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि विद्यालयों में बच्चों के नामांकन के लिए आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है। बिना आधार के भी जरूरतमंद बच्चों का दाखिला सुनिश्चित किया जाएगा।जिले में अब तक 30,757 कार्ड जेनरेट हो चुके हैं, जबकि लंबित 12,618 आवेदनों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया।

प्रशासन ने जोर दिया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस त्वरित कार्रवाई करे ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय और कानूनी सहायता मिल सके।

प्रेम यूथ फाउंडेशन ने निकाली विशाल नशा मुक्ति जागरूकता रैली, युवाओं ने लिया नशा न करने का संकल्प

प्रातः किरण संवाददाता

पटना । नशा मुक्त समाज - विकसित भारत के संकल्प के साथ प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में सैकड़ों छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया और नशा छोड़ जीवन जोड़ का संदेश दिया। प्रेम यूथ फाउंडेशन का बैनर लेकर पूरे क्षेत्र में पदयात्रा की। रैली के दौरान ह्लअपने लिए ना सही अपनों के लिए नशा को ना कहेंऔर नशा मुक्त ही भारत अपनाह्व जैसे नारे गूंजते रहे।

युवाओं में दिखा जोश

रैली का नेतृत्व फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने किया। वॉलेंटियरशिप कार्यक्रम के तहत जुड़े छात्र-छात्राएं भी रैली में शामिल हुए। सभी ने शपथ ली कि वे न केवल खुद नशे से दूर रहेंगे बल्कि अपने दोस्तों और परिवार को भी नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करेंगे।फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर अमृत राज ने कहा नशा युवा पीढ़ी के भविष्य को बर्बाद कर रहा है। अगर हमें 2047 तक विकसित भारत बनाना है तो सबसे पहले अपने समाज को नशा मुक्त बनाना होगा। प्रेम यूथ फाउंडेशन गांव-गांव और कॉलेज-कॉलेज जाकर यह अभियान चलाएगा।

लोगों को किया जागरूक रैली मार्ग में लोगों को पर्चे बांटकर नशे से होने वाली बीमारियों और सामाजिक बुराइयों के बारे में बताया गया। राहगीरों और दुकानदारों ने भी रैली का समर्थन किया। प्रेम यूथ फाउंडेशन लगातार नशा मुक्ति, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान और समाज सेवा के क्षेत्र में काम कर रहा है।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक : डॉ. प्रेम कुमार

पटना। देश भर में आयोजित की जा रही तिरंगा यात्राओं के अवसर पर बिहार विधान सभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों से बना राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता, त्याग, शौर्य और गौरव का प्रतीक है। देश के कोने-कोने में तिरंगा यात्रा का आयोजन राष्ट्र के प्रति सम्मान और नागरिकों में देशभक्ति की भावना को और मजबूत करने वाला है।डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश की युवा शक्ति और आम नागरिकों को राष्ट्र प्रथम की भावना से जुड़ने का अवसर मिलता है। तिरंगे का केसरिया रंग हमें साहस और त्याग की प्रेरणा देता है, श्वेत रंग सत्य एवं शांति का संदेश देता है तथा हरा रंग समृद्धि और विकास का प्रतीक है। ध्वज के मध्य स्थित अशोक चक्र हमें निरंतर कर्म, प्रगति और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता असंख्य वीरों, स्वतंत्रता सेनानियों और देशभक्तों के त्याग एवं बलिदान का परिणाम है। महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सरदार पटेल, डॉ. राजेंद्र प्रसाद सहित अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। आज तिरंगा यात्रा के माध्यम से हम उन महान राष्ट्रनायकों के प्रति अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त कर रहे हैं।

बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत की पहचान विश्व में एक सशक्त, सक्षम और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित हो रही है। ऐसे समय में तिरंगा यात्रा देशवासियों में राष्ट्रीय एकता और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत करती है।उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे तिरंगा यात्रा को केवल एक कार्यक्रम के रूप में न लें, बल्कि इसके संदेश को अपने जीवन में उतारें। देश की एकता, संविधान के सम्मान, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, शिक्षा, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना ही सच्ची राष्ट्रभक्ति है।डॉ. प्रेम कुमार ने देशवासियों से अपील की कि वे पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ तिरंगा यात्राओं में भाग लेकर राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने का संकल्प लें।

विशेष निगरानी इकाई की बड़ी कार्रवाई: बाँका के कार्यपालक अभियंता हरेन्द्र कुमार के ठिकानों पर छापेमारी

■ **2.20 करोड़ से अधिक की आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज**

पटना/बाँका:विशेष निगरानी इकाई (रश्व) ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लघु जल संसाधन विभाग, बाँका प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता हरेन्द्र कुमार के विरूद्ध आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है।अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष निगरानी इकाई) श्री सुधांशु कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इकाई को प्राप्त विश्वसनीय सूचना और उसके सत्यापन के बाद यह कार्रवाई की गई है। कार्यपालक अभियंता के खिलाफ विशेष निगरानी इकाई थाना में कांड संख्या-23/2026, दिनांक 10.08.2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) की धारा 13(1)(्) सह पठनीय 13(2) एवं 12 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस मामले के अनुसंधानकर्ता पुलिस उपाधीक्षक श्री राजकुमार सिंह हैं।प्रारंभिक जाँच और सत्यापन में यह बात सामने आई है कि वर्ष 2015 में सरकारी सेवा में योगदान देने के बाद से विभिन्न पदों पर रहते हुए हरेन्द्र कुमार ने अवैध और भ्रष्ट तरीकों से बड़े पैमाने पर संपत्ति अर्जित की। प्रथम दृष्टया उनके पास कुल *2,20,99,900 रुपये (दो करोड़ बीस लाख निन्यानवे हजार नौ सौ रुपये)* की अप्रत्यानुपातिक संपत्ति पाई गई है, जो उनके वैध आय और ज्ञात स्त्रोतों की तुलना में अत्यधिक है।प्राथमिकी दर्ज होने के पश्चात, माननीय विशेष न्यायालय (निगरानी), पटना से प्राप्त तलाशी वारंट के आधार पर आज, 11 अगस्त 2026 को विशेष निगरानी इकाई की टीमों द्वारा अभियुक्त के पटना, पातेपुर और बाँका स्थित आवास, पैतृक आवास तथा कार्यालय में एक साथ छापामारी एवं तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

31 अगस्त तक खसरा-रूबैला टीकाकरण का शत-प्रतिशत आच्छादन सुनिश्चित करने के लिए चलेगा विशेष अभियान

➤ **छूटे हुए बच्चों की पहचान कर टीकाकरण पर जोर, लक्षित बच्चों को विटामिन-ए की भी दी जाएगी खुराक**

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार वर्ष 2026 तक खसरा-रूबैला के उन्मूलन तथा शत-प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार ने राज्य के सभी जिलों को 31 अगस्त 2026 तक विशेष अभियान चलाकर खसरा-रूबैला (टफ) टीकाकरण से छूटे हुए सभी बच्चों को टीका देने का निर्देश दिया है। अभियान के दौरान किसी भी पात्र बच्चे के टीकाकरण से वंचित रहने की स्थिति न बने, इसके लिए नियमित टीकाकरण सत्रों के साथ-साथ स्वास्थ्य संस्थानों पर भी विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

जनवरी-जून के आंकड़ों में छूटे हुए 58,002 बच्चों को टफ1 और टफ2 की खुराक देने के लिए ड्यू लिस्ट होगा तैयार

जनवरी से जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार राज्य के 161 प्रखंडों में 35,969 बच्चों को टफ1 यानी खसरा-रूबैला टीके की पहली खुराक तथा 104 प्रखंडों में 22,033 बच्चों को टफ2 यानी खसरा-रूबैला टीके की दूसरी खुराक नहीं दी जा सकी है। इन सभी बच्चों को चिह्नित कर नियमित टीकाकरण दिवसों के दौरान टीकाकृत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

विशेष अभियान के तहत 9 माह से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी छूटे हुए बच्चों का सर्वे कर ड्यू लिस्ट तैयार की जाएगी। प्रखंड स्तर से जिला तथा जिला स्तर से राज्य स्तर पर संकलित प्रतिवेदन भेजने की अंतिम तिथि 14 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद नियमित टीकाकरण सत्रों के अतिरिक्त हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (ऌहउ), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (ढऌउ), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (उऌउ), अनुमंडल अस्पताल (रऊऌ) एवं जिला अस्पतालों में 31 अगस्त 2026 तक लक्षित बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को टीकाकरण के साथ विटामिन-ए की खुराक भी दी जाएगी

अभियान के दौरान लक्षित बच्चों को विटामिन-ए की खुराक भी दी जाएगी। राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देश के अनुसार अगस्त 2026 से आगामी तीन महीनों तक 9 माह से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुरूप विटामिन-ए की खुराक उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए नियमित टीकाकरण तथा ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस (श्लरठऊ) सत्रों का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। इससे विटामिन-ए से वंचित बच्चों की पहचान, नियमित निगरानी तथा कम आच्छादन वाले क्षेत्रों में समयबद्ध सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। टीकाकरण अभियान के दौरान किसी भी स्वास्थ्य संस्थान या सत्र स्थल पर खसरा-रूबैला वैक्सीन की कमी न हो, इसके लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त टफवैक्सीन वॉयल उपलब्ध कराए जाएंगे।

दर्ज होगा 100 प्रतिशत डेटा, जनभागीदारी से अभियान को मिलेगा व्यापक समर्थन

टीकाकृत किए गए सभी बच्चों का 100 प्रतिशत डेटा ल्टकर एवं व-हक्ठ पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। अभियान की दैनिक प्रगति की निगरानी गूगल शीट के माध्यम से की जाएगी, जिससे जिले और प्रखंड स्तर पर टीकाकरण की स्थिति की नियमित समीक्षा संभव हो सकेगी।

अभियान को जनभागीदारी से प्रभावी बनाने के लिए पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, जीविका समूहों तथा अन्य सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। इनके माध्यम से अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए छूटे हुए बच्चों को टीकाकरण सत्रों तक लाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। अभियान के प्रभावी संचालन एवं अनुश्रवण के लिए प्रखंड स्तर पर प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक तथा जिला स्तर पर जिला सामुदायिक उत्प्रेरक को नोडल पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवसः बिहार विधानसभा अध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं, कहा- युवा देश की ऊर्जा और प्रगति के असली संवाहक

पटना। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने समस्त युवाओं को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त) की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। संदेश जारी करते हुए उन्होंने कहा कि युवा किसी भी देश की ऊर्जा, नवोन्मेष और प्रगति के असली संवाहक हैं। राष्ट्र निर्माण और सामाजिक परिवर्तन में उनकी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।विधानसभा अध्यक्ष ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की पृष्ठभूमि और इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर युवाओं से जुड़ी समस्याओं, उनकी आवाज और उनके अधिकारों को उजागर करना है। साथ ही समाज और देश के विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 1999 में 12 अगस्त को ह्यअंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद पहली बार 12 अगस्त 2000 को यह दिवस पूरी दुनिया में मनाया गया था।डॉ. प्रेम कुमार ने इस वर्ष के तय विषय का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2026 के लिए अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की आधिकारिक थीम ह्वविभिन्न संदर्भ, समान आकांक्षाएं रखी गई है।

कृषि क्षेत्र में हो रहे अनुसंधान एवं नवाचारों का लाभ आमजनों तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता : विजय

■ शोध के साथ बाजार की उपलब्धता भी जरूरी

प्रात : किरण संवाददाता

हैदराबाद। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मंगलवार को बिहार में कृषि क्षेत्र को नई तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने के लिये प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल, कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल एवं निदेशक, उद्यान-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य बागवानी मिशन/बिहार फल एवं सब्जी विकास निगम अभिषेक कुमार के साथ हैदराबाद के पटनचेरु स्थित अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने आईसीआरआईएसएटी के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों के साथ बिहार में कृषि विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की तथा बिहार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिलेट्स वैल्यू चेन परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। आईसीआरआईएसएटी जीनबैंक के प्रमुख डॉ. कुलदीप सिंह ने परियोजना के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति तथा बिहार में मिलेट्स आधारित मूल्य श्रृंखला के विकास एवं सुदृढ़ीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि बिहार में कृषि की नई संभावनाओं को किसानों की समृद्धि से जोड़ना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। आधुनिक अनुसंधान, उन्नत तकनीक और वैज्ञानिक शोध को खेतों तक पहुंचाकर कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के साथ किसानों की आय और आजीविका को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आईसीआरआईएसएटी जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ तकनीकी एवं वैज्ञानिक सहयोग बिहार में कृषि के क्षेत्र में नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार में श्री अन्न (मिलेट्स) का उत्पादन हो रहा है, लेकिन किसानों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य तभी मिल सकेगा, जब मिलेट्स के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध हो, मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा मिले तथा उत्पाद को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रभावी बाजार व्यवस्था विकसित की जाए।

कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बिहार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिलेट्स वैल्यू चेन परियोजना के अंतर्गत हुई प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि किसानों के बीच श्री अन्न (मिलेट्स) के लाभों के संबंध में व्यापक जागरूकता आवश्यक है। किसानों को पारंपरिक फसल प्रणालियों की तुलना में मिलेट्स के पोषण एवं कृषि संबंधी लाभों की जानकारी उपलब्ध कराकर इसके उत्पादन एवं उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बिहार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मिलेट्स वैल्यू चेन को खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के क्षेत्र में पूर्वी भारत और पूरे देश के लिए एक मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाया जाएगा। इस कार्य के सफल क्रियान्वयन में आईसीआरआईएसएटी का तकनीकी एवं वैज्ञानिक सहयोग महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार सरकार एवं आईसीआरआईएसएटी के बीच सहयोग से मिलेट्स के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन को बढ़ावा देने के साथ किसानों की आय एवं आजीविका को सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

कृषि मंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय अर्ध-शुष्क उष्णकटिबंधीय फसल अनुसंधान संस्थान में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बिहार के प्रशिक्षु किसानों से भी संवाद किया। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण के अनुभव एवं प्राप्त तकनीकी जानकारी के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक ज्ञान के हस्तांतरण के महत्व पर बल दिया। कृषि मंत्री के नेतृत्व में बिहार के प्रतिनिधिमंडल ने आईसीआरआईएसएटी मे स्थित रीजनरेटिव एग्रीकल्चर लिविंग लैबोरेटरी, स्पीड ब्रीडिंग फैसिलिटी, जीनबैंक, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन जीनोमिक्स तथा एग्रीबिजनेस इनोवेशन प्लेटफॉर्म एवं विभिन्न अनुसंधान सुविधाओं एवं नवाचार केंद्रों का भ्रमण किया और उन्नत फसल प्रजनन, जीन संसाधन संरक्षण, आधुनिक कृषि पद्धतियों, जलवायु अनुकूल कृषि, कृषि जैव प्रौद्योगिकी तथा कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान एवं नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। आईसीआरआईएसएटी के उप महानिदेशक (अनुसंधान एवं नवाचार) डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड ने प्रतिनिधिमंडल को संस्थान के वैश्विक अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों तथा विज्ञान-आधारित कृषि नवाचारों के माध्यम से खाद्य, पोषण एवं आजीविका सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर परआईसीआरआईएसएटी के सहायक महानिदेशक संजय अग्रवाल, ग्लोबल रिसर्च प्रोग्राम के निदेशक डॉ रमन बाबू एवं डॉ रमेश सिंह तथा तेलंगाना कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक एन पी श्रवण कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप में 651 एकड़ क्षेत्र में विकसित होगा स्पोर्ट्स हब : मंत्री

■ पाटलिपुत्र टाउनशिप बनेगी विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं का केंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप में आधुनिक एवं विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना के विकास को लेकर नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नीतीश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में खेल विभाग की मंत्री श्रेयसी सिंह भी उपस्थित रहीं। बैठक में ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप में स्पोर्ट्स सिटी के विकास सहित विभिन्न खेल सुविधाओं के प्रावधान पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

श्री मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने, अपनी प्रतिभा को निखारने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी उद्देश्य के अनुरूप राज्य में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना का विकास किया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, अभ्यास एवं प्रतिस्पर्धा के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। श्री मिश्रा ने बताया कि पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप की समेकित योजना में खेल गतिविधियों एवं खेल अवसंरचना के लिए कुल 651 एकड़ क्षेत्र का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत लगभग 225 एकड़ क्षेत्र में स्पोर्ट्स सिटी, 187 एकड़ क्षेत्र में गोल्फ कोर्स तथा 239 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित करने का प्रस्ताव है।

प्रस्तावित स्पोर्ट्स सिटी में विभिन्न खेलों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं, प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता के लिए आवश्यक आधारभूत संरचनाओं तथा खिलाड़ियों के अनुकूल सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। वहीं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के माध्यम से टाउनशिप में विविध खेल गतिविधियों के लिए व्यापक एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। श्रेयसी सिंह ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पाटलिपुत्र ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप को आधुनिक शहरी सुविधाओं के साथ-साथ उत्कृष्ट एवं विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना से युक्त एक भविष्य उन्मुख टाउनशिप के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित खेल सुविधाओं को ओलंपिक मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा, जिससे बिहार में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए सक्षम आधारभूत संरचना तैयार हो तथा राज्य के प्रतिभावान खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धा के अवसर उपलब्ध हो सकें। सुश्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि राज्य की सभी 12 प्रस्तावित टाउनशिप में खेल सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक भूमि को चिन्हित किया जाएगा, ताकि प्रत्येक टाउनशिप में बेहतर खेल अवसंरचना विकसित की जा सके। बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, खेल विभाग के सचिव दीपक आनंद, खेल विभाग के निदेशक आरिफ अहसन, नगर विकास एवं आवास विभाग के अपर सचिव मनोज कुमार सहित संबंधित विभागों के अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

नई दिल्ली भ्रमण के दौरान मंत्री संजय कुमार ने निवेशक से की मुलाकात, बिहार में निवेश के लिए किया आमंत्रित

■ बिहार में गन्ना आधारित उद्योगों एवं निवेश की संभावनाओं पर हुई सकारात्मक चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली/पटना। गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार ने अपने नई दिल्ली भ्रमण के दौरान लश वैली नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक एवं निवेशक कुंजन अरोरा से मुलाकात की। इस दौरान बिहार में गन्ना आधारित उद्योगों के विस्तार एवं निवेश की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई। मंत्री श्री संजय कुमार ने बिहार में गन्ना आधारित उद्योगों में उपलब्ध निवेश अवसरों एवं राज्य सरकार की निवेश अनुकूल नीतियों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि बिहार में गन्ना उत्पादन की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए गन्ना आधारित उद्योगों में निवेश से किसानों को बेहतर बाजार, गन्ने के मूल्यवर्धन, रोजगार एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। माननीय मंत्री ने कुंजन अरोरा को बिहार आने तथा राज्य में गन्ना आधारित उद्योगों में निवेश की संभावनाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को आवश्यक सहयोग एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कुंजन अरोरा ने बिहार में गन्ना आधारित उद्योगों एवं निवेश की संभावनाओं में रुचि व्यक्त की तथा राज्य में उपलब्ध अवसरों का अध्ययन करने के लिए बिहार का दौरा करने में रुचि दिखाई। यह मुलाकात बिहार में निवेश आकर्षित करने, गन्ना आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

शहीद दिवस पर अमर स्वतंत्रता सेनानियों को याद कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

■ सीएम सम्राट ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रात : किरण संवसददाता

पटना। शहीद दिवस के अवसर पर 11 अगस्त 1942 को आजादी के मतवाले सात अमर शहीद यथा उमाकांत प्रसाद सिंह, रामानन्द सिंह, सतीश प्रसाद झा, जगतपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेन्द्र सिंह एवं राम गोविन्द सिंह की दी गई कुर्बानियों को याद किया गया और उन्हें शत-शत नमन करते हुये श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राजकीय समारोह का आयोजन शहीद स्मारक परिसर, पटना में किया गया। राजकीय समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, बिहार विधान परिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, भवन निर्माण मंत्री लेशी सिंह, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी, सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव, विधायक श्याम रजक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, पटना प्रमण्डल के आयुक्त मयंक वरवड़े, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा, अमर शहीदों के परिजन एवं गणमान्य व्यक्तियों ने अमर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित मंत्रिगण, विधायकगण एवं गणमान्य व्यक्तियों ने बिहार विधानमंडल प्रांगण स्थित शहीद पार्क में जाकर अमर ज्योति के समक्ष पुष्प चक्र अर्पित किया एवं स्वतंत्रता संग्राम के तमाम अमर शहीदों को नमन करते हुये अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन प्रस्तुत किया गया।

दिल्ली स्थित आवास पर करगहर विधायक ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से की शिष्टाचार भेंट

पटना। नई दिल्ली स्थित आवास पर करगहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक वशिष्ठ सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर करगहर विधायक ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। भेंट के दौरान करगहर विधानसभा क्षेत्र के विकास, जनहित से जुड़े विषयों तथा संगठनात्मक मुद्दों पर सौहार्दपूर्ण एवं सार्थक चर्चा हुई। साथ ही श्री वशिष्ट सिंह ने क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा से जुड़े विषयों को लेकर सकारात्मक संवाद किया एवं प्रदेश संगठन में मिले कार्य - दायित्व पर चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया एवं श्री नीतीश कुमार ने उन्हें जनहित में निरंतर सक्रिय रहने के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर विधान परिषद् में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता सह पार्टी कोषाध्यक्ष ललन कुमार सर्राफ साथ रहे। साथ ही उन्होंने जानकारी दी की राज्यसभा सत्रावसान पश्चात नीतीश कुमार 13 अगस्त की संध्या पटना वापस लौट आयेंगे।

तबादले में यूपी के शिक्षकों के साथ नहीं होगा भेदभाव: मंत्री

■ नियमावली के आधार पर ही होगा स्थानांतरण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि राज्य के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होगी। शिक्षकों का तबादला पोर्टल के माध्यम से और शिक्षक स्थानांतरण नियमावली के आधार पर ही किया जाएगा। किसी की पैरवी नहीं सुनी जाएगी और किसी को भी भेदभाव का आरोप लगाने का मौका नहीं दिया जाएगा। शिक्षा विभाग स्थानांतरण प्रक्रिया को निष्पक्ष और नियमों के अनुरूप पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री तिवारी ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि उत्तर प्रदेश के मूल निवासी जो शिक्षक बिहार के स्कूलों में पढ़ा रहे हैं, उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाएगा। यूपी के शिक्षक हमारे लिए पूजनीय हैं। वे हमारे बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं। स्थानांतरण प्रक्रिया में हम उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं होने देंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्थानांतरण प्रक्रिया में किसी की सिफारिश या पैरवी के आधार पर निर्णय नहीं लिया जाएगा। सभी शिक्षकों का स्थानांतरण निर्धारित नियमों और तय प्रक्रिया के अनुसार ही होगा।

संग्रहालयों को ज्ञान, शोध और अध्ययन के स्थान बनाए जाएं : मंत्री

■ कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने किया वाचनालय का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर का जीवन सामाजिक न्याय, समानता और जनसेवा के मूल्यों को समर्पित रहा। उनके जीवन और विचारों से जुड़ा कपूर्री ठाकुर स्मृति संग्रहालय नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का केंद्र रहा है। अब यहां शुरू हुए वाचनालय से विद्यार्थी और शोधार्थी कपूर्री ठाकुर के जीवन, विचारों के साथ बिहार के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। यह बातें कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने मंगलवार को पटना में 01 देशरत्न मार्ग स्थित भारत रत्न कपूर्री ठाकुर स्मृति संग्रहालय में वाचनालय (रीडिंग रूम) के उद्घाटन के दौरान कही।

मंत्री ने कहा कि कला एवं संस्कृति विभाग का प्रयास है कि राज्य के संग्रहालयों को केवल देखने की जगह तक सीमित न रखा जाए। बल्कि, उन्हें ज्ञान, अध्ययन और शोध के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। कपूर्री ठाकुर स्मृति संग्रहालय में वाचनालय की शुरूआत इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरू हुआ वाचनालय: मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद 18 अप्रैल 2026 को इस संग्रहालय का भ्रमण किया था। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए बेहतर अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाचनालय स्थापित करने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद संग्रहालय में वाचनालय तैयार किया गया, जिसका विभागीय मंत्री के द्वारा मंगलवार को उद्घाटन किया गया।

संग्रहालय में संरक्षित वस्तुओं का किया अवलोकन: उद्घाटन से पहले मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने संग्रहालय परिसर में कपूर्री ठाकुर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने संग्रहालय की विभिन्न दीघाओं का भ्रमण किया। उन्होंने कपूर्री ठाकुर के व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुओं जैसे वस्त्र, चश्मा और अन्य सामान को देखा। साथ ही उनके कक्षों का निरीक्षण कर उनसे जुड़ी स्मृतियों की जानकारी ली।

युवाओं से बातचीत कर सुविधाओं की ली जानकारी: वाचनालय में अध्ययन कर रहे युवाओं और विद्यार्थियों से मंत्री ने बातचीत की। उन्होंने उनकी पढ़ाई, रुचियों और वाचनालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। मंत्री ने युवाओं से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि वाचनालय में विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अध्ययन की आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इससे संग्रहालय में आने वाले लोगों को बिहार के इतिहास, कला, संस्कृति और सामाजिक विरासत से जुड़े विषयों को पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य अनिल ठाकुर, संग्रहालय निदेशक कृष्ण कुमार, अपर निदेशक डॉ. विनय कुमार, डॉ. शंकर सुमन, डॉ. विमल तिवारी समेत विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

राजद ने शहीदों को याद किया, दी श्रद्धांजलि

पटना। राष्ट्रीय जनता दल की ओर से पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने मंगलवार को सैंकड़ों की संख्या में पटना सचिवालय के सामने झंडा फहराने के दौरान हुए सात शहीदों के स्मारक बिहार विधान मंडल के समक्ष पहुंचकर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल की अध्यक्षता में शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व, शहादत और बलिदान को याद किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी शहीद उमाकांत प्रसाद सिन्हा, रामानंद सिन्हा, सतीश प्रसाद झा, जगपति कुमार, देवीपद चौधरी, राजेन्द्र सिंह, रामगोविन्द सिंह की शहादत को याद किया गया। माल्यार्पण के बाद राजद नेताओं ने इस बात का संकल्प लिया कि आजादी के लिए शहादत और कुबार्नी देने वाले सातों वीर सपूत हम सभी के लिए अनुकरणीय है। माल्यार्पण करने वालों में पूर्व मंत्री डॉ रामचन्द्र पूर्वे, पूर्व विधायक शक्ति सिंह यादव, सुदय यादव, पार्टी नेता मदन शर्मा, फैयाज आलम कमाल, नंदू यादव,हरेन्द्र कुमार कुशवाहा, संजय यादव, निर्भय अम्बेदकर, डॉ कुमार राहुल सिंह, प्रमोद कुमार सिन्हा , प्रदीप मेहता, बागेश्वर कुमार बबलू, संटू कुमार यादव, डॉ मुनीलाल गुप्ता, महेन्द्र प्रसाद विद्यार्थी, अनिल साधु पासवान, चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह, डॉ लालदेव यादव, संजीत ठाकुर, उमेश पंडित, विमल यादव, गणेश यादव, कुंदन कुमार राय, रीना चौधरी, श्वेता पाठक, सुरेन्द्र यादव, रमई राम, अरूण कुमार सिंह एवं धनंजय कुमार सहित अन्य गणमान्य नेताओं ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

छात्रों के मुद्दे पर कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष का दोहरा मापदंड : नीतीश

■ झारखंड छात्र आंदोलन पर बिहार सरकार के मंत्री ने कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष पर बोला हमला

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के मंत्री नीतीश मिश्रा ने झारखंड में चल रहे छात्र आंदोलनों को लेकर कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष छात्र आंदोलनों और युवाओं के मुद्दों पर राजनीतिक सुविधा के अनुसार दोहरा रवैया अपना रहा है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में नीतीश मिश्रा ने कहा कि जब दिल्ली में छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर आए थे, तब विपक्ष के तमाम बड़े नेता उनके समर्थन में खड़े दिखाई दिए थे। लेकिन आज झारखंड में खढरउ और खररउ से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर जब छात्र लगातार आंदोलन कर रहे हैं, तो विपक्ष पूरी तरह से मौन साधे बैठा है और उनकी सुध नहीं ले रहा है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि झारखंड के छात्र भी देश के नागरिक हैं और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों को भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि युवाओं के मन में यह बात आ रही है कि दिल्ली के प्रदर्शनों पर मुखर रहने वाला विपक्ष झारखंड के छात्रों की समस्याओं पर चुप क्यों है। संसद में जारी गतिरोध पर बोलते हुए नीतीश मिश्रा ने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सरकार हर विषय पर सकारात्मक चर्चा और जवाब देने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री ने स्व. गुरू सहाय लाल जी के जन्म दिवस के अवसर पर उन्हें नमन किया

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद् और किसान नेता स्व गुरू सहाय लाल जी के जन्म दिवस के अवसर पर श्री कृष्ण स्मारक भवन परिसर में आयोजित राजकीय समारोह में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भवन निर्माण मंत्री लेशी सिंह, सहकारिता मंत्री श्री रामकृपाल यादव, विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती शीला कुमारी, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, पटना प्रमण्डल के आयुक्त मयंक वरवड़े, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के शर्मा सहित कई अन्य राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्व गुरू सहाय लाल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती पूजन, भजन कीर्तन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देशभक्ति गीत के कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

उर्दू-अरबी-फारसी शिक्षकों के ट्रांसफर पर तेजस्वी का सवाल, सीएम सम्राट को लिखा खत

प्रात : किरण संवाददाता

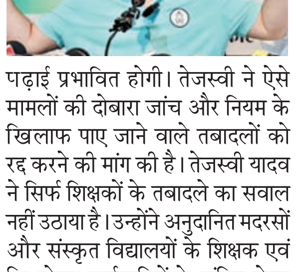

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के कार्याकरी अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सरकारी विद्यालयों में उर्दू, अरबी और फारसी शिक्षकों के नियमविरुद्ध तबादले रद्द करने, मदरसों तथा संस्कृत विद्यालयों के कर्मियों का 5-6 महीने से लंबित वेतन तुरंत जारी करने और हर विद्यालय में उर्दू व संस्कृत शिक्षकों की पदस्थापना की मांग की है। उन्होंने दावा किया है कि कुछ स्कूलों में जिस विषय का सिर्फ एक शिक्षक है, उसे भी सरप्लस बताकर ट्रांसफर की सूची में डाल दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने अनुदानित मदरसों और संस्कृत विद्यालयों के शिक्षकों-कर्मियों के लंबित वेतन का मुद्दा भी उठाया है। तेजस्वी यादव ने अपने पत्र में कहा है कि शिक्षकों के स्थानांतरण की मौजूदा प्रक्रिया को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। खास तौर पर उर्दू, अरबी और फारसी विषयों के शिक्षकों के साथ कथित तौर पर भेदभाव की शिकायत सामने आ रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर किसी स्कूल में किसी विषय का केवल एक शिक्षक है और उसे भी सरप्लस बताकर हटा दिया जाता है, तो उस स्कूल में उस विषय की पढ़ाई प्रभावित होगी। तेजस्वी ने ऐसे मामलों की दोबारा जांच और नियम के खिलाफ पाए जाने वाले तबादलों को रद्द करने की मांग की है। तेजस्वी यादव ने सिर्फ शिक्षकों के तबादले का सवाल नहीं उठाया है। उन्होंने अनुदानित मदरसों और संस्कृत विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के लंबित वेतन का भी मुद्दा मुख्यमंत्री के सामने रखा है। पत्र में उन्होंने दावा किया है कि कई कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने सरकार से लंबित वेतन का तत्काल भुगतान करने की मांग की है। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री से यह भी कहा है कि सरकारी स्कूलों में उर्दू और संस्कृत शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने दोनों विषयों के साथ समान व्यवहार की मांग की है। साथ ही पांच साल से कम सेवा वाले शिक्षकों, संविदा शिक्षकों और हाल में ट्रांसफर किए गए शिक्षकों के मामलों की भी नियमों के अनुसार समीक्षा की मांग की है।

खगौल से लापता बच्ची का कोई सुराग नहीं : भाई अरुण

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता भाई अरुण ने पटना के खगौल स्थित केंद्रीय विद्यालय से लापता बच्ची की 24 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर चिंता जताई है। राजद नेता ने पुलिस पर संवेदनशीलता से काम नहीं करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला है। किसी अनहोनी की घटना से आशंकित परिजन दहशत में हैं। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। श्री भाई अरुण ने कहा कि पटना पुलिस से आग्रह है कि लड़की को बरामद करने में तत्परता से काम करे। वहीं, राजद नेता ने सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि अपराध चरम पर है। अपराधी बेख़ौफ होकर अपराध की घटनाओं का अंजाम दे रहे हैं। आम जनता में भय का माहौल है।

संक्षिप्त खबरें

अंचलाधिकारी पर गरीब-भूमिहीन आवेदकों को कथित रूप से धमकाने का आरोप

मधुबनी । जयनगर भाकपा-माले की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में जयनगर अंचलाधिकारी पर गरीब, दलित एवं भूमिहीन आवेदकों को कथित रूप से धमकाने तथा अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। पार्टी के जयनगर प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोप सत्य पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग जिलाधिकारी मधुबनी, अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर एवं भूमि सुधार उप समाहर्ता जयनगर से की है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा (खेग्रामस) के आह्वान पर 13-14 अगस्त को प्रखंड-अंचल कार्यालय जयनगर के समक्ष दिन-रात चलने वाला सत्याग्रह प्रस्तावित है। इसी बीच बड़ी संख्या में महादलित, भूमिहीन एवं पचाधारी परिवार अपनी समस्याओं के समाधान को लेकर बिहार सरकार के शिकायत/सहयोग पोर्टल पर परिवाद दर्ज करा रहे है विज्ञप्ति में दावा किया गया है कि कुछ आवेदकों ने भाकपा-माले नेताओं को जानकारी दी कि अंचल कार्यालय परिसर में संचालित एक निजी सीएससी सेंटर के मोबाइल नंबर से उनके सहयोग पोर्टल पर दर्ज मोबाइल नंबर पर संपर्क कर उन्हें अंचल कार्यालय बुलाया गया। भूषण सिंह द्वारा उक्त नंबर पर संपर्क करने पर फोन अंचलाधिकारी जयनगर अखिलेश चौधरी द्वारा उठाए जाने तथा बातचीत के दौरान कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है। भूषण सिंह ने आरोप लगाया कि अंचल कार्यालय में दाखिल- खारिज, परिमार्जन, एलपीसी सहित विभिन्न कार्यों में निजी सीएससी सेंटर की भूमिका होने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि आरोप जांच में सही पाए जाते है तो सरकारी कार्यप्रणाली और आवेदकों की व्यक्तिगत सूचनाओं की गोपनीयता को लेकर गंभीर सवाल खड़े होंगे। भाकपा-माले ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए आवेदन प्रक्रिया, कार्यालयीय रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज तथा संबंधित आवेदकोएवं कर्मचारियो के बयान के आधार पर जांच कराने की मांग की है। साथ ही सीएससी सेंटर की भूमिका एवं अंचल कार्यालय से उसके कथित संबंधों की भी जांच की मांग की है। सत्याग्रह स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की मांगप्रेस विज्ञप्ति में 13-14 अगस्त को प्रस्तावित दिन-रात के सत्याग्रह को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, मधुबनी से आंदोलन स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है। भूषण सिंह ने कहा कि आंदोलन में शामिल गरीब, भूमिहीन, महादलित एवं पचाधारी परिवार शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से अपना सत्याग्रह कर सकें, इसके लिए प्रशासन आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे।

पंचायत समिति की बैठक में विकास कार्यों में गड़बड़ी के मुद्दे पर प्रमुख ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर सभागार में मंगलवार को पंचायत समिति की बैठक प्रखंड प्रमुख अंजनी भारती की अध्यक्षता में हुई .बैठक में पूर्व की बैठक में पारित प्रस्तावों पर अब तक कार्रवाई नहीं होने पर सदस्यों ने नाराजगी जताई। कुशेश्वरस्थान दक्षिणी पंचायत के मुखिया मोहम्मद इलाम ने कहा कि पंचायत सरकार भवन का निर्माण कार्य अभी भी लंबित है। उन्होंने किसानों के खेतों में पटवन के लिए बिजली की व्यवस्था कराने की मांग की . यह प्रस्ताव पूर्व की बैठक में पारित हो चुका है ,लेकिन अब तक अमल नहीं हुआ।तिलकेश्वर पंचायत की मुखिया प्रमिला देवी ने बताया कि पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन हो चुका है . लेकिन भवन का निर्माण कार्य अधूरा है .उन्होंने गोलमा डीह में प्राथमिक विद्यालय और स्वास्थ्य उपकेन्द्र बनाने की भी मांग रखी भिंडुआ के मुखिया नवल किशोर राय ने प्राथमिक विद्यालय करौतवा पूर्वी की अधूरी चारदीवारी और निर्माणाधीन पंचायत सरकार भवन को जल्द पूर्ण कराने की मांग की।सुघराइन के समिति सदस्य सुधीर कुमार ने ग्राम कचहरी सुघराइन परिसर की चारदीवारी कराने का प्रस्ताव दिया .महिशौथ के मुखिया राजेश पासवान ने सिसौना से केवटगामा तक जर्जर सड़क के निर्माण की मांग की .उन्होंने कहा कि बरसात में आवागमन बाधित है .इसलिए तत्काल ईंट का टुकड़ा गिराकर सड़क चलने लायक बनाई जाए। बैठक में आंधी-बारिश से फसल क्षति की सहायता राशि वितरण में समन्वयक की मनमानी की जांच की मांग उठी . सीओ द्वारा पर्चा वितरण में कर्मचारियों की मनमानी का आरोप भी लगा .कहा गया कि योग्य लाभुकों को पर्चा नहीं मिला .जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। तिलकेश्वर की मुखिया प्रमिला देवी ने पंचायत में आंगनबाड़ी केंद्र नहीं चलने की शिकायत की .इस पर एलएस नीतू कुमारी ने कहा कि केंद्र संचालित है .उन्हें कोई शिकायत नहीं मिली है .उसरी की मुखिया पूनम देवी ने बताया कि मनरेगा से पशु शेड निर्माण के बाद भी राशि का भुगतान नहीं हुआ है। प्रमुख अंजनी भारती ने सभी लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश अधिकारियों को दिया।

विधायक ने जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर सुनी जनता की समस्या

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड कार्यालय परिसर विभूतिपुर में स्थानीय विधायक अजय कुमार ने जन संवाद कार्यक्रम आयोजित कर जनता से सीधे मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। जनता की समस्या को त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार, अंचलाधिकारी सहित सभी विभाग के पदाधिकारी एवं सीपीआईएम के अंचल मंत्री श्याम किशोर कमल, महेश कुमार, बबलू कुमार, सुरेंद्र प्रसाद सिंह, विजय कुमार, दिनेश कुमार रंजन सहित दर्जनों की संख्या में आम जनता मौजूद थे।

साइबर थाना की कार्रवाई से पीड़ित को वापस मिले 50 हजार

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में साइबर थाना, मधुबनी की तत्परता से पीड़ित व्यक्ति को राहत मिली है। साइबर थाना की पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के माध्यम से निकाली गई कुल 50,000 रुपये की राशि को सफलतापूर्वक वापस कराकर वास्तविक धारक को सौंप दिया गया।साइबर ठगी की शिकायत प्राप्त होने के बाद पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं तकनीकी माध्यमों से समन्वय स्थापित किया। पुलिस के प्रयास से ठगी की राशि की वापसी संभव हो सकी। साइबर थाना, मधुबनी की इस कार्रवाई से पीड़ित को आर्थिक राहत मिली है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा साइबर ठगी होने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस अथवा संबंधित साइबर हेल्पलाइन को दें।

बाबुबरही पुलिस ने 7 किलो गांजा के साथ तस्कर को दबोचा

मधुबनी। बाबुबरही थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक मोटरसाइकिल एवं 7 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से मादक पदार्थों की तस्करी करने वालो में हड़कंप मच गया है।पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर

विशेष कार्रवाई करते हुए संदिग्ध की तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से 7 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। मौके से तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बरामद गांजा एवं मोटरसाइकिल को विधिवत जब्त कर लिया है। गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विधि-सम्मत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

साइबर ठगी के 7.89 लाख रुपये पीड़ित को वापस कराए

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में साइबर थाना, मधुबनी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी की गई 7 लाख 89 हजार 500 रुपये की राशि वास्तविक धारक को वापस कराने में सफलता हासिल की है। साइबर थाना की टीम द्वारा मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी की राशि को ट्रेस किया गया तथा संबंधित प्रक्रिया पूरी करने के बाद कुल 7,89,500 रुपये की राशि वास्तविक धारक को वापस करा दी गई। पुलिस की इस कार्रवाई से साइबर ठगी के पीड़ित को राहत मिली है। साइबर थाना द्वारा आम लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाता, एटीएम, ओटीपी, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा नहीं करें। साइबर अपराध का शिकार होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

सीमावर्ती क्षेत्र में निकली हर घर तिरंगा साइकिल रैली

ग्रामीणो व स्कूली बच्चो ने उत्साह के साथ लिया भाग, तिरंगे के साथ दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे हर घर तिरंगा 2026अभियान के तहत मंगलवार को 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के ई समवाय हरने तथा इसके अधीनस्थ सीमा चौकी खौना एवं नहरनियां के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम एवं साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुबह 8:30 बजे से 10 बजे तक चला।कार्यक्रम के दौरान सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों एवं स्कूली बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज के महत्व, उसके सम्मान तथा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति जागरूक किया। लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई।इसके बाद ग्रामीणो एवं स्कूली बच्चों ने हाथों में तिरंगा

लेकर साइकिल रैली निकाली। रैली में बच्चों ने उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। तिरंगे के साथ निकली रैली से सीमावर्ती क्षेत्र में देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का संदेश प्रसारित हुआ।राष्ट्र के प्रति सम्मान और जिम्मेदारी का अभियान : कमांडेंटइस अवसर पर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नही है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र के प्रति सम्मान, गौरव और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के ग्रामीणों एवं बच्चों की ऐसे राष्ट्रीय अभियानों में सहभागिता से राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सौहार्द को मजबूती मिलती है। उन्होने सभी सीमावर्ती नागरिको से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।कमांडेंट ने कार्यक्रम में शामिल ग्रामीणो, बच्चो एवं सशस्त्र सीमा बल के जवानों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

साखमोहन की बहु पावर लिफ्टिंग में जीती स्वर्ण पदक ,की क्षेत्र का नाम रौशन

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड अंतर्गत साख मोहन की बहु स्मिता कुमारी बिहार स्टेट पावर लिफ्टिंग एसोशियशन एवं बिहार सरकार के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 38 वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रौशन की है।गांव की बहु व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में सहायक प्रशाखा पदाधिकारी स्मिता ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए विभूतिपुर ही नहीं पूरे राज्य की मान को बढ़ाई है।स्मिता ने 7 से 9 अगस्त तक कन्या उच्च विद्यालय पटना में संपन्न हुई 38 वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में 76 किलो वजन में 442.5 किलो वजन क्रमशः स्क्वार्ट 162.5 किलोग्राम बैच में सर्वाधिक 100 किलोग्राम, डेड लिफ्ट में 180 किलोग्राम वजन उठाकर अपने प्रतिद्वंद्वी को लगभग 200 किलोग्राम से प्रास्त कर स्वर्ण पदक पर कब्जा की। बता दे की स्मिता के पति जितेंद्र कुमार उच्च विद्यालय टभका में शिक्षक है। इससे पूर्व स्मिता ने राष्ट्रीय स्तर पर महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आयोजित राष्ट्रीय मास्टर क्लासिक पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण एवं एक रजत पदक अपने नाम कर चुकी है। स्मिता की उपलब्धि पर उनके ससुर मृत्युंजय प्रसाद सिंह, सास प्रमिला देवी सहित क्षेत्र के लोग बधाई दी है।

युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण के चौथे दिन स्वयंसेवकों को सिखाए प्राथमिक उपचार के गुर

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के जुबिली हॉल में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से एनएसएस कोषांग के तत्वावधान में आयोजित 200 स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं का युवा आपदा मित्र आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चौथे दिन भी जारी रहा। प्रशिक्षण के दौरान एसडीआरएफ, पटना के हवलदार कृष्ण नंदन सिंह के नेतृत्व में प्रशिक्षकों ने स्वयंसेवकों को आपदा के दौरान प्राथमिक उपचार एवं बचाव के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में हड्डी टूटने की आशंका होने पर खपची बांधने, स्थानीय संसाधनों के सहयोग से स्ट्रेचर तैयार करने, फुल बॉडी लॉक करने सहित सड़क सुरक्षा, सड़क दुर्घटनाओं के कारण एवं निदान तथा जल, जीवन और हरियाली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने बताया कि हड्डी टूटने की आशंका होने पर खपची बांधना प्राथमिक उपचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके लिए लकड़ी की पट्टी, बांस की पतली पट्टी, कार्डबोर्ड या उपलब्ध समतल वस्तुओं का उपयोग किया जा सकता है। इसका उद्देश्य प्रभावित अंग को स्थिर रखना है, ताकि घायल को अस्पताल पहुंचाने तक स्थिति अधिक गंभीर न हो। देव कुमार ने सड़क सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोगों की जान जाती है। इनमें दुपहिया वाहन चालकों की संख्या काफी अधिक होती है। उन्होंने बताया कि 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग सड़क दुर्घटनाओं से सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। प्रशिक्षण के दौरान सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग तथा दुर्घटना से बचाव के उपायों पर भी चर्चा की गई। शिविर में ज्ञानवर्धक वीडियो एवं डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से भी स्वयंसेवकों को जागरूक किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए सीएम साइंस कॉलेज के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. युगेश्वर साह ने कहा कि आपदा प्रशिक्षण छात्र-छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी ज्ञानवर्धक और उपयोगी है। स्वयंसेवक शिविर में सीखी बातों से आम लोगों को जागरूक एवं प्रशिक्षित करें, तभी ऐसे प्रशिक्षण की सार्थकता और अधिक बढ़ेगी।बौद्धिक सत्र में बीएड (नियमित) के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार मिलन ने युवाओं का राष्ट्र के प्रति कर्तव्यह्व विषय पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि युवावस्था जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण, क्षमतावान और साहसपूर्ण अवस्था है। प्रशिक्षित, जागरूक एवं अनुशासित युवा ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला होते हैं। सेवाभावी और अहंकार रहित युवाओं के बल पर ही सामाजिक परिवर्तन संभव है। कार्यक्रम में डॉ. आरएन चौरसिया, डॉ. शबनम कुमारी, डॉ. अनुपम प्रिया, डॉ. प्रियंका राय, डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. युगेश्वर साह, डॉ. सुधांशु कुमार, डॉ. दिलीप कुमार झा, डॉ. अरविन्द कुमार मिलन, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. राज किशोर पासवान, डॉ. रश्मि दत्ता, डॉ. सोनू राम शंकर, मुकेश कुमार झा, मणिकांत ठाकुर, अमित कुमार झा, रवीन्द्र कुमार सिंह, प्रशांत, साक्षी सहित अन्य ने सक्रिय सहयोग किया। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में संगीत संध्या का आयोजन हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं ने मनोरंजक एवं भक्ति प्रधान गीत, भजन, गजल और कविता प्रस्तुत कर वातावरण को मोहक बना दिया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर क्विज एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकफतेहगंज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वर्गवार क्विज एवं रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आजादी, स्वतंत्रता संग्राम एवं संविधान से संबंधित था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक अविनाश कुमार ने कहा कि क्विज बच्चों में आत्मविश्वास को बढ़ाता है इससे कोई भी चीजें लम्बी समय तक याद

रहती है। पूरे कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विवेक कुमार अरूण एवं कुंदन कुमार ने किया। क्विज में वर्ग 8 में दिव्या कुमारी, वर्ग 7 में आर्यन कुमार, वर्ग 6 में विमर्श कुमार, वर्ग 5 सौम्या कुमारी जबकि वर्ग 4 में केशव कुमार का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा। रंगोली में प्रथम स्थान पर रिचा एवं साक्षी दूसरे स्थान पर अश्वनी एवं साधना जबकि तीसरे स्थान पर अनुष्का एवं राखी रही। मौके पर शिक्षिका प्रियंका कुमारी, बसंती कुमारी, नर्मदा चौधरी, शिक्षक शिवनाथ ठाकुर, अफरोज आलम अंसारी एवं शिवचंद्र उपस्थित थे।

आरआईएसई एप का दिया प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विभूतिपुर में नियमित टीकाकरण से संबंधित आरआईएसई एप का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण डीईओ चंदन कुमार के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण से एएनएम के कार्य में गुणवत्ता आएगी। साथ ही सभी एएनएम टीकाकरण के बारे में विशेष जानकारी हासिल किए। मौके पर सभी एएनएम और आशा फैसिलिटेटर मौजूद थे।

रूफटॉप सोलर से घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी आएगी : डीएम

सोलर मेला में 118 उपभोक्ताओं ने रूफटॉप सोलर के लिए दिया आवेदन

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा । नाका नंबर-05 स्थित विद्युत कार्यालय परिसर में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सोलर-सह-सोलर लोन मेला आयोजित किया गया। मेले में बड़ी संख्या में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं ने भाग लेकर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने, अनुदान, बैंक ऋण, आवेदन प्रक्रिया एवं योजना के लाभों की जानकारी प्राप्त की। मेले में कुल 118 इच्छुक घरेलू उपभोक्ताओं ने रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लिए आवेदन किया। वहीं, सोलर लोन के इच्छुक उपभोक्ताओं ने विभिन्न बैंकों में कुल 34 आवेदन जमा किए। अधिकृत वेंडरों ने स्टॉल लगाकर सोलर पैनल की गुणवत्ता, क्षमता, लागत एवं स्थापना प्रक्रिया की जानकारी दी। सोलर लोन उपलब्ध कराने में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उत्कृष्ट कार्य के लिए शिवधारा, ईनाय, कादिराबाद एवं पीएनबी कामेश्वर नगर स्थित बैंक शाखाओं को जिलाधिकारी कौशल कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। रूफटॉप सोलर पैनल अधिष्ठापन के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले छह वेंडरों–एमएन एनर्जी एंड इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, सोलर पावर सनराइज रिन्यूएबल एनर्जी, ओएमएस सोलर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, एडीपी रिन्यू पावर तथा फ्लावरफिज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य को भी सम्मानित किया गया।जिलाधिकारी ने सोलर योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए अधिकारियों, बैंक प्रतिनिधियों एवं वेंडरों को समन्वय से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रूफटॉप सोलर से घरेलू उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी आएगी और स्वच्छ ऊर्जा के साथ ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। मौके पर सहायक समाहर्ता कल्पना रावत सहित विद्युत विभाग के अभियंता एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

मधुबनी नगर निगम का बड़ा कदम : महापुरुषों के नाम पर बनेंगे स्वागत द्वार लेकिन शहर के असली निमार्ताओं का क्या : प्रह्लाद पूर्व

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। नगर निगम मधुबनी द्वारा शहर की खूबसूरती और सम्मान को बढ़ाने के लिए महापुरुषों के नाम पर स्वागत द्वार (गेट) का निर्माण कराया जा रहा है। निगम का यह फैसला बेहद सराहनीय है और इससे शहरवासियों में काफी खुशी की लहर है। हालांकि, इस ऐतिहासिक पहल के बीच शहर के जागरूक नागरिकों और प्रबुद्ध वर्ग ने एक बेहद महत्वपूर्ण और वाजिब मांग उठाई है। ऐतिहासिक महापुरुष पूजनीय, लेकिन शहर के ह्यनिमार्ताओंह्व को भी मिले सम्मान! स्थानीय लोगों का कहना है कि देश और दुनिया के महान ऐतिहासिक पुरुष हम सभी के लिए गर्व का प्रतीक हैं, लेकिन मधुबनी शहर की नींव मजबूत करने और इसे पहचान दिलाने में जिन स्थानीय विभूतियों ने अपना पूरा जीवन खपा दिया, उन्हें भूलना सही नहीं होगा। शहर की शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा और इंफ्रास्ट्रक्चर में जिन महानुभावों का अमूल्य योगदान रहा है, उनके नाम पर भी भव्य द्वारों का निर्माण होना चाहिए। इन प्रमुख समाजसेवियों के नाम पर द्वार बनाने की पुरजोर मांगः रामकृष्ण पूर्वे द्वार (फङ कॉलेज):* मधुबनी में शिक्षा की अलख जगाने वाले और उत्तर बिहार के इस प्रतिष्ठित कॉलेज के संस्थापक को सम्मान मिलना बेहद जरूरी है। गोकुल पंजियार एवं मथुरा पंजियार द्वार (सूड़ी स्कूल):* जिन्होंने शहर में स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया।झुमक महासेठ द्वार (महिला कॉलेज):* महिला शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने वाली इस महान विभूति को समर्पित द्वार बनना चाहिए। संतलाल महासेठ द्वार (संस्कृत महाविद्यालय):हमारी प्राचीन संस्कृति, भाषा और धरोहर के संरक्षण में जिनका अतुलनीय योगदान रहा।रामजी कारक द्वार (धर्मशाला):बाहर से आने वाले यात्रियों, गरीबों और जरूरतमंदों के आश्रय की नींव रखने वाले समाजसेवी का सम्मान। शहर की पहचान से जुड़े हर नायक का हो सम्मान नगरवासियों का मानना है कि इन विभूतियों ने मधुबनी शहर को पहचान, ऐतिहासिक धरोहर और सामाजिक विकास का एक मजबूत आधार दिया है। अगर नगर निगम इन दूरदर्शी महापुरुषों के नाम पर भी शहर के प्रमुख चौराहों और रास्तों पर द्वार बनाता है, तो यह न केवल उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी मधुबनी के अपने असली नायकों के इतिहास से प्रेरणा ले सकेंगी। अब देखना यह होगा कि नगर निगम प्रशासन जनता की इस दूरदर्शी और न्यायसंगत मांग पर कितना जल्द संज्ञान लेता है!

नशा मन, बुद्धि व शरीर को करता है प्रभावित : अजित मिश्र

हनुमाननगर(दरभंगा)।उच्च माध्यमिक विद्यालय मोरो में डॉ. रमण राजेश फाउंडेशन के तत्वावधान में नशा मुक्ति अभियान के तहत ह्यनशे के दुष्प्रभाव और बचावह्व विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। अध्यक्षता प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन बाल कल्याण न्याय पीठ दरभंगा के सदस्य एवं सामाजिक चिंतक अजित कुमार मिश्र, मोरो थानाध्यक्ष दिव्य ज्योति, शिक्षाविद सियाराम राय सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। अजित कुमार मिश्र ने कहा कि नशा नाश का कारण है। यह मनुष्य के मन, बुद्धि और शरीर को प्रभावित करता है। कुसंगति के कारण बच्चे नशे की गिरफ्त में आकर अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। इससे पढ़ाई प्रभावित होने के साथ समाज और राष्ट्र के सामने गंभीर चुनौती उत्पन्न हो रही है। थानाध्यक्ष दिव्य ज्योति ने कहा कि घरेलू हिंसा, चोरी, लूटपाट और सड़क दुर्घटनाओं जैसी घटनाओं के पीछे नशा प्रमुख कारणों में से एक है। फाउंडेशन के निदेशक सुमन कुमार ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और नियमित पढ़ाई करने का संकल्प दिलाया। प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार ने कहा कि विद्यालय में यूथ एवं इको क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज के लिए जागरूक किया जा रहा है। संचालन डॉ. रमण राजेश ने किया। मौके पर शिक्षक, ग्रामीण और सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

माता-पिता के आशीर्वाद व शुभचिंतकों के स्नेह का परिणाम है : सीए सुरेश कुमार झा

दरभंगा। देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र मुंबई के बांद्रा ईस्ट स्थित बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में घनश्यामपुर प्रखंड के गोई मिश्र लगमा निवासी प्रसिद्ध चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए सुरेश कुमार झा के ह्लसुरेश कुमार झा एंड कंपनी चार्टर्ड अकाउंटेंट्सह्व कार्यालय का उद्घाटन हुआ। समारोह में देश-विदेश की कई प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ विभिन्न कंपनियों एवं बैंकिंग- वित्तीय संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना थी, लेकिन तिरंगा यात्रा के कारण उनका कार्यक्रम स्थगित हो गया। मुख्यमंत्री ने अपना शुभकामना संदेश भेजा। मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर उद्घाटन स्थल पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। बाद में भाजपा मुंबई प्रदेश के संगठन महामंत्री पवन त्रिपाठी सहित अन्य अतिथियों ने कार्यालय का शुभारंभ किया। समारोह में एसबीआई, पीएनबी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एयू बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस सहित कई बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड, श्रीराम कृष्णा लिमिटेड, एम. सुरेश डायमंड कंपनी, रिलायंस समूह, टाटा, गोदरेज, बिड़ला, एस्सार, वाधवा, फॉर्च्यून एवं अन्य प्रतिष्ठित समूहों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता की। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, मैथिल संगठनों तथा बिहार फाउंडेशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। सीए सुरेश झा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स जैसे महत्वपूर्ण कॉरपोरेट केंद्र में कार्यालय की शुरूआत माता-पिता के आशीर्वाद एवं शुभचिंतकों के स्नेह का परिणाम है। सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रिय सीए झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली प्रेरणा उन्हें निरंतर आगे बढ़ने की ऊर्जा देती है।

कौशल विकास का हब बनेगा दरभंगा : सांसद

केंद्र सरकार से मिथिला को पीएम सेतु योजना के लिए पटना, मुंगेर तथा नालंदा के साथ दरभंगा का हुआ चयन

प्रात : किरण संवाददाता

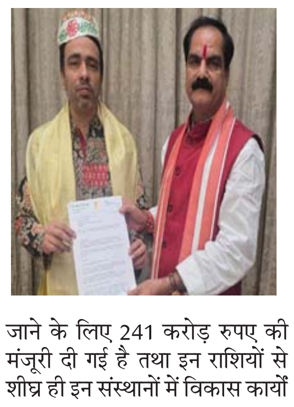

दरभंगा। केंद्र सरकार के द्वारा दरभंगा को एकबार फिर ऐतिहासिक सौगात मिली है। दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र के युवाओं के कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों को नई गति देने की दिशा में बिहार में दरभंगा को पीएम सेतु योजना के तहत कलस्टर के रूप चयन किया गया तथा दरभंगा लोकसभा क्षेत्र के रामनगर आईटीआई एवं बेनीपुर सरकारी आईटीआई को विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में विकसित किए जाने के लिए 241 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है तथा इन राशियों से शीघ्र ही इन संस्थानों में विकास कार्यों को प्रारंभ किया जाएगा। सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने उपरोक्त बातों की जानकारी देते हुए बताया है पीएम सेतु योजना के तहत आईटीआई दरभंगा को हब आईटीआई के रूप में चयनित किया गया है, जिससे दरभंगा को मिथिला के कौशल विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित होने का अवसर मिलेगा तथा मिथिला क्षेत्र के लिए रोजगार के मुद्दे पर वरदान साबित होगा। सांसद डा ठाकुर ने बताया कि उन्होंने इसी महत्वपूर्ण विषय को लेकर केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री जयंत चौधरी से मुलाकात कर इसके लिए आभार प्रकट किया है तथा इन मुद्दों पर बैठक कर समीक्षा की है तथा बैठक के बाद उन्हें एक पत्र सौंपकर कौशल विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर ध्यान आकृष्ट कराया है। सांसद डा ठाकुर ने बताया कि पीएम सेतु योजना के तहत केंद्र सरकार के द्वारा देशभर के 1,000 सरकारी आईटीआई को आधुनिक बनाने तथा लगभग 20 लाख युवाओं को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य है जिसमें आईटीआई को हब और 800 स्पोक आईटीआई के माध्यम से उद्योगों की भागीदारी से आधुनिक प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित की जाएगी। सांसद डा ठाकुर ने केंद्र सरकार के इस पहल को मिथिला क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण, उद्योग आधारित कौशल, अप्रेंटिसशिप तथा रोजगार के लिए वरदान बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से केवल इन दोनों संस्थानों का उन्नयन ही नहीं, बल्कि दरभंगा को कौशल, तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार के क्षेत्र में मिथिला का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

दो घंटे में अपहरण-फिरौती कांड का खुलासा बच्चा सकुशल बरामद, दो अपराधी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में पुलिस ने अपहरण एवं फिरौती के एक मामले का महज दो घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। मामले में पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से देसी पिस्तौल, कारतूस, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 9 मार्च 2026 की शाम कटरा थाना क्षेत्र में एक बच्चा खेलने के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात अपराधियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। इसके बाद बच्चे को छोड़ने के एवज में परिजनों से 50 हजार रुपये फिरौती की मांग की गई। घटना की सूचना मिलने के बाद बच्चे के पिता के बयान पर संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देशन तथा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में पूर्वी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में संबंधित थाना एवं ओपी की पुलिस को भी शामिल किया गया। गठित टीम ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर मामले से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं का गहन विश्लेषण किया और त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस की कार्रवाई के दौरान महज दो घंटे के भीतर अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने घटना में शामिल मंजय कुमार और सुनील कुमार, दोनों कटरा थाना क्षेत्र, मुजफ्फरपुर निवासी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देसी पिस्तौल, दो कारतूस, अपहरण करने का मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार दोनों आरोपियों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। इनके खिलाफ मुजफ्फरपुर के सदर थाना, दरभंगा के सदर थाना एवं कमतौल थाना तथा सीतामढ़ी के नानपुर थाना में लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं। मुजफ्फरपुर पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही गिरफ्तार आरोपियों के आपराधिक इतिहास और इस घटना में उनकी भूमिका की विस्तृत जांच की जा रही है।

मुख्य सड़क पर नाला नहीं होने से 25 हजार आबादी परेशान ,ग्रामीणों ने बीडीओ को सौंपा आवेदन

मुजफ्फरपुर। औराई प्रखंड की आलमपुर सीमरी पंचायत अंतर्गत ससौली गांव जाने वाली मुख्य सड़क पर नाला निर्माण नहीं होने से ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार यह सड़क दो पंचायतों की करीब 25 हजार आबादी को आपस में जोड़ती है, लेकिन सालों से जलजमाव की समस्या के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (BDO) को संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपकर सड़क किनारे नाला निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों का नेतृत्व स्थानीय सरपंच प्रतिनिधि शहबाज आलम और समाजसेवी मो. हजारी ने किया। ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य सड़क पर साल में कम से कम छह महीने तक पानी जमा रहता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर लगातार जलजमाव बना रहता है। इससे पैदल राहगीरों के साथ-साथ दोपहिया और अन्य वाहन चालकों को भी काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों के मुताबिक जलजमाव के कारण आए दिन राहगीर और वाहन चालक सड़क पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द नाला निर्माण कराने और जल निकासी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है।

सिटी पार्क में रील्स और सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर बवाल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर का सिटी पार्क इन दिनों सैर-सपाटे से ज्यादा रील्स और सोशल मीडिया गतिविधियों को लेकर चर्चा में है। रविवार को यहां सामने आए दो अलग-अलग मामलों ने पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। दोनों मामलों को लेकर पुलिस से शिकायत किए जाने की बात सामने आई है। पहले मामले में सिटी पार्क में रील्स बना रहे युवक-युवतियों के साथ गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि पार्क में रील्स बना रहे युवक-युवतियों के साथ कुछ लोगों ने विवाद किया और देखते ही देखते मामला मारपीट तक पहुंच गया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस से शिकायत की गई है। वहीं दूसरे मामले में यूपी और दिल्ली की युवतियों को फेसबुक मीट के नाम पर सिटी पार्क बुलाकर ठगी और अभद्र व्यवहार करने का आरोप सामने आया है। इस मामले में एसएसबी के एक जवान को आरोपित बताया गया है। युवतियों का आरोप है कि सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क करने के बाद उन्हें मिलने के लिए बुलाया गया और इसके बाद उनके साथ कथित तौर पर ठगी व अभद्र व्यवहार किया गया। रविवार को सामने आए दोनों मामलों के बाद सिटी पार्क की सुरक्षा व्यवस्था और सोशल मीडिया के नाम पर यहां होने वाली गतिविधियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों घटनाओं में आरोप कितने सही हैं और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

केन्द्रीय कारागार में दी गई खुदीराम बोस को श्रद्धांजलि, बंगाल से पहुंचे थे उनके परिजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। अमर शहीद खुदीराम बोस के शहादत दिवस पर 11 अगस्त की अलसुबह मुजफ्फरपुर की धरती एक बार फिर उस जांबाज क्रांतिकारी की शहादत की गवाह बनी। प्रातः करीब 4:30 बजे मुजफ्फरपुर केंद्रीय कारा परिसर में प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों तथा बंगाल से पहुंचे खुदीराम बोस के परिजनों ने नम आंखों से अमर शहीद को श्रद्धा-सुमन अर्पित कर नमन किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल, पुलिस उपमहानिरीक्षक, तिरहुत प्रक्षेत्र, जिला पदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्त्ता (राजस्व), अनुमंडल पदाधिकारी पूर्वी, काराधीक्षक, उपाधीक्षक समेत अन्य काराकर्मी और जिले के वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने उस सेल प्रकोष्ठ में जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की, जहां खुदीराम बोस को संसीमित रखा गया था। इसके बाद फांसी स्थल, आखिरी रात वाले सेल और कारा परिसर स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।बंगाल के मिदनापुर जिले में जन्मे खुदीराम बोस ने वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के बाद अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ क्रांतिकारी आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। ब्रिटिश न्यायाधीश डगलश किंग्सफोर्ड की कथित बर्बरता से आक्रोशित होकर उन्होंने उसे निशाना बनाने का फैसला किया। 30 अप्रैल 1908 को किंग्सफोर्ड की बग्गी समझकर उस पर बम फेंका गया, लेकिन संयोग से किंग्सफोर्ड उस बग्गी में नहीं थे। घटना में दो महिलाओं की मृत्यु हो गई। इसके बाद 1 मई 1908 को खुदीराम बोस गिरफ्तार कर लिए गए और मुजफ्फरपुर कारा में संसीमित किए गए। तीन माह से अधिक समय तक कारा में रहने के बाद 11 अगस्त 1908 को उन्हें फांसी दे दी गई। उस वक्त उनकी उम्र महज 18 वर्ष कुछ महीने थी।खुदीराम की निडरता से अंग्रेजी शासन इस कदर भयभीत था कि इतनी कम उम्र के इस क्रांतिकारी को भी फांसी देने में उसने कोई रहम नहीं दिखाया था।

अमर शहीद खुदीराम बोस की विरासत एवं अदालत के भवन को धरोहर घोषित करने की मांग

मुजफ्फरपुर। विधानपार्षद वंशीधर ब्रजवासी ने सरकार से अमर शहीद खुदीराम बोस की सुनवाई वाला अदालत का भवन एवं कटघरे को सुरक्षित कर उसे धरोहर घोषित करने की मांग की है। इस आशय के अपने पत्र में उन्होंने लिखा है कि जिस अदालत मे खुदीराम बोस के मुकदमें की सुनवाई हुई थी और जिस कटघरा पर खड़े होकर उन्होने अपने आरोप सुने थे। वह दोनो धरोहर आज उपेक्षा का शिकार है। मुजफ्फरपुर समाहारणालय के बगल में जिला खनन कार्यालय भवन और उसमे स्थित गोदाम । खनन कार्यालय के गोदाम में वह कटघरा टुटे हुए हालत में आज भी मौजूद है। बम कॉड के बाद 01 मई 1908 को खुदीराम बोस के मुकदमे की सुनवाई जिला मजिस्ट्रेट एच० सी० उड मैन की अदालत में शुरू हुई थी। फिर 23 मई 1908 को प्रथम मजिस्ट्रेट इ० डब्ल्यू ब्रेट हाउस के सामने खुदीराम बोस का दुसरा बयान दर्ज हुआ । 08 जून 1908 से अंतिम अदालती सुनवाई के लिए अंग्रेजी हुकुमत ने बॉकीपुर पटना के जज मि० कार्नडफ को बुलाया । इन्होने रोजाना मुकदमें की सुनवाई करते हुए 13 जून 1908 को इसी अदालत में फॉसी की सजा सुनाई थी। आज के समय उस अदालत के भवन में बिहार सरकार का जिला खनन कार्यालय है। इसी कार्यालय के गोदाम में वह कटघरा टुटे कुर्सी, टेबुल व अन्य समानों के साथ उपेक्षित पड़ा है। इस गोदाम का लकड़ी का दरवाजा भी जाम हो गया है। खिड़की से पानी अंदर आकर इस धरोहर को बर्बाद कर दिया है। कुछ साल पहले तक कटघरा सही सलामत या लेकिन अब टुट फुट कर बिखर चुका है। जिला खनन कार्यालय को दूसरे जगह स्थानांतरित किया जाए एवं उस कटघरे को फिर से उसी भवन में स्थापित किया जाए। इस भवन में जिला के तमाम शहीदो (1857-1947) तक एवं जिले के सभी स्वतंत्रता सेनानियों की फोटो उनकी जीवनी का फेम बनाकर रखा जाए । उन्होंने सरकार से आग्रह है किया है कि राष्ट्रीय महत्व वाले इस भवन को संरक्षित कर राष्ट्रीय स्मारक बना दिया जाए एवं उस कटघरे को मरम्मत करा कर उस भवन में स्थापित किया जाए ।

रेलवे का बड़ा फैसला: 20 की जगह 24 बोगियों के साथ चलेंगी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनें

मुजफ्फरपुर। रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। ट्रेनों में लगातार बढ़ रही भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों की क्षमता बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में एलएचबी रैक वाली ट्रेनों में 20 की जगह 24 बोगियां लगाने की योजना है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड ने सभी क्षेत्रीय रेलवे को पत्र भेजकर 24 बोगियों वाली ट्रेनों के परिचालन की व्यवस्था को लेकर समीक्षा रिपोर्ट मांगी है। रेलवे बोर्ड के इस फैसले से मुजफ्फरपुर से होकर गुजरने वाली पवन एक्सप्रेस, मिथिला एक्सप्रेस, वैशाली एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, बिहार संपर्क क्रांति, मगध एक्सप्रेस और अवध-असम एक्सप्रेस समेत 100 से अधिक ट्रेनों में सीटों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। रेलवे करीब 3200 लंबी दूरी की मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए नई मानक संरचना लागू करने की तैयारी में है। नए मानक के तहत 24 बोगियों वाली प्रत्येक रैक में कम से कम चार जनरल बोगी रखना अनिवार्य होगा। इसके अलावा हर ट्रेन में छह से आठ स्लीपर कोच रखने का प्रावधान होगा। चार अतिरिक्त बोगियां जोड़े जाने से एक ट्रेन में सभी श्रेणियों को मिलाकर 350 से अधिक अतिरिक्त सीटें उपलब्ध हो सकती हैं। रेलवे का यह कदम आम यात्रियों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। अभी कई लंबी दूरी की ट्रेनों में जनरल बोगियों की संख्या कम होने के कारण यात्रियों को काफी परेशानी होती है। खासकर दिल्ली, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, पुणे, बेंगलुरु और चेन्नई से बिहार लौटने वाले यात्रियों को भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट का सामना करना पड़ता है। अतिरिक्त बोगियां जुड़ने से ऐसे यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। रेलवे ने भीड़ वाली ट्रेनों में जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बोगियां जल्द जोड़ने की तैयारी की है। इससे मुजफ्फरपुर जंक्शन और बिहार से होकर गुजरने वाली ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता बढ़ेगी तथा वेटिंग लिस्ट कम होने की संभावना है। कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ने के साथ यात्रियों को यात्रा में भी सुविधा मिल सकती है।

डीएसपी बनीं मौसमी कुमारी के घर पहुंचे खान सर, खाया खाना

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। 70वीं बीपीएससी परीक्षा में सफलता हासिल कर डीएसपी पद के लिए चयनित हुईं मौसमी कुमारी को उनकी मेहनत और लगन से मिली शानदार सफलता पर खान सर ने हार्दिक बधाई दी है। इस मौके पर खान सर कटरा प्रखंड के बुधकारा गांव स्थित मौसमी कुमारी के घर पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की। खान सर ने मौसमी कुमारी की सफलता की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास के दम पर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। मौसमी कुमारी के डीएसपी पद पर चयन से उनके परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने भी उनकी सफलता पर बधाई दी। परिवार के लोगों ने खान सर के घर पहुंचने पर उनका स्वागत किया। इस दौरान खान सर ने मौसमी कुमारी के परिवार के साथ भोजन भी किया। उनके गांव पहुंचने और परिवार के साथ समय बिताने की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

राष्ट्रप्रेम, प्रकृति और मानवीय संवेदना के सशक्त कवि थे नेपाली : चंद्रभूषण सिंह चंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। हिंदी साहित्य और सिनेमा की दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले छायावादोत्तर काल के मूर्धन्य कवि एवं गीतकार गोपाल सिंह नेपाली की जयंती मंगलवार को साहित्य भवन,कांटी में श्रद्धापूर्वक मनाई गई। नूतन साहित्यकार परिषद की ओर से आयोजित समारोह में साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों ने नेपाली के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके साहित्यिक योगदान को याद किया। समारोह को संबोधित करते हुए नूतन साहित्यकार परिषद के अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह चंद्र ने कहा कि गोपाल सिंह नेपाली हिंदी साहित्य के ऐसे रचनाकार थे, जिनकी लेखनी में प्रकृति-सौंदर्य, प्रेम, मानवीय संवेदना और राष्ट्रप्रेम का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। उनकी कविताओं और गीतों में भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति के साथ-साथ देश और समाज के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दिखाई देती है।उन्होंने कहा कि 1962 के चीन युद्ध के समय नेपाली ने अपनी ओजपूर्ण और राष्ट्रवादी रचनाओं के माध्यम से देशवासियों तथा भारतीय सैनिकों में देशभक्ति की भावना जगाने का अविस्मरणीय कार्य किया। उनकी लेखनी उस दौर में केवल साहित्य की आवाज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय चेतना की आवाज बन गई थी। उन्होंने नेपाली की रचनाओं में स्वाधीनता और आत्मसम्मान की भावना को रेखांकित करते हुए उन्होंने उनकी प्रसिद्ध पंक्तियों–मेरा धन है स्वाधीन कलम,मुझे अपनी शरण में ले लो राम। का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पंक्तियों में कवि की कलम के प्रति आस्था और स्वतंत्र चेतना की अभिव्यक्ति शक्ति स्पष्ट दिखाई देती है। नेपाली के लिए कलम केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को जागृत करने का साधन थी।चंद्रभूषण सिंह ह्यचंद्रह्न ने कहा कि हिंदी गीतों की दुनिया में अपनी अद्भुत लय, सहज भाषा और भावुकता के कारण गोपाल सिंह नेपाली को गीतों का राजकुमार कहा गया। उनके गीतों में प्रेम और विरह की कोमल अनुभूतियों से लेकर प्रकृति के मनोहारी चित्र तक सहज रूप में दिखाई देते हैं। उनका प्रसिद्ध गीत–दर्शन दो घनश्याम, नाथ मोरी अखियां प्यासी रे.आज भी श्रोताओं के मन को उसी तरह स्पर्श करता है। उन्होंने कहा कि नेपाली की रचनाओं की यही सहजता और मधुरता उन्हें कालजयी बनाती है। उन्होंने कहा कि नेपाली ने साहित्य के साथ-साथ हिंदी सिनेमा के गीतों को भी अपनी प्रतिभा से समृद्ध किया। उनकी रचनाओं में भारतीय संस्कृति, लोकजीवन और मानवीय भावनाओं की गहरी छाप दिखाई देती है। यही कारण है कि उनके गीत साहित्यिक ऊंचाई के साथ-साथ जनमानस में भी लोकप्रिय हुए।इस अवसर पर स्वराजलाल ठाकुर ने कहा कि गोपाल सिंह नेपाली ने अपनी लेखनी से सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना को जीवित रखने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उनकी रचनाएं आज भी नई पीढ़ी को देशप्रेम, मानवीय मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देती हैं। उन्होंने कहा कि नेपाली की साहित्यिक विरासत हिंदी जगत की अमूल्य धरोहर है। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि बदलते समय में भी नेपाली की रचनाओं की प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। उनकी कविता में जहां प्रकृति और प्रेम की कोमलता है, वहीं राष्ट्रप्रेम की प्रखरता और सामाजिक चेतना की स्पष्ट आवाज भी सुनाई देती है। उनकी लेखनी साहित्य और समाज के बीच एक मजबूत सेतु का काम करती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित साहित्यकारों एवं साहित्यप्रेमियों ने गोपाल सिंह ह्यनेपाली के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। समारोह में रामेश्वर महतो, महेश कुमार, रोहित रंजन, मनोज मिश्र, राकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में साहित्यप्रेमी उपस्थित थे।

खुदीराम बोस का शहादत दिवस समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कुढ़नी प्रखंड के हरिशंकर मनियारी पंचायत स्थित सिलौत बैद्यनाथ गाँव में शहीद भगत सिंह छात्र - नौजवान सभा के बैनर तले अमर शहीद खुदीराम बोस का 119वीं शहादत दिवस, का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुशहरी प्रहलादपुर पंचायत के मुखिया एव भाकपा माले जिला सचिव उदय चौधरी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शहीद खुदीराम बोस का बलिदान साम्राज्यवाद और पूंजीवाद के खिलाफ एक शंखनाद था, जिसका प्रभाव देश के नौजवानों पर साफ देखा गया। यही कारण है कि आजादी की लड़ाई की ज्वाला पूरे देश में धधकी। आज भी शोषण विहीन समाज की लड़ाई लड़ कर शहीद खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी के संघर्षों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। भगत सिंह छात्र - नौजवान सभा के राज्य कमिटी के सदस्य अनुकूल कुमार ने देश में बढ़ती गरीबी - भूखमरी के विरुद्ध स्वतंत्रता - सेनानी शहीदों के विचारों को आगे बढ़ाने की बात कही। बिहार राज्य जनवादी सांस्कृतिक मोर्चाह्वविकल्पह्व के राज्य सचिव रंगकर्मी बैजू कुमार ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिना विचारों के दुनिया में कोई लड़ाई नहीं लड़ी जाती है और खुदीराम बोस व प्रफुल्ल चाकी ने 30 अप्रैल 1908 को मुजफ्फरपुर की धरती पर जो बम का धमाका किया, वह अंग्रेजी साम्राज्यवाद और उनके लुट व शोषण के खिलाफ था और जब-जब दुनिया में अन्याय और शोषण का बोलबाला बढ़ेगा, तब-तब शहीदों के बलिदान को देश के युवा याद करेंगे तथा बलिदान की संस्कृति को जिंदा रखा जाएगा। वहीं मुशहरी प्रखंड के भाकपा-माले नेता परमानन्द पाठक ने समाज में व्याप्त विषमता को खत्म करने पर बल देते हुए शहीद खुदीराम बोस की शहादत की प्रासंगिकता की चर्चा की। सभा की अध्यक्षता करते हुए कुढ़नी प्रखंड के हरिशंकर मनियारी के मुखिया देवेन्द्र मांझी ने कहा कि आजादी के 80 साल बाद भी देश की अवाम बुनियादी जरुरतों से वंचित है। ऐसे में स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के बलिदान को याद करना और उनके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संघर्ष करने की जरूरत है।

मुजफ्फरपुर में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई, दो वांटेड अपराधी अलग-अलग इलाकों से गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार एसटीएफ की विशेष टीम ने सोमवार को मुजफ्फरपुर जिले के अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई करते हुए हत्या, लूट और डकैती जैसे गंभीर मामलों में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे।एएसटीएफ की पहली कार्रवाई सरैया थाना क्षेत्र में हुई, जहां टीम ने करजा थाना कांड संख्या 11/24 में वांछित अभियुक्त पप्पू कुमार, पिता नवल सहनी, निवासी पोखरैरा, थाना जैतपुर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल बरामद किया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई तरियानी थाना क्षेत्र में की गई। यहां से मोतीपुर थाना कांड संख्या 11/14, के तहत वांछित अभियुक्त इंद्रजीत पासवान, पिता महेंद्र पासवान, निवासी बनुवा, थाना मीनापुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी करीब एक दशक पुराने लूट के मामले में वांछित था। गिरफ्तारी के दौरान दोनों अभियुक्तों के पास से एक मोबाइल फोन, 205 रुपये नकद, एक पैन कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, एक आधार कार्ड और एक पासबुक बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ मुजफ्फरपुर और पश्चिम चंपारण जिले के विभिन्न थानों में लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले दर्ज हैं। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों वांछित अभियुक्त अलग-अलग इलाकों में छिपकर रह रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद विशेष टीमों का गठन कर छापेमारी की गई, जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के उपरांत दोनों अभियुक्तों को संबंधित थानों की पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

नूतन साहित्यकार परिषद ने दी खुदीराम बोस को श्रद्धांजलि

मुजफ्फरपुर ।अमर युवा शहीद खुदीराम बोस के शहादत दिवस पर नूतन साहित्यकार परिषद कांटी स्थित साहित्य भवन में श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित लोगों ने शहीद खुदीराम बोस की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए परिषद के अध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह चंद्र ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे युवा शहीद खुदीराम बोस ने महज 18 वर्ष की आयु में निडर मुस्कान के साथ फांसी के तख्ते की ओर कदम बढ़ाया, यह साबित करते हुए कि मातृभूमि के प्रति प्रेम की कोई उम्र नहीं होती है। खुदीराम किशोरावस्था से ही स्वाधीनता आंदोलन से जुड़कर क्रांतिकारी गतिविधियों में सक्रिय रहे। 1905 में बंगाल विभाजन के खिलाफ पर्चा बांटने में वे पहली बार मात्र 15 वर्ष की उम्र में गिरफ्तार हुए थे। स्वराजलाल ठाकुर ने कहा कि राष्ट्रवादियों पर क्रूर कार्रवाई के लिए कुख्यात मजिस्ट्रेट डगलस किंग्सफोर्ड की हत्या के राष्ट्रवादी अभियान में खुदीराम बोस मुजफ्फरपुर आये व शहादत देकर लाखों युवाओं को प्रेरित किया। चंद्र ने खुदीराम बोस के जेल का संस्मरण बताते हुए कहा कि फांसी से पहले बंगाली जेलर ने उनका पसंदीदा आम खाने को दिया था । तब खुदीराम बोस ने जो आम खाने के बाद जो चुहल की उसे देख खुदीराम की निडरता व मासूमियत पर जेलर की आंखों में आंसू आ गए थे। परशुराम सिंह,रामेश्वर महतो,महेश कुमार, मनोज मिश्र,रोहित रंजन,राकेश कुमार आदि ने भी खुदीराम बोस को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

एन एच-28 पर चलती स्कॉर्पियो में लगी भीषण आग, ड्राइवर की सूझबूझ से खतरा टला

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कांटी थाना क्षेत्र में मंगलवार को एन एच-28 पर उस समय अफरातफरी मच गई, जब चलती स्कॉर्पियो में अचानक भीषण आग लग गई। बोनट से धुआं निकलते ही ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को तत्काल सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद ड्राइवर समेत स्कॉर्पियो में सवार तीनों लोग सुरक्षित बाहर निकल गए। कुछ ही देर में वाहन धू-धू कर जलने लगा। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थानीय निवासी प्रकाश के अनुसार स्कॉर्पियो कांटी की ओर जा रही थी। इसी दौरान अचानक वाहन के अगले हिस्से से धुआं निकलने लगा। स्थिति को भांपते हुए चालक ने तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे रोक दिया। गाड़ी रुकते ही ड्राइवर समेत तीनों सवार बाहर निकल गए। उनके बाहर निकलने के कुछ ही देर बाद स्कॉर्पियो में तेज आग लग गई और देखते ही देखते लपटें उठने लगीं। जलती हुई स्कॉर्पियो को देखकर एन एच -28 से गुजर रहे वाहन चालकों में अफरातफरी मच गई। कुछ समय के लिए हाईवे पर वाहनों की रफ्तार थम गई और यातायात प्रभावित हुआ। राहगीर और स्थानीय लोग सुरक्षित दूरी पर खड़े होकर आग बुझने का इंतजार करते रहे। आग इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो का इंजन और अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कांटी थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों और फायर ब्रिगेड की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। आग बुझने के बाद पुलिस ने क्रेन की सहायता से जली हुई स्कॉर्पियो को सड़क से हटवाया, जिसके बाद एन एच-28 पर यातायात व्यवस्था सामान्य हो गई। कांटी थाना प्रभारी रविकांत पाठक ने बताया कि एन एच-28 पर स्कॉर्पियो में आग लगने की सूचना मिलने के बाद पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच और उपलब्ध जानकारी के आधार पर इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण बोनट से धुआं निकलने के बाद आग लगने की आशंका जताई जा रही है। घटना में स्कॉर्पियो सवार तीनों लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस मामले की आवश्यक जांच कर रही है।

उत्तर बिहार के जिलों में 15-16 अगस्त को बारिश के आसार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 12 से 16 अगस्त तक उत्तर बिहार में अच्छी वर्षा की संभावना कम है। हालांकि 15-16 अगस्त के आसपास कई जिलों में बारिश होने के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 37 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 25 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार मधुबनी, सीतामढ़ी तथा पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण के अनेक स्थानों पर 15-16 अगस्त को अच्छी वर्षा हो सकती है। वहीं बेगूसराय, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, सीवान एवं सारण जिलों में भी 15 से 16 अगस्त के आसपास बारिश की संभावना है। इससे पहले इन जिलों में एक-दो स्थानों को छोड़कर सामान्यतः मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। किसानों को फसल की निगरानी की सलाह कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को मौसम को ध्यान में रखते हुए फसलों में आवश्यक कृषि कार्य समय पर पूरा करने की सलाह दी है। धान की फसल में निराई-गुड़ाई करने के बाद 20 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करने को कहा गया है। साथ ही तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीटों के प्रकोप की नियमित निगरानी करने की सलाह दी गई है। मक्का की फसल में खरपतवार नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। जिन खेतों में तृणनाशी का प्रयोग नहीं हुआ है, वहां कतारों के बीच खुरपी से खरपतवार निकालने की सलाह दी गई है। निराई-गुड़ाई के बाद 40 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन तथा खेत में उचित नमी रहने पर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करने को कहा गया है।

प्राथमिक विद्यालय पारू बाबू टोला में हर घर तिरंगा अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरपुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत वंदे मातरम् के 150 वर्ष थीम पर मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय पारू बाबू टोला, प्रखंड पारू में देशभक्ति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में तिरंगा फहराया गया और तिरंगा सेल्फी प्वाइंट बनाया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने तिरंगे के साथ सेल्फी ली और उसे हर घर तिरंगा अभियान की वेबसाइट पर अपलोड किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे विद्यालय परिसर में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर कक्षा चार एवं पांच के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। प्रतियोगिता में पांचवीं कक्षा की छात्रा कुमारी सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं पांचवीं कक्षा की छात्रा शिवानी कुमारी द्वितीय स्थान पर रहीं। तृतीय स्थान संयुक्त रूप से कविता कुमारी और शिवानी कुमारी ने हासिल किया।

सम्पादकीय

घर की रखवाली से परिवार के सदस्य तक फर बेबी बने पालतू पशु, बदल रही इंसानियत की तस्वीर

कांतिलाल मांडोत

कभी घर की रखवाली के लिए पाला जाने वाला कुत्ता और चूहे पकड़ने के लिए घर में रखी जाने वाली बिल्ली आज इंसानी परिवारों की भावनात्मक दुनिया का अहम हिस्सा बन चुके हैं। अब पालतू पशु केवल घर के सदस्य नहीं, बल्कि परिवार के उन सदस्यों की तरह देखे जाने लगे हैं जिनके जन्मदिन मनाए जाते हैं, जिनके लिए विशेष कपड़े खरीदे जाते हैं और जिनकी सेहत, खान-पान तथा आराम पर हर महीने हजारों रुपए खर्च किए जाते हैं। बदलते दौर में कुत्ते-बिल्लियां अब ह्यफर बेबीह्न के रूप में पहचाने जा रहे हैं। यह बदलाव केवल शहरी जीवनशैली का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके पीछे मनुष्य और पशु के बीच बढ़ता भावनात्मक रिश्ता भी दिखाई देता है। देश में पालतू पशु पालने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 में भारत में करीब 3.8 करोड़ पालतू पशु थे, जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक कुत्ते थे। वर्ष 2026 में इनकी संख्या करीब 4.5 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। पेट ओनरशिप में हर साल करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारतीय समाज में पशुओं के प्रति नजरिया बदल रहा है। अब पशु को केवल उपयोगिता की दृष्टि से देखने के बजाय उसके साथ भावनात्मक संबंध बनाने की प्रवृत्ति मजबूत हो रही है। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका काफी बड़ी है। पहली बार पालतू पशु पालने वालों में करीब 70 प्रतिशत जेन-जी के होने की बात सामने आई है। देश के करीब 56 प्रतिशत लोग अपने पालतू पशु को परिवार का अभिन्न सदस्य मानते हैं, जबकि लगभग 11 प्रतिशत लोगों के पास चार या उससे अधिक पालतू पशु हैं। इसका अर्थ केवल इतना नहीं है कि लोग पशुओं पर अधिक पैसा खर्च कर रहे हैं, बल्कि यह भी है कि मनुष्य और पशु के बीच रिश्ते की परिभाषा बदल रही है।

आज महानगरों में पालतू पशुओं के लिए ब्यूटी पार्लर, डे-केयर, होटल, स्वास्थ्य बीमा, विशेष भोजन और चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध हैं। कई जगह उनके जन्मदिन और दूसरे खास अवसरों पर बाकायदा समारोह आयोजित किए जाते हैं। पालतू पशुओं के लिए विशेष कपड़ों का बाजार भी तेजी से बढ़ा है। अब लोग अपने कुत्तों के लिए त्योहारों, शादियों और पारिवारिक समारोहों के अनुरूप कपड़े खरीद रहे हैं। पांच हजार रुपए तक की शेरवानी और हाथ से बुने हुए लहंगे जैसे परिधान इस बदलती सोच की तस्वीर पेश करते हैं। यह बदलाव पहली नजर में उपभोक्तावाद जैसा लग सकता है, लेकिन इसके भीतर पशु-जगत के प्रति बढ़ती संवेदना का एक सकारात्मक पक्ष भी है। जब कोई परिवार किसी पशु को अपने घर में लाकर उसकी जिम्मेदारी स्वीकार करता है तो वह धीरे-धीरे पशु की जरूरतों, भावनाओं और स्वास्थ्य को समझना शुरू करता है। पशु को भोजन देना और उसे बांधकर रखना ही पर्याप्त नहीं रह जाता। उसकी बीमारी, टीकाकरण, स्वच्छता, मानसिक सक्रियता और सुरक्षा की चिंता भी परिवार की जिम्मेदारी बन जाती है। यही सोच व्यापक स्तर पर पशु प्रेम को जन्म दे सकती है। जिस व्यक्ति ने अपने घर के पालतू पशु के दर्द को समझना सीखा है, उसके लिए सड़क पर घायल पड़े किसी जानवर की पीड़ा को नजरअंदाज करना भी मुश्किल हो सकता है। यही वह बिंदु है जहां पालतू पशु पालने की संस्कृति केवल व्यक्तिगत शौक न रहकर सामाजिक संवेदना का माध्यम बन सकती है। बदलती जीवनशैली भी इस परिवर्तन के पीछे एक बड़ा कारण है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों में परिवार छोटे होते जा रहे हैं। अकेलेपन और व्यस्त जीवन के बीच पालतू पशु लोगों को भावनात्मक साथ देते हैं। यही वजह है कि बेंगलुरु जैसे शहरों में पेट केयर और प्रीमियम सेवाओं पर खर्च तेजी से बढ़ा है। जालंधर, लुधियाना, इंदौर और जयपुर जैसे शहरों में भी यह संस्कृति अब तेजी से दिखाई देने लगी है। टियर-2 और छोटे शहरों में पेट केयर ऑर्डर में सालाना करीब 96 प्रतिशत की वृद्धि इस बदलाव की पहुंच को स्पष्ट करती है। पालतू पशुओं के भोजन और स्वास्थ्य से जुड़े उत्पादों की मांग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डॉग शैम्पू की बिक्री में करीब 600 प्रतिशत तक उछाल, ग्रेन-फ्री पेट फूड की मांग में 152 प्रतिशत वृद्धि, पेट सप्लीमेंट्स और वेलनेस उत्पादों में 42 प्रतिशत वृद्धि तथा डॉग आइसक्रीम की मांग में 245 प्रतिशत वृद्धि यह बताती है कि लोग अब पशुओं की देखभाल को गंभीरता से लेने लगे हैं। टियर-2 और छोटे शहरों में बर्ड फूड तथा रैबिट फूड की मांग बढ़ना भी महत्वपूर्ण संकेत है। यानी पशु प्रेम केवल कुत्ते और बिल्ली तक सीमित नहीं रह रहा। इस परिवर्तन का सबसे सुंदर पक्ष पशुओं को खरीदने के बजाय गोद लेने की बढ़ती प्रवृत्ति है। सामाजिक जिम्मेदारी की भावना बढ़ने के साथ अनेक लोग सड़क पर रहने वाले या आश्रय गृहों में मौजूद पशुओं को अपनाने की ओर बढ़ रहे हैं। यह प्रवृत्ति और मजबूत हो तो पशु कल्याण के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ सकता है। किसी पशु को घर देना केवल एक जीव को आश्रय देना नहीं, बल्कि उसके जीवन को सम्मान देना है। दुनिया के कई देशों में पशु क्रूरता के खिलाफ जागरूकता लंबे समय से सामाजिक आंदोलनों का हिस्सा रही है।

युवा ऊर्जा : राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत

सुनील कुमार महला

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस हर साल 12 अगस्त को युवाओं की भूमिका, अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर नजर डालें तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 17 दिसंबर 1999 को इसे मनाने की घोषणा की थी और पहली बार यह वर्ष 2000 में आयोजित हुआ था। यह दिवस युवाओं के अवसरों और चुनौतियों पर संवाद का एक महत्वपूर्ण मंच प्रस्तुत करता है। युवा नवाचार और परिवर्तन की बड़ी शक्तिः- हाल फिलहाल यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा, रचनात्मकता, नवाचार और परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। वैश्विक स्तर पर 15 से 24 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या करीब 120 करोड़ है, जो विश्व की कुल आबादी का लगभग 16 प्रतिशत है। आज भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में अग्रणी है। भारत में 10 से 24 वर्ष के 38.2 करोड़ से अधिक युवा हैं, जबकि 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग की आबादी लगभग 37 करोड़ है, जो देश की कुल आबादी का लगभग 27 प्रतिशत है। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए एक बड़ा जनसांख्यिकीय लाभांश और सबसे बड़ी शक्ति है। स्वामी विवेकानंद के युवाओं के बारे में विचारः- स्वामी विवेकानंद युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति और परिवर्तन का प्रमुख माध्यम मानते थे। उनका मानना था कि युवाओं में अपार ऊर्जा, साहस, आत्मविश्वास और सृजनात्मक क्षमता होती है, जिसे सही दिशा देकर समाज का कायाकल्प किया जा सकता है। उनका प्रसिद्ध संदेश ह्यउठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाएह्न आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, मन की शक्ति बढ़ाना और आत्मनिर्भर व्यक्तित्व गढ़ना है। वे युवाओं में शारीरिक व मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, एकाग्रता और राष्ट्रसेवा की भावना को आवश्यक मानते थे। उनका युवा-दर्शन आज भी भारत की युवा शक्ति को जागृत करने के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। युवा शक्ति और आज का युगः- आज के दौर में युवा शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, उद्यमिता, खेल, कला, समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। डिजिटल युग ने उनके विचारों को वैश्विक मंच तक पहुँचाया है। हालांकि, बेरोजगारी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता, मानसिक दबाव, डिजिटल असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियाँ भी उनके सामने खड़ी हैं। भारत के लिए युवा केवल भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान के निर्माण में भी सक्रिय भागीदार हैं। यदि इस युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, रोजगार, उद्यमिता, विज्ञान-तकनीक और नवाचार के अवसर मिलें, तो यह भारत को आर्थिक एवं सामाजिक विकास की नई ऊँचाइयों पर ले जाकर आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकती है। इसके साथ ही युवाओं में वैज्ञानिक सोच, संवेदनशीलता, अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी अनिवार्य है।

घेवर की मिठास पर मिलावट का साया

सावन और तीज के दौरान हरे-भरे खेतों, झूलों, मेहंदी, लोकगीतों आदि के साथ-साथ उत्सवों का भी आनंद और उल्लास का माहौल रहता है। घेवर इस मौसम के अनेक पारंपरिक व्यंजनों में अपना विशेष स्थान रखता है। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तर भारत के कई अन्य हिस्सों में घेवर सिर्फ एक मिठाई नहीं है। यह पारिवारिक परंपराओं, स्नेह, त्योहारों और बेटियों तथा उनके माता-पिता के घर के बीच के भावनात्मक जुड़ाव से भी संबंधित है। तीज और मानसून के अन्य त्योहारों के दौरान, घेवर आमतौर पर बेटियों, रिश्तेदारों और दोस्तों को प्यार और शुभकामनाओं के प्रतीक के रूप में दिया जाता है। यह अपनी अनूठी बनावट, कुरकुरेपन और मिठास के लिए जाना जाने वाला एक पसंदीदा त्योहार का व्यंजन है। फिर भी, एक चिंताजनक मुद्दा है जिसे नजरअंदाज किया जा रहा है, और यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सार्वजनिक रूप से गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए: खाद्य पदार्थों में मिलावट, अस्वच्छ प्रथाएं और ताजगी या सुरक्षित उपयोग अवधि के बारे में उचित जानकारी के बिना मिठाइयों की बिक्री। त्योहारी मौसम की शुरूआत से ही, घेवर न केवल पारंपरिक मिठाई की दुकानों में, बल्कि मोहल्लों और गलियों में लगने वाले अस्थायी स्टालों और छोटी दुकानों में भी नजर आने लगता है।

कांतिलाल मांडोत

लेखक

मानसून के आगमन से उत्तर भारत में एक विशेष आकर्षण आ जाता है। सावन और तीज के दौरान हरे-भरे खेतों, झूलों, मेहंदी, लोकगीतों आदि के साथ-साथ उत्सवों का भी आनंद और उल्लास का माहौल रहता है। घेवर इस मौसम के अनेक पारंपरिक व्यंजनों में अपना विशेष स्थान रखता है। हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तर भारत के कई अन्य हिस्सों में घेवर सिर्फ एक मिठाई नहीं है। यह पारिवारिक परंपराओं, स्नेह, त्योहारों और बेटियों तथा उनके माता-पिता के घर के बीच के भावनात्मक जुड़ाव से भी संबंधित है। तीज और मानसून के अन्य त्योहारों के दौरान, घेवर आमतौर पर बेटियों, रिश्तेदारों और दोस्तों को प्यार और शुभकामनाओं के प्रतीक के रूप में दिया जाता है। यह अपनी अनूठी बनावट, कुरकुरेपन और मिठास के लिए जाना जाने वाला एक पसंदीदा त्योहार का व्यंजन है। फिर भी, एक चिंताजनक मुद्दा है जिसे नजरअंदाज किया जा रहा है, और यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सार्वजनिक रूप से गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए: खाद्य पदार्थों में मिलावट, अस्वच्छ प्रथाएं और ताजगी या सुरक्षित उपयोग अवधि के बारे में उचित जानकारी के बिना मिठाइयों की बिक्री। त्योहारी मौसम की शुरूआत से ही, घेवर न केवल पारंपरिक मिठाई की दुकानों में, बल्कि मोहल्लों और गलियों में लगने वाले अस्थायी स्टालों और छोटी दुकानों में भी नजर आने लगता है। बढ़ती मांग के कारण विक्रेताओं के लिए एक आकर्षक व्यावसायिक अवसर मौजूद है। वहीं दूसरी ओर, इससे कुछ व्यापारी ऑर्डर पूरे करने और मुनाफा बढ़ाने के लिए गुणवत्ता से समझौता करने को भी तैयार हो जाते हैं। सबसे बड़ी चिंताओं में से एक यह है कि मिठाइयों के बनने की तारीख और उन्हें खाने के लिए सुरक्षित रखने की अवधि के बारे में जानकारी का अभाव है। कई स्थानीय बाजारों में, ग्राहक विक्रेता के इस दावे पर खुले घेवर खरीद लेते हैं कि यह ताजा है या आज ही बनाया गया है। हालांकि, आम तौर पर उपभोक्ताओं के पास इन दावों की पुष्टि करने के लिए स्वतंत्र साधनों की कमी है। प्रासंगिक जानकारी उपभोक्ताओं को पैकेटबंद मिठाइयों के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद करती है। ताजगी और सुरक्षित रखरखाव से जुड़ी एक अतिरिक्त चुनौती खुले में रखी मिठाइयों के मामले में और भी गंभीर हो जाती है। घेवर को सही तरीके से स्टोर और संभालना भी जरूरी है। साधारण घेवर और क्रीम, खोया या अन्य जल्दी खराब होने वाली सामग्री से बने घेवर के लिए अलग-अलग भंडारण स्थितियों की आवश्यकता हो सकती है। गर्मी, नमी, धूल और अस्वच्छ वातावरण भोजन की गुणवत्ता पर असर डाल सकते हैं। मानसून के महीनों में नमी अधिक होती है, जिससे सही तरीके से संभालना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। मिठाई बाहर से देखने में अच्छी लग सकती है, लेकिन गलत तरीके से स्टोर करने पर अंदर से खराब हो सकती है। मिलावट भी एक गंभीर समस्या है। मिठाइयाँ कृत्रिम रंगों, खाना पकाने के तेल, घी, खोया और दूध से बनाई जाती हैं; इन सभी सामग्रियों की गुणवत्ता सीधे तौर पर मिठाइयों की सुरक्षा को प्रभावित करती है। जब इस्तेमाल की गई सामग्रियाँ उच्च गुणवत्ता की नहीं होतीं, तो उपभोक्ताओं को जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि बिना किसी सबूत के खुलेआम बेची जा रही किसी भी मिठाई के बारे में यह निष्कर्ष न निकाला जाए कि उसमें मिलावट है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का मूल्यांकन उचित निरीक्षण, नमूनाकरण और प्रयोगशाला परीक्षण के आधार पर किया जाना चाहिए, न कि अनुमान या अफवाहों के आधार पर। खाद्य सुरक्षा निगरानी को केवल प्रसिद्ध मिठाई की दुकानों या बड़े वाणिज्यिक बाजारों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में छोटी स्थानीय दुकानें, अस्थायी स्टॉल और स्थानीय विक्रेता भी शामिल हैं। वास्तव में, ये छोटे बिक्री केंद्र अधिक ध्यान देने योग्य हैं क्योंकि हो सकता है कि उनके पास भंडारण और स्वच्छता के लिए सीमित सुविधाएं उपलब्ध हों। त्योहारों के मौसम में खाद्य पदार्थों के नमूनों की संख्या बढ़ाना आवश्यक है, जिसे खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण अक्सर करते हैं। खाद्य सुरक्षा कोई आवधिक गतिविधि नहीं हो सकती। निरंतर निरीक्षण, जागरूकता बढ़ाना और प्रभावी प्रवर्तन पूरे वर्ष लागू किए जाने चाहिए। यदि नमूने निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करते हैं, तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, निरीक्षण के नियम निष्पक्ष और सुसंगत होने चाहिए, और उपभोक्ताओं को नियमों पर पूरा भरोसा होना चाहिए। मिठाई बेचने वालों की भी बड़ी ज़िम्मेदारी होती है। भोजन बेचने वाला व्यक्ति केवल एक उत्पाद नहीं बेच रहा होता है, बल्कि वह ऐसी चीज बेच रहा होता है जिसे बच्चे, बुजुर्ग और पूरा परिवार खाएगा। इसलिए, स्वच्छ तैयारी क्षेत्र, गुणवत्तापूर्ण सामग्री, स्वच्छतापूर्ण तरीके से संभालना, उचित भंडारण और उपभोक्ता को उत्पाद के बारे में सही जानकारी देना अनिवार्य कार्य माना जाना चाहिए, न कि वैकल्पिक। उपभोक्ता भी पूरी तरह से अधिकारियों पर निर्भर नहीं रह सकते। उन्हें मिठाई खरीदते समय अधिक जागरूक होना सीखना चाहिए। मिठाई खरीदते समय दुकान की स्वच्छता, मिठाई की दिखावट और ताजगी, भंडारण की स्थिति और दुकान पर दी गई उत्पाद संबंधी जानकारी पर ध्यान देना चाहिए। अगर मिठाई से गंध, स्वाद और/या दिखावट में कोई अंतर हो, तो उसे न खाएं। कम कीमत को स्वस्थ भोजन न खरीदने का बहाना कभी नहीं बनाना चाहिए। ऐसे मामलों में सोशल मीडिया की भूमिका भी अहम हो गई है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की कोई तस्वीर, वीडियो या आरोप कुछ ही घंटों में वायरल हो सकता है। सोशल मीडिया निश्चित रूप से लोगों तक बात पहुंचाने और वास्तविक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने का एक अच्छा माध्यम है, लेकिन किसी आरोप को यूं ही सत्य नहीं मान लेना चाहिए।

दलदल में खड़ा मुखिया और डेढ़ अरब उम्मीदों का भारत

वह कुछ क्षणों के लिए खुद को स्थिर करता है, स्थिति का आकलन करता है और फिर बाहर निकलने का रास्ता तलाशता है। परिवार का मुखिया भी कुछ ऐसी ही स्थिति से गुजरता है। घर में पांच लोग हो या दस, जिम्मेदारी का वास्तविक भार अक्सर उस व्यक्ति के कंधे पर होता है जिसे परिवार का मुखिया माना जाता है। घर के बाकी सदस्य परेशान हो सकते हैं, नाराज हो सकते हैं, अपनी-अपनी राय दे सकते हैं, यहां तक कि मुखिया को उसकी कथित कमजोरियों के लिए कटघरे में भी खड़ा कर सकते हैं, लेकिन संकट की घड़ी में बिलों का हिसाब, बच्चों का भविष्य, बुजुर्गों की दवा, रोजगार की चिंता, सामाजिक प्रतिष्ठा और आने वाले कल की अनिश्चितता, इन सबका जोड़-घटाव उसी व्यक्ति के दिमाग में चलता रहता है। कई बार वह बोलता नहीं है। कई बार वह अपने मन की बेचैनी किसी को बताता भी नहीं है। कई बार वह मुस्कुराता रहता है ताकि परिवार के दूसरे लोगों को यह महसूस न हो कि नाव का मल्लाह स्वयं तूफान से डर रहा है और यही वह बिंदु है जहां हमें एक बहुत बड़े सवाल पर विचार करना चाहिए।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

जब किसी इंसान का पांव अचानक दलदल को छूता है तो सबसे पहले उसके चेहरे पर घबराहट आती है। वह जितना हाथ-पैर मारता है, उतना ही गहराई में धंसने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे समय में समझदार व्यक्ति शोर नहीं करता है। वह कुछ क्षणों के लिए खुद को स्थिर करता है, स्थिति का आकलन करता है और फिर बाहर निकलने का रास्ता तलाशता है। परिवार का मुखिया भी कुछ ऐसी ही स्थिति से गुजरता है। घर में पांच लोग हो या दस, जिम्मेदारी का वास्तविक भार अक्सर उस व्यक्ति के कंधे पर होता है जिसे परिवार का मुखिया माना जाता है। घर के बाकी सदस्य परेशान हो सकते हैं, नाराज हो सकते हैं, अपनी-अपनी राय दे सकते हैं, यहां तक कि मुखिया को उसकी कथित कमजोरियों के लिए कटघरे में भी खड़ा कर सकते हैं, लेकिन संकट की घड़ी में बिलों का हिसाब, बच्चों का भविष्य, बुजुर्गों की दवा, रोजगार की चिंता, सामाजिक प्रतिष्ठा और आने वाले कल की अनिश्चितता, इन सबका जोड़-घटाव उसी व्यक्ति के दिमाग में चलता रहता है। कई बार वह बोलता नहीं है। कई बार वह अपने मन की बेचैनी किसी को बताता भी नहीं है। कई बार वह मुस्कुराता रहता है ताकि परिवार के दूसरे लोगों को यह महसूस न हो कि नाव का मल्लाह स्वयं तूफान से डर रहा है और यही वह बिंदु है जहां हमें एक बहुत बड़े सवाल पर विचार करना चाहिए। क्या चुप रहने वाला व्यक्ति वास्तव में कमजोर होता है? शायद नहीं। कई बार उसकी चुप्पी के पीछे कायरता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का पहाड़ खड़ा होता है। वह जानता है कि उसके एक गलत शब्द से घर का माहौल बिगड़ सकता है। उसके एक गलत निर्णय से वर्षों की मेहनत मिट्टी में मिल सकती है। इसलिए वह अपनी भावनाओं को दबाकर परिवार के लिए रास्ता तलाशता रहता है। राष्ट्र भी एक विशाल परिवार ही तो है। अंतर सिर्फ इतना है कि घर में जिम्मेदारी कुछ लोगों की होती है और राष्ट्र में जिम्मेदारी करोड़ों-करोड़ लोगों की। भारत जैसे विशाल देश में यह जिम्मेदारी कितनी विकराल होगी, इसका अनुमान लगाना भी आसान नहीं है। कल्पना कीजिए, किसी परिवार की आय सीमित हो और खर्च लगातार बढ़ रहे हो। बच्चों की पढ़ाई है, बुजुर्गों की दवा है, घर की मरम्मत है, रोजगार की चिंता है, सामाजिक दायित्व हैं और ऊपर से अचानक कोई बड़ा आर्थिक संकट आ जाए। ऐसे समय में घर का मुखिया हर व्यक्ति को खुश नहीं रख सकता है। उसे प्राथमिकताएं तय करनी पड़ती हैं। किस खर्च को अभी करना है? किसे टालना है? कहां समझौता करना है? कहां बिल्कुल समझौता नहीं करना है? किससे बातचीत करनी है? किससे दूरी बनाए रखनी है? और सबसे महत्वपूर्ण है किस निर्णय का असर आज होगा और किसका असर दस वर्ष बाद दिखाई देगा? यही सवाल किसी राष्ट्र के सामने भी होते हैं। लेकिन राष्ट्र के मामले में आंकड़े कहीं अधिक विशाल होते हैं। भारत की आबादी लगभग डेढ़ अरब है। करोड़ों परिवारों की अलग-अलग आवश्यकताएं हैं। अलग-अलग भाषाएं हैं। अलग-अलग प्रदेश हैं। अलग-अलग आर्थिक परिस्थितियां हैं। किसानों की समस्या अलग है, मजदूरों की अलग। उद्योगों की चिंता अलग है, नौकरी तलाश रहे युवाओं की अलग। विदेश में काम कर रहे भारतीयों की अपनी चिंता है तो देश में रहने वाले लोगों की अपनी अपेक्षाएं। इन सबको एक दिशा में लेकर चलना किसी साधारण प्रबंधन का विषय नहीं है। यह एक असाधारण जिम्मेदारी है और यही कारण है कि जब किसी देश पर बाहरी दबाव आता है तो सरकार की प्रतिक्रिया को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना हमेशा उचित नहीं होता है। पिछले कुछ दिनों में अमेरिका की व्यापार और आव्रजन नीतियों को लेकर भारत में जिस प्रकार की चर्चा तेज हुई है, उसने एक बार फिर यह प्रश्न सामने रखा है कि वैश्विक राजनीति में राष्ट्रीय हितों की रक्षा किस तरह की जाती है। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और वित्तीय शक्तियों में से एक है। डॉलर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय व्यवस्था में केंद्रीय भूमिका निभाता है। अमेरिकी बाजार का आकार विशाल है। तकनीक, वित्त, रक्षा, शिक्षा और वैश्विक निवेश, कई क्षेत्रों में अमेरिका की भूमिका निर्णायक है। दूसरी तरफ भारत भी अब वह भारत नहीं है जिसे वैश्विक दबावों के सामने केवल प्रतिक्रिया देने वाला देश माना जाए। भारत एक विशाल बाजार है। भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में है। भारत के पास विशाल युवा आबादी है। भारत तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। भारत का विनिर्माण क्षेत्र विस्तार कर रहा है। भारत अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतान, दवा उद्योग, सेवा क्षेत्र और तकनीकी प्रतिभा के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान बना चुका है। इसलिए भारत-अमेरिका संबंधों को केवल किसी एक शुल्क, किसी एक वीजा नीति या किसी एक राजनीतिक बयान के आधार पर समझना भूल होगी। यह एक बहुत बड़ी और जटिल वैश्विक साझेदारी है। अमेरिकी व्यापार नीति में टैरिफ का इस्तेमाल नया नहीं है। दुनिया के अनेक देशों ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता के दौरान इसी चुनौती का सामना किया है। लेकिन जब किसी बड़े देश द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊंचे शुल्क की बात सामने आती है तो उसका प्रभाव केवल सरकार तक सीमित नहीं रहता है। उसका असर उद्योग पर पड़ता है। उद्योग का असर रोजगार पर पड़ता है। रोजगार का असर परिवारों पर पड़ता है और अंततः उसका असर आम उपभोक्ता तक पहुंचता है। यही कारण है कि व्यापार युद्ध का अर्थ केवल दो देशों के बीच आंकड़ों की लड़ाई नहीं होता है।

आज के युवा को केवल अधिकार नहीं अपने दायित्वों का भी बोध रखना होगा

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल वर्तमान का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह भविष्य का निमार्ता भी होता है। उसकी ऊर्जा, उसकी चेतना, उसका विवेक और उसका चरित्र ही यह निर्धारित करते हैं कि आने वाला भारत कैसा होगा। इसलिए जब देश का युवा अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरता है, तो यह लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण माना जाता है। किंतु वही युवा यदि अपने अधिकारों की लड़ाई में संवैधानिक मयार्दाओं, सामाजिक अनुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों को भूलने लगे, तो यह केवल एक आंदोलन का विषय नहीं रह जाता, बल्कि राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा गंभीर प्रश्न बन जाता है। हाल के वर्षों में देश ने अनेक युवा आंदोलनों को देखा है। इन आंदोलनों ने यह सिद्ध किया है कि आज का युवा अपने अधिकारों के प्रति पहले से अधिक सजग, शिक्षित और मुखर है। वह अन्याय का प्रतिकार करना जानता है और शासन-प्रशासन से जवाबदेही की अपेक्षा रखता है। यह स्वस्थ लोकतंत्र का सकारात्मक पक्ष है। किंतु इसके साथ एक दूसरा पक्ष भी सामने आता है, जो कहीं अधिक चिंताजनक है। जब किसी आंदोलन में उत्तेजना, हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति, सुरक्षा बलों पर हमला, अपमानजनक भाषा अथवा संवैधानिक संस्थाओं के प्रति असम्मान दिखाई देता है, तब यह आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है कि क्या हम अधिकारों की लड़ाई लड़ते-लड़ते अपने कर्तव्यों को भूलते जा रहे हैं ? भारत का संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं है। वह नागरिकों को मौलिक कर्तव्यों का भी बोध कराता है। दुर्भाग्य यह है कि हमारे समाज में अधिकारों की चर्चा तो व्यापक रूप से होती है, किंतु कर्तव्यों पर अपेक्षाकृत कम बल दिया जाता है। परिणामस्वरूप अनेक बार अधिकारों की मांग तो लोकतांत्रिक होती है, लेकिन उन्हें प्राप्त करने के तरीके लोकतांत्रिक नहीं रह जाते। यहां सबसे बड़ा प्रश्न शिक्षा का भी है। क्या केवल डिग्रियां प्राप्त कर लेना शिक्षित होने का प्रमाण है ? यदि शिक्षा व्यक्ति में संयम, संवाद, सहिष्णुता, अनुशासन और राष्ट्रहित का बोध उत्पन्न नहीं करती, तो वह अधूरी शिक्षा है। बुद्धिमान होना और विवेकशील होना दोनों अलग बातें हैं। बुद्धि तर्क करना सिखाती है, किंतु विवेक सही निर्णय लेना सिखाता है। आज आवश्यकता बुद्धि से अधिक विवेक की है। भारतीय संस्कृति ने सदैव कहा है कि ह्वविद्या ददाति विनयम्ह्व - सच्ची विद्या विनम्रता देती है, अहंकार नहीं; संयम देती है, उग्रता नहीं; समाधान देती है, संघर्ष नहीं। यदि शिक्षा के साथ संस्कार नहीं जुड़े, तो ज्ञान भी कभी-कभी विनाश का कारण बन सकता है। आज अभिभावकों के सामने भी एक गंभीर चुनौती है। वे अपने बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं, तकनीकी शिक्षा और रोजगार के लिए तो तैयार कर रहे हैं, किंतु क्या वे उन्हें संविधान, लोकतांत्रिक मयार्दाओं, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक साहस का भी पाठ पढ़ा रहे हैं ? परिवार केवल आर्थिक सुरक्षा देने का माध्यम नहीं है; वह चरित्र निर्माण की प्रथम पाठशाला भी है। यदि घर में संवाद, अनुशासन और नैतिकता का वातावरण होगा, तो समाज भी सुदृढ़ होगा। सोशल मीडिया के युग में यह जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। आज अफवाहें, अधूरी सूचनाएं और भावनात्मक उकसावे कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे समय में प्रत्येक युवा को स्वयं से प्रश्न करना चाहिए..क्या मैं किसी भी संदेश पर बिना सत्यापन के विश्वास कर लेता हुं? क्या मैं भीड़ का हिस्सा बनकर सोचता हुं, या फिर अपने विवेक से निर्णय लेता हुं ? लोकतंत्र में असहमति राष्ट्रद्रोह नहीं है और विरोध भी अपराध नहीं है। किंतु असहमति का अधिकार तभी सम्मानित होता है जब वह संविधान की मयार्दाओं के भीतर व्यक्त किया जाए। हिंसा किसी भी पक्ष से हो, वह लोकतंत्र की शक्ति नहीं, उसकी कमजोरी का प्रतीक है। इसलिए राज्य, प्रशासन, आंदोलनकारी और समाज सभी को आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति को अपनाना होगा। आज आवश्यकता किसी विशेष आंदोलन या किसी एक वर्ग का मूल्यांकन करने से अधिक उस व्यापक मानसिकता को समझने की है, जिसमें अधिकार तो याद रहते हैं, पर कर्तव्य पीछे छूट जाते हैं। यह प्रवृत्ति यदि बढ़ी, तो लोकतंत्र केवल मांगों का मंच बनकर रह जाएगा, उत्तरदायित्व का नहीं।

जनशिकायतों के त्वरित निष्पादन में सारण को बड़ी सफलता राज्य स्तरीय सहयोग शिविर में सभी 10 मामलों का समाधान

■ डीएम वैभव श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रशासन की तत्परता, शौचालय भुगतान से लेकर राशन कार्ड, बिजली और पेंशन तक मामलों का हुआ निपटारा

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। आम लोगों की शिकायतों का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने की दिशा में सारण जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। माह के द्वितीय मंगलवार को आयोजित राज्य स्तरीय सहयोग शिविर में सारण जिले से प्रस्तुत किए गए सभी 10 जनशिकायत मामलों का निष्पादन सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री की प्रत्यक्ष निगरानी एवं अनुश्रवण में आयोजित इस शिविर में विभिन्न प्रखंडों से जुड़े मामलों पर संबंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। सारण से प्रस्तुत 10 मामलों में गरखा प्रखंड के पांच, परसा के दो तथा बनियापुर, दरियापुर और एकमा के एक-एक मामले शामिल थे। प्रशासनिक स्तर पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर सभी मामलों का समाधान कराया गया। गरखा प्रखंड के दो मामलों में शौचालय निर्माण के बाद लंबित सरकारी प्रोत्साहन राशि का भुगतान लाभुकों को कराया गया। वहीं अतिक्रमण से जुड़े एक मामले में आवश्यक कार्रवाई की गई। बंदोबस्ती पर्चा से संबंधित दोनों मामलों में लाभुकों को पर्चा निर्गत कर दिया गया। परसा प्रखंड के एक मामले में त्रुटिपूर्ण विद्युत विपत्र को संशोधित कर सही बिल के आधार पर भुगतान कराया गया। दूसरे मामले में पात्र परिवादी को राशन कार्ड निर्गत कर दिया गया। इससे संबंधित लाभुक को सरकारी खाद्यान्न योजना का लाभ प्राप्त करने का रास्ता भी साफ हुआ। इसी क्रम में बनियापुर प्रखंड के एक मामले में राशन कार्ड निर्गत होने के बाद लाभुक द्वारा जुलाई 2026 का राशन भी उठाव कर लिया गया। दरियापुर के मामले में ट्रांसफार्मर लगाने की कार्रवाई पूरी कर विद्युत आपूर्ति सुचारू कर दी गई। इससे संबंधित क्षेत्र के लोगों को बिजली संकट से राहत मिली। एकमा प्रखंड के वृद्धावस्था पेंशन से जुड़े मामले में जून 2026 की लंबित पेंशन राशि का भुगतान कर दिया गया, जबकि जुलाई 2026 की पेंशन राशि के भुगतान की प्रक्रिया भी सुनिश्चित कर दी गई। जिला प्रशासन की ओर से कहा गया कि जनशिकायतों के निष्पादन में केवल औपचारिक कार्रवाई के बजाय समस्या का वास्तविक और स्थायी समाधान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। संबंधित विभागों को शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। डीएम वैभव श्रीवास्तव के नेतृत्व में जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि आमजनों की शिकायतों का समयबद्ध समाधान हो और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ बिना अनावश्यक विलंब के मिले। राज्य स्तरीय सहयोग शिविर में सारण के सभी 10 मामलों का निष्पादन प्रशासन की इसी सक्रिय एवं जवाबदेह कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

डीसीएचबी की गुणवत्ता जांचने छपरा पहुंचे उप महारजिस्ट्रार नगर निगम व नगरा में किया स्थलीय निरीक्षण

■ 24 अगस्त तक चार्ज स्तर पर काम पूरा करने का लक्ष्य, आंकड़ों की शुद्धता और स्रोत का उल्लेख अनिवार्य

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा। भारत की जनगणना-2027 के तहत तैयार की जा रही जिला जनगणना पुस्तिका (डीसीएचबी) के कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की समीक्षा को लेकर भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय (ओआरजीआई), नई दिल्ली के उप महारजिस्ट्रार दिनेश कुमार मंगलवार को छपरा पहुंचे। उन्होंने छपरा नगर निगम एवं नगरा प्रखंड का स्थलीय निरीक्षण कर डीसीएचबी से संबंधित कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उप महारजिस्ट्रार ने कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने आंकड़ों की शुद्धता, विश्वसनीयता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि जिला जनगणना पुस्तिका केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में विकास योजनाओं, आधारभूत संरचनाओं, प्रशासनिक निर्णयों और सरकारी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण दस्तावेज के रूप में उपयोग होगी। ऐसे में इसमें दर्ज प्रत्येक सूचना तथ्यात्मक, अद्यतन और प्रमाणिक होनी चाहिए।

ग्राम स्तर पर आंकड़ों के सत्यापन पर जोरः निरीक्षण के दौरान डीसीएचबी में शामिल की जाने वाली विभिन्न सूचनाओं की पोर्टल पर की गई इंट्री की समीक्षा की गई। इसमें ग्राम निर्देशिका का परिचय, भौगोलिक सुविधाएं, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल और स्वच्छता, संचार एवं परिवहन, बैंकिंग एवं ऋण सुविधाएं, बिजली एवं ईंधन, भूमि उपयोग एवं सिंचाई, प्रमुख कृषि उत्पादन, विनिर्माण तथा हस्तशिल्प से संबंधित सूचनाएं शामिल हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि विभिन्न विभागों एवं सरकारी एजेंसियों से प्राप्त आंकड़ों का राजस्व ग्राम स्तर पर परीक्षण किया जाए। किसी भी सूचना की इंट्री से पहले उसकी शुद्धता एवं स्रोत की पुष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया।

विभागवार सूचनाओं की निगरानी के लिए एक्सेल शीट तैयार करने का निर्देशः डीआरजी श्री कुमार ने विभागवार सूचनाओं का संकलन एक्सेल शीट में करने का निर्देश दिया। इससे यह स्पष्ट हो सकेगा कि किन विभागों से सूचनाएं प्राप्त हो चुकी हैं और किन विभागों से आंकड़े लंबित हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विभागों से वरीय पदाधिकारियों अथवा जिलाधिकारी के स्तर से फॉलोअप कराया जाए, ताकि निर्धारित समय में सभी सूचनाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने प्रत्येक इंट्री के साथ उसके स्रोत का उल्लेख करने पर भी विशेष जोर दिया।

महत्वपूर्ण बदलावों का विवरण व तस्वीरें जुटाने का निर्देशः उप निदेशक सह जिला सांख्यिकी पदाधिकारी शशि प्रभा ने बताया कि सभी चार्ज अधिकारियों को क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण भौतिक, प्रशासनिक एवं राजनीतिक बदलावों के साथ प्रसिद्ध स्थलों और अन्य उल्लेखनीय परिवर्तनों का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। आवश्यक चित्र भी संकलित किए जाएंगे, ताकि डीसीएचबी में जिले की वर्तमान स्थिति को बेहतर तरीके से दशार्या जा सके।

जिला स्तर पर डीसीएचबी कार्य को अंतिम रूप देने की कार्ययोजना की समीक्षा के दौरान डीसीओ सह जिला नोडल पदाधिकारी अदिति आनंद ने बताया कि चार्ज स्तर पर आगामी 24 अगस्त तक कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद आंकड़ों की गुणवत्ता की जांच कर अंतिम रूप से सबमिशन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। निरीक्षण दल के भ्रमण एवं कार्यों का नेतृत्व जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार के सहायक निदेशक राहुल श्रीवास्तव ने किया। मौके पर डीसीओ सहयोगी पदाधिकारी आयुषी सिंह, नगर आयुक्त रंजीत कुमार, छपरा नगर चार्ज अधिकारी अरशद इमाम, नगरा चार्ज अधिकारी अभिनव कुमार सहित संबंधित क्षेत्रीय पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

शंभु कमलाकर मिश्रा एवं संजय सिंह के निधन पर सांसद राजीव प्रताप रूडी ने जताया शोक

छपरा कार्यालय। सारण सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े समर्पित भाजपा कार्यकर्ता एवं 84 वर्षीय श्री शंभु कमलाकर मिश्रा जी तथा सारण जिला भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष श्री संजय सिंह जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री शंभु कमलाकर मिश्रा जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए रूडी ने कहा कि उनके 40 वर्ष के राजनीतिक जीवन में शंभु जी का स्नेह, आशीर्वाद और आत्मीयता सदैव मिलती रही। उनकी मधुर वाणी और आत्मीय संबोधन सदैव स्मरण रहेंगे। उनका निधन मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है ।वहीं, श्री संजय सिंह जी के निधन पर रूडी ने कहा कि चार दशकों से संजय जी उनके कार्यकर्ता साथी रहे। उनका हँसमुख व्यक्तित्व और आत्मीय व्यवहार सदैव स्मरण रहेगा। उनका आकस्मिक निधन भी मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। सांसद ने दोनों दिवंगत आत्माओं की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस अपूरणीय दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

विगत 24 घंटे में 39 अभियुक्त किये गये गिरफ्तार अवैध हथियार एवं शराब भी किये गये जब्त

छपरा सदर। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन, बिक्री, भंडारण, निर्माण और परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु कार्रवाई को दृष्टिगत रखते हुए 10 अगस्त को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल 39 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें वारंट में9, शराब सेवन में7,शराब कारोबारी में 7,जुआ अधिनियम में 6, हत्या के प्रयास में 2,चोरी में 3, आर्म्स एक्ट में 2, पोक्सो एक्ट में 1, अपहरण में 1और अन्य कांड में अभियुक्त शामिल है ।वही अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-33 वाहनों से 52,500 रूपए जुमार्ना राशि वसूली गई। साथ ही जिला अंतर्गत कुल शराब-308.44लीटर, मोटरसाईकिल-02, मोबाईल-02, पिस्टल-01, कैची-02, टोम्पु-01, रिक्सा-01, तास-01 सेट, नगद राशि-8010 रूपए एवं अपहृता-03 बरामद किए गए।

स्कूल जाने निकली 12 वर्षीय किशोरी लापता, परिजनों ने थाने में दिया आवेदन

सीवान/ दरौंदा थाना क्षेत्र से 12 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। किशोरी के परिजनों ने थाना में आवेदन देकर उसकी सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है। आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच करते हुए किशोरी की तलाश में जुट गई है। परिजनों के अनुसार, 10 अगस्त की सुबह करीब 9:30 बजे किशोरी घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। इसके बाद वह न तो स्कूल पहुंची और न ही वापस घर लौटी। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने आसपास के इलाकों के साथ रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उसकी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। किशोरी के अचानक लापता होने से परिजन काफी चिंतित हैं। काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चलने पर परिजनों ने दरौंदा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए संभावित ठिकानों पर तलाश की जा रही है। परिजनों ने पुलिस से किशोरी को जल्द बरामद करने की मांग की है।

1 सितंबर की दिल्ली रैली की सफलता हेतु भाकपा ने किया पदयात्रा

प्रात: किरण संवाददाता

मढ़ौरा / सारण । मढ़ौरा भाकपा की बहुआरापट्टी शाखा की ओर से 1 सितंबर की दिल्ली रैली की सफलता हेतु पदयात्रा कर लोगों से अपील किया।

पदयात्री बहुआरापट्टी से देव बाहुआरा, दयालपुर, पूणार्डीह, ननफर, रेपुरा आदि गांवों में नारा लगाते हुएकिसान मजदूर एवं छात्र नौजवानों से अपील किया कि एक सितंबर की दिल्ली रैली में भाग लेकर उसे सफल बनाए । पदयात्री महंगाई, बेरोजगारी एवं भ्रष्टाचार आदि पर रोक लगाने के नारे लगाते हुए भ्रमण कर रहे थे । इस मौके पर उपस्थित भाकपा जिला सचिव रामबाबू सिंह ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से मोदी राज में जनता त्रस्त है । इससे निजात हेतु एक सितंबर की दिल्ली रैली में जनता की सहभागिता जरूरी है । पदयात्रियों में प्रो रजाक हुसैन, डा नुसरत अली, अरमान हुसैन, खुशबून खातून, मीना खातून, बीरेंद्र सिंह, शैरून्न खातून, प्रेम सुंदर मांझी , शमसुद्दीन, मंसूर आलम आदि मुख्य रूप से शामिल थे ।

शराब के दो धंधेबाजों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

इसुआपुर । स्थानीय थाना क्षेत्र के इसुआपुर गांव में सोमवार की देर शाम पुलिस ने छापेमारी कर 10 लीटर स्प्रिट के साथ दो शराब धंधेबाजों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान इसुआपुर गांव निवासी स्वर्गीय शिवकुमार प्रसाद के पुत्र दीप रंजन उर्फ हागना तथा विशुनपुरा गांव निवासी अशोक सिंह के पुत्र प्रिंस कुमार के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष धीरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि इसुआपुर गांव में स्प्रिट की खरीद-बिक्री की जा रही है। जिसके बाद पुलिस टीम ने तत्काल छापेमारी कर दोनों आरोपितों को 10 लीटर स्प्रिट के साथ गिरफ्तार किर लिया।

भूमि विवाद में परसौना बाजार में बवाल मुखिया की दुकान पर फायरिंग

प्रात: किरण संवाददाता

परसा । थाना क्षेत्र के परसौना बाजार में भूमि विवाद को लेकर सोमवार को जमकर बवाल हुआ। मुखिया अवधेश राय की किराना दुकान पर दर्जनों लोगों ने चढ़कर मारपीट की और जान से मारने की नीयत से फायरिंग भी की। सभी हमलावर घटना के बाद फरार हो गए ।मुखिया के दिए बयान के अनुसार, दिन में करीब 1 बजे 15-20 की संख्या में लोग परसौना स्थित जमीन पर कब्जा करने की नीयत से पहुंचे थे। सूचना पर 112 पुलिस के पदाधिकारियों ने उन्हें समझा-बुझाकर वहां से हटाया ।लेकिन शाम करीब 5 बजे 6 मोटरसाइकिलों पर सवार दर्जनों नकाबपोश अपराधी दोबारा आए। हथियार और लाठी-डंडे से लैस होकर उन्होंने किराना दुकान में घुसकर तोड़फोड़ की और मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर मुखिया और उनके पुत्र पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने की आरोप लगाया है ।घटना की सूचना मिलते ही सोनपुर डीएसपी ज्ञानप्रकाश, ग्रामीण एसपी संजय कुमार और एसएसपी विनीत कुमार पुलिस पदाधिकारी देर रात घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच कर जानकारी एकत्रित की ।पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है ।मंगलवार को एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर सैंपल ले गई ।मुखिया अवधेश राय के बयान पर 7-8 नामजद और लगभग 10-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले में आधे दर्जन संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है ।थानाध्यक्ष ओम प्रकाश ने बताया कि भूमि विवाद के कारण हुई इस घटना की गहन जांच की जा रही है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

सदर अस्पताल में होमी भाभा कैंसर संस्थान द्वारा कैंसर स्क्रीनिंग की सुविधा उपलब्धः एनसीडीओ

■ अप्रैल 25 से जुलाई 26 तक लगभग 27 हजार किया गया कैंसर स्क्रीनिंगः डॉ संतोष कुमार

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल छपरा के परिसर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल, मुजफ्फरपुर के पेरिफेरिक कैंसर सेंटर के चिकित्सकों द्वारा ओपीडी में स्क्रीनिंग कर उसकी पहचान की जाती है। जिसमें मुख्य रूप से महिला और पुरुषों के लिए मुख, जबकि महिलाओं में स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी घातक बीमारियों की पहचान, इलाज के बाद बायोप्सी की जाती है। सदर अस्पताल परिसर स्थित ओपीडी में संचालित होमी भाभा कैंसर संस्थान सह शोध संस्थान के डॉ संतोष कुमार ने बताया कि विगत अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक 21489 लोगों का मुख का स्क्रीनिंग किया गया है। जिसमें महिला 11701 जबकि पुरुष 9788 शामिल है।

11701 महिलाओं में 3691 स्तन कैंसर की जांच की गई, जिसमें 33 संदिग्ध जबकि 13 उच्च जोखिम महिलाओं की पहचान हुई है। वहीं 1408 महिलाओं का गर्भाशय जांच में 24 संदिग्ध जबकि 06 उच्च जोखिम महिलाओं की शिनाख्त हुई है। हालांकि अप्रैल 26 से जुलाई 26 तक 5654 मरीजों का स्क्रीनिंग किया गया है। जिसमें 105 संदिग्ध तो 22 उच्च जोखिम वाले रोगियों की पहचान हुई है।

बायोप्सी सेवाओं का संचालन मुंह के कैंसर के संभावित मरीजों के लिए महत्वपूर्णः डॉ पारुल -होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की महिला चिकित्सक डॉ पारुल ने बताया कि कैंसर का इलाज असंभव ही नहीं बल्कि संभव है। लेकिन इसके लिए सही समय पर जांच करने के साथ ही शुरूआती दौर में लक्षण पर विशेष रूप से ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में इन दिनों गर्भाशय ग्रीवा (बच्चेदानी) स्तन कैंसर एवं पुरुषों में मुंह के कैंसर के अत्यधिक मामले सामने आ रहे हैं। सदर अस्पताल में बायोप्सी सेवाओं का संचालन मुंह के कैंसर के संभावित मरीजों के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि शुरूआती लक्षणों के आधार पर कैंसर रोग की पहचान करना आसान है। इसके लिए सदर अस्पताल में ओपीडी सेवा संचालित की जा रही है। हालांकि आजकल युवाओं में तंबाकू सेवन मुंह के कैंसर का प्रमुख कारण बन रहा है। इसके लिए जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों की आशा, विद्यालय के शिक्षकों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) और एएनएम के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

जिला गैर संचारी रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ भूपेंद्र कुमार ने बताया कि जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय स्थित स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष रूप से संभावित मरीजों की जांच सुनिश्चित किया जा रहा है। इसमें कैंसर के शुरूआती लक्षण दिखाई देने वाले मरीजों को विशेष रूप से जांच के लिए सदर अस्पताल छपरा के ओपीडी में संचालित कैंसर अस्पताल बुलाया जाता है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच कराई जाती है। जांच के बाद कैंसर ग्रसित मरीजों को अस्पताल द्वारा किमियोथेरेपी कराते हुए संबंधित मरीजों को आवश्यक दवा उपलब्ध कराई जाती है। हालांकि अभी तक सैकड़ों मरीजों को कैंसर बीमारी को मात देते हुए स्वस्थ किया गया है।

104 वर्ष की आयु में पंडित रामसागर पाण्डेय का निधन, शिक्षा व सामाजिक जगत में शोक की लहर

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिले के प्रख्यात शिक्षाविद् एवं भारतेश्वरी मारवाड़ी संस्कृत महाविद्यालय, छपरा के प्रधानाचार्य डॉ. गजानन पाण्डेय के पिता पंडित रामसागर पाण्डेय का 104 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने सोमवार को सीवान के निराला नगर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही शिक्षा, सामाजिक एवं धार्मिक जगत से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार दरौली घाट पर किया गया, जहां परिजनों, शुभचिंतकों और समाज के लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। पंडित रामसागर पाण्डेय लंबे समय से अनुशासित, धार्मिक एवं सादगीपूर्ण जीवन के लिए जाने जाते थे। उम्र के 104वें पड़ाव तक भी उन्होंने अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित बनाए रखा। प्रतिदिन नियमित व्यायाम, पूजा- पाठ और डायरी लेखन उनकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा था। उनका मानना था कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए अनुशासन सबसे जरूरी है। यही कारण था कि बढ़ती उम्र के बावजूद वे अपनी दिनचर्या के प्रति पूरी तरह सजग रहते थे। हालांकि, पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही थी। परिजनों ने बताया कि पंडित रामसागर पाण्डेय के दोनों पुत्र और परिवार के सभी सदस्य उनकी सेवा में सदैव तत्पर रहे। परिवार के लोगों ने उनकी सेवा को अपना सौभाग्य माना। वह परिवार के सभी सदस्यों से बेहद स्नेह और अपने अनुभवों एवं विचारों से आने वाली पीढ़ी का मार्गदर्शन करते थे। उनका जीवन सादगी, अनुशासन, धार्मिक आस्था और पारिवारिक संस्कारों का उदाहरण रहा है। 104 वर्ष की आयु में उनके निधन को परिवार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। उनके निधन पर शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों, शुभचिंतकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों को इस दुख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की कामना की है।

आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

मकेर / पूर्व केंद्रीय मंत्री सह सारण सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि के निर्देश पर मकेर प्रखंड के नंदन कैतुका पंचायत अंतर्गत सुलतान गंज गांव में डॉ रबिन्द्र सिंह के आवास पर 122 लाभुकों को कार्ड का वितरण किया गया है ।मालूम हो कि पूर्व में राशन कार्डधारकों को बनाया गया था ।इस कार्ड के माध्यम से स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्या उतपन्न होने पर सरकार इन लोगो की मुफ्त इलाज कराती हैं साथ ही गंभीर ,असाध्य एवम अन्य बीमारियों का मुफ्त इलाज किया जाता हैं यह योजना प्रधानमंत्री की एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसकी शत प्रतिशत सफलता के कार्यन्वयन के लिए सांसद राजीव प्रताप रूढ़ि ततपर रहते हैं ।कार्ड वितरण के मौके पर जिला महामंत्री निरंजन शर्मा ,चिकित्सा प्रकोष्ठ के सह संयोजक डॉ सुचिन्द्र साह ,हरेंद्र सिंह पुनकल महतो सहित अन्य लोग मौजूद थे ।

सीएमआर आपूर्ति में लापरवाही पर सारण में बड़ी कार्रवाई, दो पैक्स पर धान गबन की प्राथमिकी

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा । खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में सरकारी धान की अधिप्राप्ति के बाद समतुल्य चावल (सीएमआर) की आपूर्ति में लापरवाही बरतने वाली समितियों के विरुद्ध सारण जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। निर्धारित समय-सीमा तक सीएमआर की शत-प्रतिशत आपूर्ति नहीं करने और भौतिक सत्यापन में गोदाम में दर्ज धान उपलब्ध नहीं पाए जाने के मामले में बरेजा पैक्स, मांझी और मदारपुर पैक्स, मसरक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में जिले की कुल 271 समितियों/पैक्स एवं व्यापार मंडलों द्वारा 94,591.84 मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति की गई थी। अधिप्राप्त धान के समतुल्य सीएमआर की आपूर्ति राज्य खाद्य निगम, छपरा को निर्धारित समय-सीमा 31 जुलाई 2026 तक पूरी करनी थी। जिला प्रशासन के अनुसार 271 में से 262 समितियों ने निर्धारित समय-सीमा के भीतर शत-प्रतिशत सीएमआर की आपूर्ति कर दी। वहीं नौ समितियां निर्धारित अवधि तक शत-प्रतिशत सीएमआर की आपूर्ति नहीं कर सकीं। इसके बाद विभागीय निर्देश के आलोक में संबंधित समितियों एवं राइस मिलों में उपलब्ध अवशेष धान का भौतिक सत्यापन कराया गया। भौतिक सत्यापन के दौरान मांझी प्रखंड के बरेजा पैक्स के गोदाम में दर्ज 2,249 क्विंटल अवशेष धान के विरुद्ध वास्तविक रूप से धान उपलब्ध नहीं पाया गया। इसी प्रकार मसरक प्रखंड के मदारपुर पैक्स के गोदाम में दर्ज 1,017.08 क्विंटल धान भी सत्यापन के दौरान गायब मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला सहकारिता पदाधिकारी, सारण के आदेश के आलोक में संबंधित सहकारिता प्रसार पदाधिकारियों द्वारा दोनों पैक्स के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

नि:शुल्क विशाल नेत्र जांच एवं परामर्श शिविर कब आज होगा आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

बनियापुर। अत्याधुनिक तकनीक एवं योग्य डॉक्टरों की टीम द्वारा भव्य नेत्र जांच शिविर में राज्य के नामचीन चिकित्सक शामिल होंगे। आयोजक राकेश कुमार सिंह ने बताया किअत्यंत दुख एवं श्रद्धा के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूज्य माता स्व. श्रीमती गायत्री देवी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर जनसेवा हेतु एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस शिविर में अखण्ड ज्योति आई अस्पतालु की विशेषज्ञ टीम द्वारा अत्याधुनिक मशीनों से आँखों की जांच की जाएगी।

शिविर की विस्तृत जानकारीः

- दिनांकः 12 अगस्त
- स्थानः गायत्री बच्चन उत्सव वाटिका, ग्राम - कारह, प्रखंड - बनियापुर
- सहयोगः अखण्ड ज्योति आई अस्पताल

मुख्य विशेषताएं एवं सुविधाएंः

- अत्याधुनिक मशीनों से आँखों की निःशुल्क जांच
- मोतियाबिंद एवं अन्य नेत्र रोगों का उचित परामर्श
- विशेषज्ञों द्वारा आँखों की देखभाल के लिए सही सलाह

आप सभी ग्रामवासियों एवं आसपास के लोगों से नम्र निवेदन है कि इस शिविर में पहुंचकर अपनी आँखों की जांच कराएं तथा अधिक से अधिक संख्या में इस सेवा का लाभ उठाएं। वही इस शिविर में अन्य गणमान्य शामिल होंगे।

वाहन जांच अभियान में संदिग्ध वाहनों की ली गई तलाशी

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा। थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर दरौंदा थाना पुलिस ने मंगलवार को मुख्य मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने सड़क से गुजरने वाले दोपहिया व चारपहिया वाहनों की जांच की। इस दौरान पुलिस ने वाहनों के रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, हेलमेट, सीट बेल्ट समेत अन्य आवश्यक कागजात और सुरक्षा मानकों की जांच की। संदिग्ध प्रतीत होने वाले वाहनों की डिक्की तथा संदिग्ध व्यक्तियों की भी तलाशी ली गई। अचानक शुरू हुए जांच अभियान से वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा संदिग्ध गतिविधियों और हथियारों की आवाजाही पर रोक लगाना है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दर्जनों वाहन चालकों को चेतावनी देकर भविष्य में नियमों का पालन करने की हिदायत दी गई। पुलिस ने लोगों से वाहन चलाते समय वैध कागजात साथ रखने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

उर्वरक की उपलब्धता व वितरण को लेकर निगरानी समिति की बैठक आज : बीएओ

■ खरीफ मौसम में किसानों को उर्वरक की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान/दारौंदा प्रखंड क्षेत्र में उर्वरक की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था एवं किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने को लेकर प्रखंड स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक 12 अगस्त को आयोजित होगी। बैठक प्रखंड प्रमुख की अध्यक्षता में बुधवार को पूर्वाह्न 11 बजे प्रखंड कृषि कार्यालय, दारौंदा के सभागार में होगी।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी सह सादस्या सचिव, उर्वरक निगरानी समिति दारौंदा की ओर से जारी पत्र में सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को बैठक में समय पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है। बैठक में प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख, जिला पार्षद, बीडीओ, सीओ, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी, किसान सलाहकार समिति के अध्यक्ष, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रखंड अध्यक्ष, पैक्स अध्यक्ष, उर्वरक प्रतिष्ठानों के अनुज्ञप्तिधारी, कृषि समन्वयक सह उर्वरक निरीक्षक सहित प्रखंड स्तरीय पत्रकारों को आमंत्रित किया गया है।

खाद की उपलब्धता और वितरण पर होगी चर्चाः खरीफ मौसम में किसानों को उर्वरक की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें क्षेत्र में खाद की उपलब्धता, मांग के अनुरूप आपूर्ति, किसानों के बीच पारदर्शी वितरण, निर्धारित नियमों के अनुपालन सहित अन्य कृषि संबंधी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामवीर सिंह यादव ने सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से बैठक में समय पर भाग लेने का अनुरोध किया है।

संक्षिप्त खबरें

हिन्दू जागरण मंच के बैनर तले निकली भव्य सिद्धनाथ मनोकामना कांवड़ यात्रा

आरा। गंगी आरा से सुबह 5 बजे शुरू हुई यात्रा, केशोपुर गंगा घाट से जल लेकर बिंद टोली स्थित सिद्धनाथ बाबा का हुआ जलाभिषेक; तपती धूप में भी कांवड़ियों की श्रद्धा रही अटूट आरा, भोजपुर। हिन्दू जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित सिद्धनाथ मनोकामना कांवड़ यात्रा मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में भव्य रूप से निकाली गई। सुबह करीब 5 बजे गंगी आरा से कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों ने हिस्सा लिया। गंगी आरा में एकत्रित होने के बाद हिन्दू जागरण मंच के कार्यकताओं एवं संगठन द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न वाहनों के माध्यम से सभी कांवड़िए केशोपुर गंगा घाट पहुंचे। वहां श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगाजल ग्रहण किया। इसके बाद भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। आरती के पश्चात बैंड-बाजे और धार्मिक जयघोष के साथ कांवड़ यात्रा विधिवत आगे बढ़ी। कांवड़िए श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पवित्र गंगाजल लेकर बिंद टोली स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर की ओर रवाना हुए। पूरे यात्रा मार्ग में ह्यहर-हर महादेवह्ल, ह्यबोल बमह्ल और ह्यजय भोलेनाथह्ल के जयघोष गूंजते रहे। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। तपती धूप में भी नहीं डिगी कांवड़ियों की आस्था कांवड़ यात्रा के दौरान तपती धूप और भीषण गर्मी के बावजूद कांवड़ियों की श्रद्धा और उत्साह में कोई कमी नहीं आई। कांवड़िए पूरे जोश और भक्ति भाव के साथ भोलेनाथ का जयघोष करते हुए आगे बढ़ते रहे। उनके चेहरे पर थकान से अधिक भगवान शिव के प्रति आस्था और उत्साह नजर आया। वहीं, यात्रा मार्ग में स्थानीय लोगों ने भी सेवा और श्रद्धा की मिसाल पेश की। जगह-जगह स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं द्वारा शीतल जल, शरबत एवं जलपान की व्यवस्था की गई। सेवा शिविर लगाकर कांवड़ियों को पानी एवं जलपान कराया गया और उनका स्वागत किया गया। तपती धूप में स्थानीय लोगों की इस सेवा से कांवड़ियों को काफी राहत मिली। कांवड़ियों की अटूट श्रद्धा, स्थानीय लोगों की सेवा भावना और पूरे मार्ग में गूंजते हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयघोष ने यात्रा को और भी भव्य एवं भक्तिमय बना दिया। पूरा यात्रा मार्ग मानो भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर नजर आया। सिद्धनाथ बाबा के जलाभिषेक के साथ हुआ यात्रा का समापन केशोपुर गंगा घाट से पवित्र गंगाजल लेकर कांवड़िए बिंद टोली स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान सिद्धनाथ बाबा का पवित्र गंगाजल से विधिवत जलाभिषेक किया। सिद्धनाथ बाबा के जलाभिषेक के साथ सिद्धनाथ मनोकामना कांवड़ यात्रा का धार्मिक रूप से समापन हुआ। हिन्दू जागरण मंच के कार्यकताओं ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य श्रद्धालुओं को भगवान भोलेनाथ की भक्ति, सेवा, संगठन एवं सनातन संस्कृति से जोड़ना है। यात्रा को सफल बनाने में संगठन के कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रेलवे फ्लाईओवर के एक्सपेंशन जॉइंट में देखी जा रही खराबी, आवागमन में परेशानी

कोईलवर। कुल्हड़िया रेलवे फ्लाईओवर के एक्सपेंशन जॉइंट में खराबी सामने आने से पुल से गुजरने वाले वाहनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जॉइंट में खराबी के कारण वाहन चालकों को उस स्थान पर अपनी रफ्तार कम करनी पड़ती है। खासकर भारी और लोडेड वाहनों को यहां से गुजरने में अधिक कठिनाई हो रही है। वाहन चालकों के अनुसार फ्लाईओवर के एक्सपेंशन जॉइंट में जगह-जगह खराबी दिखाई दे रही है। वाहनों के गुजरने के दौरान जॉइंट पर जोरदार झटका महसूस होता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लगातार भारी वाहनों के आवागमन के कारण स्थिति और गंभीर होने की संभावना है। छपरा जिले के ट्रक चालक सुमित कुमार ने बताया कि फ्लाईओवर के एक्सपेंशन जॉइंट में खराबी के कारण वाहन की गति काफी कम करनी पड़ती है। लोडेड ट्रकों को जॉइंट पार करने में विशेष परेशानी होती है। अचानक झटका लगने से वाहन पर लदा सामान प्रभावित होने के साथ-साथ वाहन के पुर्जों पर भी असर पड़ने की आशंका रहती है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि फ्लाईओवर के एक्सपेंशन जॉइंट की खराबी को जल्द ठीक किया जाना जरूरी है। समय रहते मरम्मत नहीं होने पर यह पुल की संरचनात्मक मजबूती और सुरक्षा के लिए भी गंभीर समस्या बन सकती है। लोगों ने संबंधित विभाग से जॉइंट की तकनीकी जांच कराने और क्षतिग्रस्त हिस्से की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुचारू बना रहे।

जगजीवन कॉलेज में एनसीसी नामांकन के लिए उमड़े 200 से अधिक छात्र-छात्राएं

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जगजीवन कॉलेज, आरा में प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. आभा सिंह के नेतृत्व में एनसीसी में नामांकन प्रक्रिया आयोजित की गई। नामांकन को लेकर छात्र-छात्राओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस प्रक्रिया में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। एनसीसी में चयन के लिए प्रतिभागियों को विभिन्न शारीरिक एवं शैक्षणिक मापदंडों से गुजरना पड़ा। चयन प्रक्रिया 5 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पुनीत श्रीवास्तव की देखरेख में संपन्न हुई। विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता, शैक्षणिक योग्यता सहित अन्य दक्षताओं का भी मूल्यांकन किया गया। कर्नल पुनीत श्रीवास्तव ने बताया कि एनसीसी केवल अनुशासन और प्रशिक्षण का माध्यम नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया में उन विद्यार्थियों को भी प्राथमिकता दी गई, जिनमें गायन, वादन एवं खेलकूद जैसी अतिरिक्त योग्यताएं मौजूद थीं। ऐसी प्रतिभाएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कर्नल पुनीत श्रीवास्तव ने एनसीसी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एनसीसी विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, टीम भावना और जिम्मेदारी की भावना विकसित करता है। साथ ही एनसीसी प्रशिक्षण से विद्यार्थियों को भविष्य में रोजगार के विभिन्न अवसरों में भी लाभ मिलता हैप्रधानाचार्य डॉ. आभा सिंह ने विद्यार्थियों को एनसीसी से जुड़कर अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्रशासन ने नामांकन प्रक्रिया को सफल बनाने में सहयोग किया।

घर के बाहर सो रहे बुजुर्ग का धारदार हथियार से गला काटा

- जख्मी बुजुर्ग का सदर अस्पताल में कराया जा रहा इलाज
- पुलिस घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुटी
- धोबहा थाना क्षेत्र के भदेंया गांव में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात घटी घटना

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। जिले के धोबहा थाना क्षेत्र के भदेंया गांव में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात बदमाश ने घर के बाहर सो रहे बुजुर्ग पर जानलेवा हमला कर दिया और धारदार हथियार से बुजुर्ग के गले को काट दिया गया। इस दौरान बदमाश एवं बुजुर्ग के बीच हाथापाई भी हुई। इसके बाद गंभीर हालत में परिजन द्वारा उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई। सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को घटनास्थल से एक हसुआ एवं संदिग्ध व्यक्ति का चप्पल बरामद किया। जानकारी के अनुसार जख्मी बुजुर्ग धोबहा थाना क्षेत्र के भदेंया गांव वार्ड नंबर-2 निवासी 70 वर्षीय सदानंद सिंह है। वह पेशे से किसान हैं। इधर, सदानंद सिंह ने बताया कि वह सोमवार की रात मवेशी को बांधने व खाना खाने के बाद घर के बाहर चौकी पर सोए हुए थे। इसी बीच सोमवार व मंगलवार की दरमियानी रात करीब एक बजे के आसपास एक बदमाश धारदार हथियार लेकर आया और उनका गला रेतने में लगा। तभी उनकी नींद खुल गई और उन्होंने उसका हाथ पकड़ लिया। उसके बाद वह धारदार हथियार छोड़ भाग निकला। उनके चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन घर से बाहर निकले और उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल ले आए। वहीं दूसरी तरफ जख्मी बुजुर्ग सदानंद सिंह ने किसी भी प्रकार की दुश्मनी एवं विवाद की बातों से साफ इनकार किया है। इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

विद्यालयों में चलाया गया साइबर जागरूकता अभियान

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। पुलिस मुख्यालय पटना के दिशा-निर्देशन में साइबर मंगलवार के तहत भोजपुर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के विद्यालयों में साइबर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिस पदाधिकारियों द्वारा छात्र-छात्राओं को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों एवं उनसे बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, मजबूत पासवर्ड रखने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने तथा किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपनी व्यक्तिगत या बैंकिंग जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई एवं किसी प्रकार के साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन अथवा संबंधित थाना/साइबर थाना से संपर्क करने एवं सदैव सतर्क एवं जागरूक रहने की अपील की गई।

शिक्षक अमित कुमार सिंह के निधन से शिक्षकों में शोक की लहर

प्रात: किरण संवाददाता

बड़हरा। प्रखंड अंतर्गत बबुरा थाना क्षेत्र के बबुरा गांव निवासी वंशनारायण सिंह के 45 वर्षीय शिक्षक पुत्र अमित कुमार सिंह का सोमवार को असामयिक निधन हो गया. उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र के शिक्षको और शिक्षा जगत से जुड़े लोगो मे शोक की लहर दौड़ गयी. अमित कुमार सिंह प्राथमिक विद्यालय चातर पश्चिमी मे शिक्षक के पद पर कार्यरत थे.शिक्षक के निधन की सूचना के बाद प्राथमिक विद्यालय चातर पश्चिमी एवं पूर्वी चातर सहित आसपास के अन्य सरकारी विद्यालयो मे शोक की भावना देखी गयी. प्राथमिक विद्यालय चातर पश्चिमी परिसर मे शिक्षको ने शोकसभा आयोजित कर दिवंगत शिक्षक को श्रद्धांजलि दी. इस दौरान उपस्थित शिक्षको ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की.शोकसभा मे शिक्षको ने कहा कि अमित कुमार सिंह अपने कार्य के प्रति समर्पित शिक्षक थे. उनके असामयिक निधन से शिक्षा जगत को अपूरणीय क्षति हुई है. शिक्षको ने शोक संतप्त परिजनो के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें इस दुख की घड़ी मे धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से कामना की.शोकसभा मे प्राथमिक विद्यालय चातर पश्चिमी के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज कुमार, हेना प्रवीण, जयंती माला, संतोष साह, दुर्गावती देवी तथा प्राथमिक विद्यालय चातर पूर्वी के प्रभारी प्रधानाध्यापक खुर्शीद आलम,शिक्षक कौशल पांडेय, रामलखन प्रसाद, पिंकी कुमारी और अनु कुमारी समेत विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

प्रशिक्षु डीएसपी सुधा ने बच्चों के साथ आत्मीय एवं सहज संवाद किया स्थापित

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। पुलिस और समाज के बीच बेहतर समन्वय एवं विश्वास को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रशिक्षु डीएसपी सुश्री सुधा के द्वारा बच्चों के साथ आत्मीय एवं सहज संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान बच्चों से उनकी पढ़ाई, रुचियों एवं दैनिक गतिविधियों के बारे में बातचीत की तथा उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना गया ,बच्चों के साथ दोस्ताना माहौल में बातचीत करते हुए उन्हें सुरक्षा, अनुशासन, अच्छे व्यवहार एवं सकारात्मक सोच के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों के साथ इस तरह का सहज संवाद उन्हें पुलिस के प्रति विश्वास और अपनापन महसूस कराने के साथ-साथ पुलिस एवं आमजन के बीच संबंधों को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ट्रकों चालकों से करते थे लूटपाट, पुलिस ने दो बदमाशों को भेजा जेल

- दो मोबाइल, सोने का लॉकेट व बाइक बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के चांदी थाना क्षेत्र में ट्रक चालकों को रोककर चाकू के बल पर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बदमाशों में चांदी थाना क्षेत्र के भदवर गांव निवासी नमेंद्र सिंह यादव का पुत्र मनु कुमार और हरदास टोला गांव निवासी राजेश्वर प्रसाद का पुत्र अभिषेक कुमार शामिल हैं। पुलिस ने दोनों के पास से लूटे गए दो मोबाइल फोन, सोने का लॉकेट और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। इस संबंध में पुलिस निरीक्षक सह चांदी थानाध्यक्ष राकेश कुमार रौशन ने बताया कि सोमवार की देर रात कोसिहान गांव के समीप पुल के पास दो बदमाशों ने ट्रक चालकों को निशाना बनाया। बदमाशों ने ट्रक के आगे मोटरसाइकिल खड़ी कर उसका रास्ता रोक दिया। इसके बाद चाकू का भय दिखाकर छपरा निवासी एक ट्रक चालक से लूटपाट की और मौके से फरार होने लगे। घटना की सूचना मिलते ही चांदी थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गश्ती दल को सक्रिय किया। पुलिस ने पीछा कर दोनों बदमाशों को जलपुरा गांव के समीप गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से लूटे गए दो मोबाइल फोन, सोने का लॉकेट और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।थानाध्यक्ष ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि अभिषेक कुमार ट्रकों के आगे मोटरसाइकिल खड़ी कर उनका रास्ता रोकता था, जबकि मनु कुमार चाकू के बल पर ट्रक चालकों से लूटपाट करता था। दोनों मिलकर वारदात को अंजाम देते थे। थानाध्यक्ष के अनुसार, गिरफ्तार मनु कुमार आदतन लूटपाट का अपराधी है। वह पूर्व में भी लूटपाट के मामलों में जेल जा चुका है और कई थानों की पुलिस द्वारा उसे पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

एसबी कॉलेज में स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ नवागत विद्यार्थियों को दी गई नई शिक्षा नीति की जानकारी

आरा। सहजानंद ब्रह्मर्षि महाविद्यालय (एसबी कॉलेज), आरा में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (ऋवञ्रढ्ढ) सत्र 2026-30 के नवागत विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम (रङ्कढ्ढ) का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (ढ्ढक्तअङ्ख) एवं नई शिक्षा नीति (ठएढ) कार्यान्वयन समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का मूल ध्येय वाक्य ह्यज्ञान ड्ट संस्कार ड्ट नवाचार ड्ट उत्कृष्टताह्ल रखा गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मीना जी ने दीप प्रज्वलित कर किया। स्वागत संबोधन में उन्होंने नवागत विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए छात्र जीवन में महाविद्यालय की भूमिका और इंडक्शन प्रोग्राम की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से महाविद्यालय आने तथा पठन-पाठन सहित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। प्रथम सत्र में श्रीमती नीतू देवी ने संस्थागत परिचय प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं और उपलब्ध सुविधाओं से अवगत कराया। डॉ. सद्दाम हुसैन ने नई शिक्षा नीति-2020 के मूलभूत सिद्धांतों एवं बहुविषयी शिक्षा के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. गौरव मिश्रा ने ऋवञ्रढ्ढ की अकादमिक संरचना, क्रेडिट सिस्टम, मेजर-माइनर विषयों के चयन तथा पाठ्यक्रम से मिलने वाले व्यापक अवसरों की जानकारी दी। वहीं डॉ. राधिका जी ने सतत आंतरिक मूल्यांकन (उक्अ) एवं सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली के बारे में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।अपराह्न सत्र में डॉ. मेराज दानापुरी ने महाविद्यालय की स्टूडेंट सोसाइटी के गठन एवं उसके उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से सह-शैक्षणिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। इसके बाद छात्र प्रतिनिधियों कृष्णा तिवारी, आदित्य एवं आइसा (अक्रअ) के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखते हुए नवागत विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का समापन डॉ. गुंजन कुमार के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।इसके बाद उपस्थित अतिथियों एवं विद्यार्थियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर डॉ. मेराज दानापुरी, डॉ. गुंजन, डॉ. सद्दाम हुसैन, डॉ. उमेश कुमार राय, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. नमिता, डॉ. रीना, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. महफूज अशरफ, डॉ. महताब इमाम, डॉ. श्वेता गौरव, डॉ. संतोष कुमार राम, डॉ. आशा रानी, डॉ. अनामिका, डॉ. प्रेमलता, डॉ. मिथिलेश कुमार गिरी, डॉ. वेंकटेश्वर चौधरी, डॉ. आदित्य कुमार आनंद, डॉ. धनंजय प्रसाद राय, डॉ. अशोक कुमार तिवारी, डॉ. एस.डी. सिंह, डॉ. राकेश कुमार, डॉ पूजा कुमारी, डॉ राजलक्ष्मी,रमेश कुमार राय, सुमिर शर्मा, विकास कुमार सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

फर्जी लिंक पर न करें क्लिक खाली हो सकता है बैंक खाता : डीएसपी

साइबर स्मार्ट मंगलवार में विद्यार्थियों को ठगी से बचाव के बताए गए तरीके

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच मंगलवार को तारा मणि भगवान साव 10+2 उच्च विद्यालय, कोईलवर में विद्यार्थियों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। ह्यसाइबर स्मार्ट मंगलवारह्ल कार्यक्रम के तहत अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रणजीत कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को साइबर ठगी के तरीके और उससे बचने के उपायों की जानकारी दी। एसडीपीओ ने कहा कि साइबर अपराधी लोगों को अलग-अलग तरीकों से झांसा देकर बैंकिंग और निजी जानकारी हासिल करते हैं। फर्जी लिंक भेजना, ओटीपी मांगना, इनाम या नौकरी का लालच देना और सामाजिक माध्यमों के जरिए संपर्क कर लोगों को अपने जाल में फंसाना ठगी के प्रमुख तरीके हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि किसी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक पर बिना जांच-पड़ताल के क्लिक नहीं करें। उन्होंने बताया कि बैंक खाता, एटीएम कार्ड की जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड और अन्य निजी जानकारियां किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। बैंक अधिकारी या सरकारी कर्मचारी बनकर फोन करने वाले लोगों पर भी बिना सत्यापन के भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने समझाया कि संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से मोबाइल में मौजूद निजी जानकारी साइबर अपराधियों के हाथ लग सकती है और बैंक खाते से पैसे भी निकाले जा सकते हैं। एसडीपीओ ने विद्यार्थियों से साइबर अपराध से जुड़ी किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी खुद सतर्क रहने के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी साइबर ठगी से बचाव के प्रति जागरूक करें। कार्यक्रम में कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चन्द्र, एसआई कुमारी नेहा, विद्यालय के शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

लोक प्रशासन विभाग के नए विभागाध्यक्ष बने डॉ. आमिर महमूद, बधाई देने वालों का लगा तांता

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के स्नातकोत्तर लोक प्रशासन विभाग में मंगलवार को नए विभागाध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर डॉ. आमिर महमूद ने पदभार ग्रहण किया। उनके पदभार संभालने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में हर्ष का माहौल रहा। विभाग के शिक्षकों, शोधार्थियों, छात्र-छात्राओं एवं गणमान्य लोगों ने डॉ. महमूद को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। पदभार ग्रहण के अवसर पर विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ शिक्षक, प्राध्यापक, शोधार्थी एवं लोक प्रशासन विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। बधाई देने वालों में प्रो. उमेश कुमार, प्रो. कुंदन कुमार सिंह, प्रो. डीएन चौधरी, प्रो. यशवंत कुमार, डॉ. रमेश सिंह, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. अमित कुमार, डॉ. शैलेंद्र यादव, डॉ. शशिभूषण देव, डॉ. वकारुत जमा, डॉ. फौजिया रहमान, डॉ. ट्विंकल केसरी, डॉ. अंकिता मिश्रा, डॉ. एमडी अरमान, डॉ. रामधनी राम, डॉ. लक्ष्मी कुमारी, डॉ. सलेजा सिंह, डॉ. चिंटू, डॉ. मुकेश कुमार राम सहित अन्य शिक्षक शामिल रहे। इस अवसर पर सुमन सौरभ, अंसल राज, रवि प्रसाद, नरेंद्र सिंह, अमित कुमार ओझा, नेहा कुमारी, सुमन कुमारी, ज्योति कुमार, रवि कुमार चौबे, तनवीर हैदर, अहिश ठाकुर, नीरज कुमार, जयराम, रंजित सहित विभाग के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे ।पदभार ग्रहण करने के बाद डॉ. आमिर महमूद ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विभाग में गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण को और मजबूत करना, शोध कार्यों को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए तकनीकी एवं व्यावहारिक प्रयास करना उनकी प्राथमिकता होगी। उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने विश्वास जताया कि डॉ. महमूद के नेतृत्व में लोक प्रशासन विभाग अकादमिक, शोध एवं शैक्षणिक गतिविधियों के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

गिधा की दलित बस्ती में एनएसएस इकाई-2 ने चलाया सर्व शिक्षा अभियान

आरा। एसबी कॉलेज, आरा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-2 के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गिधा स्थित दलित बस्ती में सर्व शिक्षा अभियान चलाया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने बस्ती के बच्चों और उनके अभिभावकों से संवाद कर शिक्षा के महत्व की जानकारी दी। स्वयंसेवकों ने कहा कि शिक्षा सामाजिक समानता का मजबूत आधार है। पढ़ाई के माध्यम से बच्चों को बेहतर भविष्य और रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने तथा उनकी शिक्षा के प्रति विशेष ध्यान देने की अपील की। इस दौरान बच्चों को निशुल्क पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई। साथ ही विद्यालय में नामांकन की प्रक्रिया और शिक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। एनएसएस इकाई-2 की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. मनीषा कुमारी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल महाविद्यालय परिसर तक सीमित नहीं है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश पहुंचाना भी एनएसएस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दलित बस्ती में बच्चों की शिक्षा की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए भविष्य में भी जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने एनएसएस स्वयंसेवकों की पहल की सराहना की। अभिभावकों ने कहा कि स्वयंसेवकों के प्रयास से बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ी है। अभियान में अमन कुमार, आदित्य कुमार, शिवानी कुमारी, निशांत कुमार सहित कई स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

परेशानी : कुंजनटोला में पांच दिनों से बंद है नल-जल की आपूर्ति

- मुख्य पाइपलाइन टूटने से खनगांव पंचायत के कुंजल टोला में पेयजल संकट, गर्मी में लोग परेशान

कोईलवर। प्रखंड के खनगांव पंचायत के वार्ड संख्या दो स्थित कुंजन टोला गांव में पिछले पांच दिनों से हर घर नल का जल योजना की आपूर्ति बंद है। मोटर से पाइपलाइन में पानी पहुंचाने वाली मुख्य पाइप टूट जाने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। पानी की आपूर्ति बंद होने से वार्ड के करीब 100 से अधिक घरों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड सदस्य रंजन कुमार ने बताया कि करीब पांच दिनों पहले मुख्य पाइपलाइन टूट गई थी। इसके बाद से नल-जल की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। गर्मी के मौसम में पानी की जरूरत बढ़ जाती है, ऐसे में आपूर्ति बंद रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों को घरेलू जरूरतों के लिए दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पाइपलाइन की खराबी की जानकारी संबंधित विभाग को दी गई है, लेकिन पांच दिन बीतने के बाद भी आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। ग्रामीण जल्द से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कराकर नल-जल की सुविधा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। इस संबंध में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के कनीय अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि मंगलवार की शाम में उन्हें पाइपलाइन खराब होने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि बुधवार को पाइपलाइन की मरम्मत कराकर नल-जल की आपूर्ति बहाल करा दी जाएगी।

करंट की चपेट में आने से किशोर घायल

आरा। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव में मंगलवार की शाम विद्युत करंट की चपेट में आने से किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार घायल किशोर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव निवासी राघवेंद्र प्रसाद का 14 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार है। इधर, घायल किशोर के परिजन ने बताया कि मंगलवार की शाम खेत में गया था और वहां चल रहे बोरिंग में नहाने लगा। इसी दौरान उसका हाथ मोटर के तार में स्पर्श कर गया। जिसके कारण करंट की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। तब परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
पटना, बुधवार, 12 अगस्त 2026

संक्षिप्त खबरें

नगर प्रखंड की पंचायत समिति की बैठक हुई सम्पन्न

गया जी। नगर प्रखंड प्रमुख सुचित्रा रंजनी के अध्यक्षता में नगर प्रखंड पंचायत समिति की बैठक हुई जिसमें सभी पंचायत के लोग उपस्थित थे। सर्वप्रथम नगर प्रखंड प्रमुख सुचित्रा रंजनी उप प्रमुख सतिश पटेल वीडीयो प्रदिप कुमार चौधरी ने दिप प्रज्वलीत करके इस बैठक का विधिवत शुभारंभ किया गया है। इसमें सभी विभागों संबंधित पदाधिकारी से समीक्षा की गई है और विकास एवं पंचायत में कल्याणकारी योजनाएं के विस्तार से चर्चा किए गए हैं। इसमें प्रमुखता से 16 वी वित्त से संबंधित समिति द्वारा योजना ली गई है और विभागीय बैठक में पीएचडी पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार कि सबसे महत्वपूर्ण योजना हर घर पानी पहुंचाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं इस कार्यक्रम में सी ओ शरब कुमार और संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दुःखद निधन पर शोक संवेदना विष्णुपद श्मशान घाट पहुंचकर दी श्रद्धांजलि

गयाः नीमचक बथानी प्रखंड के ग्राम नैली निवासी एवं हमारे अभिभावक चितरंजन शर्मा उर्फ मंत्री जी के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके निधन की खबर सुनकर मोहम्मद औरंगजेब ने परिवारजनों से भेंट कर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।चितरंजन शर्मा जी का अंतिम संस्कार 10 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे विष्णुपद श्मशान घाट, गया में किया गया। इस अवसर पर मोहम्मद औरंगजेब, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि, नीमचक बथानी एवं युवा जदयू प्रदेश महासचिव, विष्णुपद श्मशान घाट पहुंचकर अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।उन्होंने कहा कि चितरंजन शर्मा उर्फ मंत्री जी का निधन परिवार और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका स्नेह, मार्गदर्शन और सरल व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। ईश्वर शोकाकुल परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें।

जीबीएम कॉलेज ने मेरी शान मेरा तिरंगा, मेरा विकसित भारत विषय पर आयोजित किया पोस्टर मेंकिंग कम्पटीशन

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज द्वारा चलाए जा रहे विकसित भारत 2047 एवं उन्नत भारतअभियान के तहत चित्रगुप्त मध्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच जाकर मेरी शान मेरा तिरंगा, मेरा विकसित भारत विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई, जिसमें स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों में से मुस्कान, आयशा, जाह्नवी, शबाना, रितिका, संदीप, दुर्गेश नंदनी, शशि स्वाति, आराध्या, गुनगुन, तनु, जया, वर्षा, आयुष, सन्नी, आयान, पवन, विराट, सागर, मानव, फरीद, कामरान, शहजादा, नजमा खातून, राधिका ने बढ़चढकर भाग लिया है। प्रतियोगिता में कक्षा आठ की स्वाति कुमारी प्रथम, वर्षा कुमारी द्वितीय एवं जाह्नवी कुमारी तृतीय स्थान पर रही है। विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल के निर्देश पर विकसित भारत की समन्वयक डॉ अमृता कुमारी घोष, सदस्य डॉ नगमा शादाब एवं डॉ वीणा कुमारी जायसवाल की देखरेख में हुआ है।

सावन के दूसरी सोमवारी के संध्या में शिव चर्चा का आयोजन

औरंगाबाद। सदर प्रखंड स्थित ग्राम जम्होर के अनुग्रह नारायण स्टेशन के समीप स्थित गायत्री शक्तिपीठ के प्रांगण में पावन माह सावन के दूसरी सोमवारी के अवसर पर संध्या पूजन के बाद शिव चर्चा का आयोजन किया गया। मंदिर के वरिष्ठ कार्यकर्ता रामध्यान प्रसाद के आह्वान पर शिव चर्चा के पूर्व मंदिर परिसर स्थित मां गायत्री एवं अन्य देवी देवताओं की पंचोपचार विधि से विशेष पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात शिव दरबार में विशेष शिव चर्चा का आयोजन किया गया। शिव शिष्या रिंकी देवी एवं रीना देवी के संयुक्त नेतृत्व में चर्चा के क्रम में सर्वप्रथम भगवान शिव के नाम का संकीर्तन किया गया। उनकी चर्चा की शुरूआत करते हुए विमला देवी, श्रद्धा देवी, शिवानी पांडेय दिव्यांशी पांडेय, साक्षी पांडेय, नगीना देवी, अनीता देवी, सुषमा देवी, आरती देवी रूबी देवी एवं अमृता देवी ने कहा कि जगत के कल्याण के लिए गुरु का सान्निध्य अति आवश्यक है।

श्रावणी मेला को लेकर गया स्टेशन पर आरपीएफ की बढ़ी चौकसी

- सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में यात्रियों व कांवड़ियों को लाउड हेलर से किया गया जागरूक

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी। श्रावणी मेला के अवसर पर यात्रियों और कांवड़ियों की सुरक्षा तथा गया रेलवे स्टेशन परिसर में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सोमवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट, गया की ओर से विशेष चेकिंग एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। सहायक सुरक्षा आयुक्त, रेसुब, पूमरे गया संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ पोस्ट गया के निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव के साथ अधिकारी एवं जवानों ने स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया है। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर बनारसी यादव तथा आरपीएफ की टीम

अभियान के दौरान गया रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1/सी पर ट्रेन संख्या 13023/13024 हावड़ा-गया एक्सप्रेस के आगमन एवं प्रस्थान के दौरान यात्रियों और कांवड़ियों को लाउड हेलर के माध्यम से सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही गया जंक्शन के विभिन्न प्लेटफॉर्मों तथा गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस में भी भीड़ के बीच विशेष अभियान चलाया गया है। आरपीएफ ने यात्रियों से अपील की कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति से खाने-पीने की वस्तु स्वीकार नहीं करें और यात्रा के दौरान सतर्क रहें। संदिग्ध वस्तु दिखे तो 139 पर दें सूचना, गेट-पायदान पर यात्रा से बचने की अपील

आरपीएफ ने यात्रियों को यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे गैस सिलिंडर, स्टोव और केरोसिन तेल आदि साथ नहीं ले जाने की हिदायत दी है। किसी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि के दिखाई देने पर तत्काल रेलवे सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 139 पर सूचना देने की अपील की गई है। यात्रियों से उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने तथा ट्रेन के गेट और पायदान पर खड़े होकर यात्रा नहीं करने को कहा गया है।

विशेष चेकिंग के दौरान एसी कोचों में यात्रा कर रहे कुछ कांवड़ियों को भी समझाया गया है।

वाणिज्यिक विभाग और आरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई के तहत एसी कोच को खाली कराया गया, ताकि आरक्षित श्रेणी के यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आरपीएफ ने यात्रियों को अनावश्यक चैन पुलिंग नहीं करने की भी चेतावनी दी। बताया गया कि बिना उचित कारण चैन पुलिंग करने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हावड़ा-गया एक्सप्रेस को गया रेलवे स्टेशन से सुरक्षित रवाना कराया। श्रावणी मेला के दौरान स्टेशन एवं ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर आरपीएफ द्वारा इस तरह के विशेष अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर बैंकों के पदाधिकारियों के साथ बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। आगामी 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजीव रंजन कुमार की अध्यक्षता में उनके प्रकोष्ठ में बैंक ऋण से संबंधित मामलों के निस्तारण के संबंध में विभिन्न बैंकों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव श्रीमती तान्या पटेल सहित अग्रणी बैंक प्रबंधक, बिहार ग्रामीण बैंक, इंडियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं अन्य बैंकों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन कुमार ने बैंक पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बैंक ऋण से संबंधित अधिकाधिक मामलों को चिन्हित करते हुए उनका आपसी सहमति के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य पक्षकारों को त्वरित, सुलभ एवं कम खर्च में न्याय उपलब्ध कराना है। अतः बैंक पदाधिकारी इस दिशा में सक्रिय एवं सकारात्मक भूमिका निभाएं।उन्होंने निर्देश दिया कि भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों एवं लागू नियमों का पालन करते हुए ऋणधारियों को नियमानुसार अधिकतम संभव राहत प्रदान करने का प्रयास किया जाए। विशेष रूप से वैसे मामलों को प्राथमिकता दी जाए, जिनका आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से सरलतापूर्वक निस्तारण संभव है। पीडीजे ने यह भी निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के पूर्व लंबित बैंक ऋण मामलों की समीक्षा कर समझौता योग्य मामलों की सूची तैयार की जाए तथा संबंधित पक्षकारों को समय पर सूचना उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिकाधिक मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से हो सके। बैठक में सरकारी अनुदान से संबंधित बैंक ऋण मामलों में ब्याज लगाने अथवा उसकी वसूली की प्रक्रिया से जुड़े मामलों पर भी चर्चा की गई। इस संबंध में माननीय पीडीजे द्वारा बैंक पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सरकारी योजनाओं एवं अनुदान से संबंधित मामलों में निर्धारित नियमों एवं स्थापित प्रक्रियाओं का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र ऋणधारियों को नियमानुसार मिलने वाले लाभ से वंचित न होना पड़े। पीडीजे ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आने वाले पक्षकार अपने विवादों के सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित समाधान की अपेक्षा रखते हैं। इसलिए बैंक पदाधिकारी सकारात्मक, सहयोगात्मक एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए बैंक के हितों तथा लागू नियमों के अनुरूप मामलों के निस्तारण की दिशा में प्रभावी प्रयास करें। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव श्रीमती तान्या पटेल ने भी बैंक पदाधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक बैंक ऋण मामलों के निस्तारण हेतु सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

मजहब से ऊपर इंसानियत, पथ प्रदर्शक शिविर में कांवरियों की सेवा कर रही साबिया

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। बाबा बैद्यनाथ धाम में चल रहे श्रावणी मेला के दौरान औरंगाबाद की स्वयंसेवी संस्था पथ प्रदर्शक द्वारा लगाए गए निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर में साबिया परवीन सेवा और सद्भाव की मिसाल पेश कर रही हैं। पिछले 13 दिनों से साबिया दिन-रात कांवरिया श्रद्धालुओं की सेवा में जुटी हैं। साबिया शिविर में कांवरियों को प्राथमिक चिकित्सा, मलहम-पट्टी और पैरों की मसाज सहित विभिन्न सेवाएं दे रही हैं। उनकी सेवा भावना न केवल श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रही है, बल्कि हिन्दू-मुस्लिम एकता और सामाजिक सद्भाव का भी संदेश दे रही है।

साबिया का कहना है कि ह्लसभी मानव पहले इंसान हैं, उसके बाद जाति और धर्म आता है। जरूरतमंद की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है।ह्व कांवरिया श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति को देखकर साबिया इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने अगले वर्ष सावन में सुल्तानगंज से गंगाजल लेकर कांवर यात्रा करने और बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करने का संकल्प लिया है।

औरंगाबाद के टिकरी रोड की रहने वाली साबिया बताती हैं कि कांवरियों की सेवा करके उन्हें आत्मिक खुशी मिल रही है। दूर-दूर से पैदल चलकर बाबा बैद्यनाथ के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि साबिया पूरे उत्साह और समर्पण के साथ कांवरियों की सेवा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पथ प्रदर्शक का यह पहला निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर है, जिसे अब प्रत्येक वर्ष श्रावणी मेला के दौरान आयोजित कर कांवरिया श्रद्धालुओं की सेवा की जाएगी।

शिविर में साबिया परवीन के साथ किरण कुमारी, पूजा कुमारी और पूनम देवी भी लगातार कांवरिया श्रद्धालुओं की सेवा में योगदान दे रही हैं। सेवा शिविर में श्रद्धालुओं को निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

करसावा विद्यालय के छात्रों ने निकाली तिरंगा यात्रा

प्रातः किरण संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। प्रखंड के मध्य विद्यालय एवम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करसावा के छात्रों ने आजादी के अमृत महोत्सव की भावना को जन जन तक पहुंचाने एवम राष्ट्र भक्ति की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तिरंगा कार्यक्रम आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रधानाध्यापक श्रवण कुमार एवम अखिलेश कुमार ने किया।

जब की कार्यक्रम का हरि झंडी दिखाकर मुखिया मोहम्मद तुफैल अहमद ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही इस अभियान के तहत मुखिया तुफैल अहमद एवम विद्यालय के सभी शिक्षकों ने उत्साह एवम उमंग के साथ तिरंगा झंडे के साथ पूरे गावो को भ्रमण कर विद्यालय मे राष्ट्र गान के साथ समापन किया। मुखिया मोहम्मद तुफैल अहमद प्रधानाध्यापक अखिलेश कुमार प्रधानाध्यापक श्रवण कुमार ने कहा कि इन गतिविधियों के माध्यम से छात्रों ने देश भक्ति राष्ट्रीय एकता एवम तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

यह अभियान जिला एवम प्रखंड स्तर पर अभियान को व्यापक जनभागदारी के साथ संचालित की जा रही है।

छात्र छात्राओं ने अपने हाथों मे तिरंगा लिए भारत माता की जय वंदे मातरम के नारों से करसावा गांव गूंज उठा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर भी तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय के शिक्षक छात्र भारी संख्या मे ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

राज्य महोत्सव संघ जिला इकाई औरंगाबाद के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं उपाध्यक्ष अशोक सिंह को बनाया गया

औरंगाबाद। बिहार राज्य महोत्सव संघ के जिला इकाई औरंगाबाद का गठन किया गया है जिसमें जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ग्राम रायपुरा निवासी सत्यचंडी धाम महोत्सव के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह को अध्यक्ष एवं कल्पवृक्ष धाम परता के अध्यक्ष कुटुंबा प्रखंड के झकरी ग्राम निवासी अशोक कुमार सिंह को उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया।राज्य महोत्सव संघ बिहार के अध्यक्ष महोत्सव रत्न संजीव कुमार सिंह ने बताया कि औरंगाबाद जिले में महोत्सव को एक विशेष आकर्षण प्रदान करने में राजेंद्र सिंह एवं अशोक कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महोत्सव संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह के मनोनयन पर महोत्सव से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई दी।

जगजीवन कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा इंटर्नशिप को लेकर जागरुकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।जगजीवन कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा इंटर्नशिप को लेकर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।जिसमें भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित हुए। इस आयोजन की विशेष बात यह रही कि राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार, सहायक प्राध्यापक डॉ. इंतेखाब आलम खान एवं डॉ. राजीव चौधरी ने जोर देते हुए कहा कि इंटर्नशिप में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाता है। इस प्रक्रिया में विद्यार्थियों की आत्मविश्वास में अभिवृद्धि तो होगी ही, साथ ही वे आत्मनिर्भर भी होंगे। इंटर्नशिप का बुनियादी लक्ष्य ही है कि छात्र-शिक्षक एवं संस्थान के मध्य अधिक से अधिक संवाद कायम करना तथा प्रायोगिक ज्ञान के प्रति जागरूक करना है। इससे यह भी लाभ होता है कि विद्यार्थियों को विषय-विशेष में विशेषज्ञता हासिल होती है। इंटर्नशिप एक ऐसा क्षेत्र रहा है जो बाहर के देशों में पहले से ही अस्तित्व में है। भारत में यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के अंतर्गत इसे अनिवार्य कर दिया गया। इस पहल से निश्चित रूप से विद्यार्थियों का भविष्य निखरेगा और बेहतर कुशल समाज का निर्माण होगा। डॉ. पंकज कुमार ने यह भी बताया कि इंटर्नशिप चौथे और पांचवें सेमेस्टर के बीच की छुट्टियों में करना ज्यादा लाभप्रद रहेगा। इस वर्ष मगध विश्वविद्यालय में यह पहली बार करवाया जा रहा है, लिहाजा विद्यार्थियों में इंटर्नशिप के प्रति विशेष तौर पर उत्सुकता है। लेकिन, उन्हें यह भी कहा गया कि इंटर्नशिप पांचवें सेमेस्टर तक करना अनिवार्य है। यह पूरे पाठ्यक्रम के दौरान सिर्फ एक बार करना अनिवार्य है। उन्होंने यह भी बतलाया इंटर्नशिप करने के बाद उसका मूल्यांकन भी किया जाएगा जिसमें बाह्य एवं आंतरिक परीक्षक की व्यवस्था की गई है। इस मौके पर उपस्थित महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मो. ऐयूब ने उपस्थित विद्यार्थियों को देखते हुए कहा कि ऐसी ही उपस्थिति और ज्ञान के प्रति भूख कक्षा के भीतर भी दिखनी चाहिए। नए पाठ्यक्रम में महाविद्यालय में आपकी उपस्थिति से भविष्य संवरेगा और आप जीवन एवं जगत को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से आगे कहा कि उपर्युक्त कही बातों को अक्षरशा पालन करना आपकी नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रो. रतिकांत दास, प्रो. पूर्णेंदु कुमार, डॉ. अनुरानी, डॉ. अंकना, डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. शिवकुमार रविदास, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. प्रियंका कुमारी सिन्हा आदि थे।

मगध विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में शोधारम्भ आयोजित, 130 से अधिक शोधार्थी हुए शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

बोधगया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के हिन्दी विभाग द्वारा पीएच.डी. कोर्स वर्क (सत्र 2022-23) के नवनामांकित शोधार्थियों के लिए ह्यशोधारम्भः अनुसंधान-यात्रा का प्रथम दिवसह्व विषयक अभिविन्यास एवं कक्षा-प्रारम्भ कार्यक्रम का आयोजन हिन्दी भवन स्थित प्रेमचंद सभागार में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. आनन्द कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर संरक्षक के रूप में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी तथा सह-संरक्षक के रूप में कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम् उपस्थित रहे। विभागाध्यक्ष ने अतिथियों को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। आयोजन में 130 से अधिक शोधार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही है।कुलसचिव प्रो. विनोद कुमार मंगलम् ने अज्ञेय जी की पंक्तियों– ह्वबूंद सीपी की भले हो, भेदती है मर्म सीपी का उसी निर्मम त्वरा से, वज्र जिससे फोड़ता चट्टान कोह्व– के साथ-साथ रघुवीर सहाय एवं त्रिलोचन की कविताओं का उद्धरण देते हुए शोधार्थियों को निरंतर साधना और जीवटता के साथ शोध कार्य में जुटने की प्रेरणा दी। माननीय कुलपति प्रो. दिलीप कुमार केशरी ने हिन्दी विभाग के गौरवशाली अतीत व उज्ज्वल वर्तमान का उल्लेख करते हुए शोधार्थियों से अपील की कि वे मौलिकता को प्राथमिकता दें और अनुसंधान के जरिये समाज को कुछ नया व सार्थक प्रदान करें। विभागाध्यक्ष प्रो. आनन्द कुमार सिंह ने शोधार्थियों से साहित्य एवं अनुसंधान के प्रति पूर्ण समर्पण भाव रखने का आह्वान किया है।विभागीय प्राध्यापकों ने भी शोधार्थियों का मार्गदर्शन किया है। डॉ. अनुज कुमार तरुण ने शोधार्थियों को पारंपरिक ढर्रे से बाहर निकलकर नए परिवेश व चुनौतियों को स्वीकारने के लिए प्रेरित किया तथा 75 प्रतिशत अनिवार्य उपस्थिति के नियम को स्पष्ट किया है। डॉ. परम प्रकाश राय ने नए शोध अधिनियम व अद्यतन पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए नियमों के शत-प्रतिशत अनुपालन, एआई के अति-उपयोग एवं नकल से बचते हुए मौलिक शोध पर जोर दिया है। वहीं डॉ. अंबे कुमारी ने शोधार्थियों को अपने अनुसंधान में नवीन आयाम व दृष्टिकोण जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है।मंच पर हिन्दी विभाग के डॉ. राकेश कुमार रंजन, जी.बी.एम. कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सीमा पटेल एवं मगही विभाग की डॉ. किरण कुमारी शर्मा आदि थे।

वरदा हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रभारी प्रधानाचार्य पर लगाए गंभीर आरोप, वार्ड पार्षद ने कहा- बच्चों का भविष्य खराब नहीं होने देंगे

प्रातः किरण संवाददाता

गय। शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को जिला कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में वरदा हाई स्कूल, छोटकी नवादा, वार्ड नंबर-04, गया के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। छात्रों ने आरोप लगाया कि शैक्षणिक सत्र 2025-27 के लिए मैट्रिक परीक्षा का रजिस्ट्रेशन कराने के नाम पर उनसे निर्धारित राशि से अधिक फीस ली गई, लेकिन इसके बावजूद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कार्ड दिखाई नहीं दे रहा है।छात्र-छात्राओं की ओर से दिए गए आवेदन में कहा गया है कि हाई स्कूल की कक्षा 9वीं/10वीं के छात्र-छात्राओं से रजिस्ट्रेशन के लिए राशि ली गई थी।

सत्र 2025-27 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद भी अब तक रजिस्ट्रेशन कार्ड ऑनलाइन नहीं दिख रहा है। छात्रों का कहना है कि उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि कहीं रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण उनका भविष्य प्रभावित न हो जाए।पहले भी छात्रों का भविष्य खराब करने का लगाया आरोपआवेदन में छात्र-छात्राओं ने प्रभारी प्रधानाचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि पिछले सत्र में भी कई छात्र-छात्राओं का भविष्य खराब हो चुका है। छात्रों ने आशंका जताई है कि कहीं इस बार भी उनके साथ ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो जाए।छात्रों ने शिक्षा विभाग से मामले की जांच कराकर दोषी पाए जाने पर प्रभारी प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई करने और उनका रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित कराने की मांग की है।छात्र-छात्राओं के साथ वार्ड नंबर-04 की पार्षद अनुपमा कुमारी भी जनता दरबार में पहुंचीं। उन्होंने छात्रों की समस्या को गंभीर बताया।

गौरैया एक अधूरा आंगन पुस्तक के लोकार्पण के साथ पंडित गंगाधर शास्त्री महोत्सव का हुआ समापन

प्रातः किरण संवाददाता

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय औरंगाबाद के ब्लॉक मोड़ के समीप अवस्थित पृथ्वीराज चौहान स्मृति भवन के प्रांगण में पंडित गंगाधर शास्त्री महोत्सव के अवसर पर प्रसिद्ध कवि एवं लेखक श्रीराम राय संपादित गौरैया एक अधूरा आंगन पुस्तक का लोकार्पण पृथ्वीराज चौहान चैरिटेबल ट्रस्ट एवं पंडित गंगाधर शास्त्री महोत्सव आयोजन समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह एवं औरंगाबाद जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के संयुक्त नेतृत्व में लोकार्पण के मौके पर समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर डॉ शिवपूजन सिंह, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के महामंत्री धनंजय जयपुरी, ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश सिंह, महोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष अभिषेक मिश्र, सचिव श्याम दत्त मिश्रा, मुकुंद माधव मिश्र, ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह उपाध्यक्ष डॉ ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह, डॉ संजीव रंजन, वरीय सदस्य चंद्र प्रकाश विकास, प्रमंडलीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष राम भजन सिंह, शब्दाक्षर के प्रांतीय सचिव विनय मामूली बुद्धि के गरिमामई उपस्थिति में किया गया।श्रीराम राय ने बताया कि गोरैया आज विलुप्ति के कगार पर है ऐसे में इस पुस्तक को लिखकर पर्यावरण सुरक्षा के निमित लोगों को आगाह किया जा रहा है कि हम गौरैया का संरक्षण कैसे करें।पुस्तक के सह संपादक सुरेश विद्यार्थी एवं डॉ रविंद्र प्रसाद दैवज्ञ ने बताया कि यह पुस्तक पर्यावरण संरक्षण के लिए भविष्य में मिल का पत्थर साबित होगा।लोकार्पण के मौके पर संज्ञा समिति के जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय, अनुज बेचैन, ओमप्रकाश पांडेय, उज्जवल रंजन, कवयित्री सुषमा सिंह आदि थे।

बलिदान जगतपति कुमार के शहादत दिवस पर ओबरा में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

11 अगस्त 1942 का वो दिन, सीने पर गोली मारो कहकर शहीद हुए थे जगतपति

प्रातः किरण संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। 1942 के अगस्त क्रांति में बलिदान ओबरा प्रखंड के खरांटी गांव निवासी जगतपति कुमार के बलिदान दिवस पर मंगलवार को सड़क दुर्घटना रोकथाम फाऊंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में पुलिस प्रशासन के देख रेख में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गयी। आगे-आगे डीजे साउंड सिस्टम पर देशभक्ति गीत व नारे गूंज रहे थे तो इसके पीछे-पीछे तिरंगे के साथ छात्र-छात्राओं का हुजूम चल रहा था। सुबह से ही तिरंगा यात्रा में शामिल होने को लेकर ग्रामीण इलाके से तिरंगा यात्रा खरांटी स्थित जगतपति कुमार के स्मारक से एनएच-139 बेल रोड, दुर्गा चौक, थाना मोड होते हुए एनएच-139 के रास्ते शहीद के स्मारक पर पहुंचा। जहां लोगों ने माल्यार्पण कर नमन किया। तिरंगा यात्रा में सैकड़ों के संख्या में शामिल छात्र-छात्रा लगभग 500 मीटर तिरंगे के नीचे मानव श्रृंखला बनाकर आपसी कदमताल के साथ जयघोष लगाते हुए चल रहे थे। इस दृश्य को देख हर देशभक्ति की भावना जागृति हो रही थी। हर कोई इस ऐतिहासिक क्षण का भागीदार बनने के लिए आतुर थे। विदित हो कि 11 अगस्त 1942 को जगतपति कुमार को छः अन्य साथियों के साथ पटना सेक्रेटेरिएट पर तिरंगा फहराने के दौरान अंग्रेजो सरकार के गोलियों का शिकार होना पड़ा था। ऐसे वीर सपूत के याद में हर वर्ष 11 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकालकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाता है। तिरंगा यात्रा खरांटी स्थित जगतपति कुमार के स्मारक से एनएच-139 बेल रोड, दुर्गा चौक, थाना मोड होते हुए एनएच-139 के रास्ते शहीद के स्मारक पर पहुंचा जहां लोगों ने माल्यार्पण कर नमन किया। तिरंगा यात्रा में सनराइज एकेडमी, विद्या निकेतन, स्टोन हिल, जूम एकेडमी, आनंद ट्यूटोरियल, मेडिको कोचिंग सहित अन्य स्कूल एवं कोचिंग संस्थानों के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस भीषण गर्मी में भी बच्चों के बीच देशभक्ति को लेकर गजब का उत्साह देखा गया जहां बच्चों ने वंदे मातरम, भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद, शहिद जगतपति कुमार अमर रहे जैसे नारे लगाते हुए शहीद के स्मारक पर पहुंचा। तिरंगा यात्रा के बाद शहीद के स्मारक पर परेड एवं झंडे को सलामी देते हुए राष्ट्र-गान गाकर सेवानिवृत्त शिक्षक लखन पांडेय ने झंडोत्तोलन किया। मौके पर कृष्णा सिंह स्मृति मंच के उपाध्यक्ष संजय कुमार, भाकपा माले के जिला सचिव मुनारिक राम, मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष उदय नारायण सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, पंचायत समिति रंजीत भगत, शिक्षक नेता अजित कुमार, सोनू सोलंकी सहित काफी संख्या में लोगों ने शहीद के स्मारक पर माल्यार्पण कर नमन किया इस दौरान वक्ताओं ने उनके जीवनी से उपस्थित बच्चों को उनसे प्रेरणा लेने की बातें कहीं।

एपी कॉलोनी में अनंत अल्ट्रासाउंड एवं डायग्नोस्टिक सेंटर का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी शहर के एपी कॉलोनी स्थित जूनियर डीपीएस के समीप मंगलवार को अनंत अल्ट्रासाउंड एंड डायग्नोस्टिक सेंटर का विधिवत शुभारंभ हुआ। सेंटर का उद्घाटन रिटायर्ड डीएसपी गरीबन पासवान ने फीता काटकर किया है। इस अवसर पर सेंटर की निदेशक डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. उपेंद्र कुमार, एक्स सीईओ छोटेलाल पासवान, समाजसेवी रविशंकर उर्फ बबलू श्रीवास्तव, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अनूप कुमार समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे हू। सेंटर की निदेशक डॉ. सुनीता कुमारी ने बताया कि अनंत अल्ट्रासाउंड एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, डिजिटल एक्स-रे और कलर डॉप्लर समेत विभिन्न जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सेंटर का उद्देश्य मरीजों को कम समय में सुविधाजनक और किफायती दर पर जांच की सुविधा उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि समय पर जांच रिपोर्ट मिलने से मरीजों को उपचार शुरू कराने में सहूलियत होगी।इस उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने सेंटर के संचालकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए सेंटर से शहरवासियों को बेहतर स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

रामनगर राज परिवार के राजा धनंजय विक्रम शाह के निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

बगहा। रामनगर राज परिवार के लोकप्रिय सदस्य राजा धनंजय विक्रम शाह के निधन की सूचना मंगलवार को मिलने के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई । लोगों द्वारा उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की गई है। लोगो ने श्रद्धांजलि संदेश में राजा धनंजय विक्रम शाह को रामनगर राज परिवार की विरासत से जुड़ा व्यक्तित्व बताते हुए उनके सरल, शांत और मिलनसार स्वभाव को याद किया गया है। पोस्ट में कहा गया है कि उनका निधन रामनगर राज परिवार, राजवंश से जुड़े लोगों और उनके शुभचिंतकों के लिए अत्यंत दुखद समाचार है। बताया गया है कि राजा धनंजय विक्रम शाह अपने सहज व्यवहार और लोगों से जुड़ाव के लिए जाने जाते थे। उनके निधन की खबर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी बड़ी संख्या में लोग श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। कई लोगों ने उनके व्यक्तित्व और सामाजिक व्यवहार को याद करते हुए शोक संवेदनाएं प्रकट की हैं। रामनगर राज परिवार का क्षेत्र के इतिहास और सामाजिक जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रहा है।

बाणगंगा नदी में दो बालक लापता, कपिलवस्तु के यशोधरा क्षेत्र में मचा हड़कंप

बगहा। कपिलवस्तु जिले के यशोधरा क्षेत्र अंतर्गत सिहोखोर के पास बाणगंगा नदी में दो बालकों के लापता होने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग नदी किनारे पहुंच गए और दोनों बालकों की तलाश शुरू किया गया। हालांकि, घटना के कारण और दोनों बालकों की पहचान से संबंधित विस्तृत आधिकारिक जानकारी अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। नदी में पानी का बहाव तेज होने की स्थिति को देखते हुए ग्रामीण बच्चों की तलाश को लेकर चिंतित हैं। सुरक्षाकर्मियों तथा स्थानीय लोगों द्वारा खोजबीन किए जाने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय लोगों ने नदी क्षेत्र में विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। घटना को लेकर प्रशासन की ओर से विस्तृत जानकारी और तलाश अभियान की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

स्कूल बैग से देशी कट्टा बरामद, 14 वर्षीय नाबालिग छात्र गिरफ्तार

बगहा। भैरोगंज थाना क्षेत्र के उच्च विद्यालय मंझरिया में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब नौवीं कक्षा के 14 वर्षीय छात्र के स्कूल बैग से देशी कट्टा बरामद हुआ। विद्यालय में छात्रों के बैग की जांच के दौरान हथियार मिलने पर स्कूल प्रबंधन ने तत्काल इसकी सूचना भैरोगंज थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्र को हिरासत में लेते हुए देशी कट्टा जब्त कर लिया। भैरोगंज थानाध्यक्षिका सीता केवट ने बताया कि मामले में भैरोगंज थाना कांड संख्या 115/26, दिनांक 10 अगस्त 2026 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद नाबालिग को बाल गृह, बेतिया भेज दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस छात्र से पूछताछ के आधार पर यह पता लगाने में जुटी है कि वह हथियार स्कूल क्यों लेकर आया था और उसे देशी कट्टा कहां से मिला। पुलिस हथियार के स्रोत के साथ-साथ इस बात की भी जांच कर रही है कि कहीं इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका तो नहीं है।

चितवन का अधूरा वायरल भवन बना रहस्य

बगहा। नेपाल के चितवन स्थित पदमपुर क्षेत्र में वर्षों से अधूरा पड़ा एक विशाल भवन इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अपनी अनोखी वास्तुकला और अधूरे निर्माण के कारण यह भवन लोगों के बीच कौतूहल का केंद्र बना हुआ है। वायरल हो रही तस्वीरों के अनुसार, भवन का निर्माण करीब सन् 2013 के आसपास शुरू हुआ था। विशाल परिसर में कई गुंबदनुमा संरचनाएं, ऊंचे टावर और अलग-अलग हिस्सों में बनी इमारतें दिखाई देती हैं। निर्माण शैली इसे सामान्य भवनों से अलग बनाती है। बताया जा रहा है कि भविष्य में इस भवन को होटल के रूप में विकसित करने की योजना थी। हालांकि, वर्षों बीत जाने के बावजूद इसका निर्माण पूरा नहीं हो सका है। वर्तमान में भवन का बड़ा हिस्सा अधूरा पड़ा है। निर्माण कार्य आखिर क्यों बंद हुआ, इस संबंध में सार्वजनिक तौर पर कोई स्पष्ट आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है। इसी वजह से यह अधूरा भवन लोगों के लिए आकर्षण और चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय स्तर पर भी लोग इस विशाल निर्माण को लेकर तरह-तरह के सवाल करते हैं।

दोन क्षेत्र और कैलाश नगर की समस्याएं सांसद ने लोकसभा में उठाई

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर के सांसद सुनील कुमार ने सोमवार को लोकसभा में नियम 377 के तहत अति लोक महत्व के विषय के रूप में रामनगर के दुर्गम दोन क्षेत्र और बगहा नगर के कैलाश नगर की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सांसद ने केंद्र सरकार का ध्यान दोनों क्षेत्रों में लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में रह रहे हजारों लोगों की परेशानियों की ओर आकृष्ट कराते हुए समाधान की मांग की। सांसद ने बताया कि वाल्मीकिनगर संसदीय क्षेत्र के थारू आदिवासी बहुल दोन क्षेत्र तथा बगहा शहर के कैलाश नगर से आए प्रतिनिधिमंडल ने अपनी समस्याओं को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों क्षेत्रों में सड़क, पुल, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और अन्य जरूरी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग रखी थी।

वन कानूनों के कारण विकास में आ रही बाधाओं का उठाया मुद्दा: सांसद ने लोकसभा में कहा कि दोन क्षेत्र में वन विभाग के विभिन्न नियमों और प्रावधानों के कारण बुनियादी ढांचे का अपेक्षित विकास नहीं हो पा रहा है। क्षेत्र में करीब 22 राजस्व गांव हैं, जहां लगभग 45 से 50 हजार की आबादी निवास करती है। दुर्गम भौगोलिक स्थिति और बरसात के मौसम में नदियों का जलस्तर बढ़ने के कारण कई बार इन गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने, बच्चों की शिक्षा और दैनिक जरूरतों के लिए आवागमन तक बड़ी चुनौती बन जाता है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर नगर आयुक्त ने की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया। आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल एवं गरिमापूर्ण आयोजन को लेकर नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समारोह से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विकास कुमार, वरीय उप समाहर्ता-सह जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी रोचना माद्री, प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा नगमा तबस्सुम, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल कमलेश कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव और सम्मान का पर्व है। इस अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों का संचालन पूरी गरिमा, अनुशासन एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि समारोह स्थल पर आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। नगर आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि समारोह स्थल की साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, बैरिकेडिंग, मंच, शौचालय, पार्किंग, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का समय पर निर्वहन करें, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह का सफल, शांतिपूर्ण एवं भव्य आयोजन सुनिश्चित हो सके। बैठक में समारोह से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा अपनी-अपनी तैयारियों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

एनपीएस हरपुर उतरी टोला में आयोजित हुई तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता

प्रात : किरण संवाददाता

आदापुर। भारत सरकार के आह्वान पर देशभर में 09 से 17 अगस्त 2026 तक मनाए जा रहे ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान के तहत मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के एनपीएस हरपुर उतरी टोला में स्कूली बच्चों के बीच तिरंगा रंगोली एवं देशभक्ति से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रंग-बिरंगे रंगों से आकर्षक तिरंगा रंगोली बनाई। वहीं, बच्चों ने अपनी हथेलियों पर भी तिरंगे के तीनों रंगों को उकेरकर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विद्यालय परिसर में तिरंगे के रंगों से सजी विभिन्न कलाकृतियां बच्चों के उत्साह और देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित कर रही थीं। बच्चों को तिरंगे के महत्व को समझाते हुए प्रधान शिक्षक शिव शंकर गिरि ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, गौरव, त्याग और असंख्य वीरों के बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि विद्यालय केवल किताबों और पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में देशप्रेम, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी, रचनात्मकता और राष्ट्रीय चेतना विकसित करने का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए विद्यालय के शिक्षक रंजीत कुमार पाठक ने कहा कि ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति व्यक्तिगत जुड़ाव और सम्मान को मजबूत करना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के शिक्षक विनोद कुमार, मो. शामशाद आलम, जियाउल हक सहित दर्जनों बच्चे मौजूद थे।

उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सुजाही घोरहवा में पौधारोपण अभियान

वन विभाग ने कराया प्लांट डिस्ट्रीब्यूशन एवं प्लांटेशन कार्य, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सुजाही घोरहवा परिसर में वन विभाग की ओर से पौध वितरण एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय परिसर को हराभरा बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देना रहा। रेंजर श्रीमान मलाकार ने बताया कि वन विभाग की ओर से पौधों को वाहन में लादकर विद्यालय परिसर तक पहुंचाया गया। वनरक्षी विक्की कुमार के नेतृत्व में पौधों को निर्धारित स्थल पर पहुंचाने के बाद प्लांटेशन कार्य कराया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न पौधों का रोपण किया गया। वन विभाग की ओर से लोगों को पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल के लिए भी जागरूक किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में पेड़-पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अधिक से अधिक पौधारोपण के साथ उनकी सुरक्षा और देखभाल भी जरूरी है। वन विभाग ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर क्षेत्र में लगातार पौधारोपण और जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। विद्यालयों में पौधारोपण से विद्यार्थियों में भी प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्रों को दिया मार्गदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा । एसएसबी 21वीं वाहिनी बगहा की ओर से कमांडेंट तपेश्वर संबित राउत के मार्गदर्शन में हर घर तिरंगा-2026 अभियान के तहत राजकीय माध्यमिक विद्यालय रामपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, गरिमा और ध्वज संहिता के अनुरूप तिरंगा फहराने की जानकारी दी गई। एसएसबी जवानों ने विद्यार्थियों को सुरक्षा बलों में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न हथियारों और उपकरणों की प्रदर्शनी कर उनके बारे में सामान्य जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। एसएसबी अधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना है।

चमेनिया के समीप सड़क पर गिरा पेड़

बगहा। बगहा-वाल्मीकिनगर मुख्य पथ पर चमेनिया के समीप मंगलवार को अचानक एक पेड़ सड़क पर गिर गया। पेड़ के सड़क पर गिरने से मुख्य मार्ग पर कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया। दोनों ओर वाहनों की कतार लगने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पेड़ गिरने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से सड़क पर गिरे पेड़ को काटकर हटाने का कार्य शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद पेड़ को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद मार्ग पर वाहनों का परिचालन दोबारा शुरू हो गया। पेड़ हटाए जाने के बाद यातायात व्यवस्था सामान्य हो गई। इस दौरान वन विभाग और स्थानीय लोगों की तत्परता से कम समय में सड़क को आवागमन के लिए खोल दिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

52.5 लाख रुपये कैश के साथ चार गिरफ्तार, हुंडी कारोबार की आशंका

प्रात : किरण संवाददाता

नेपाल की बीरगंज पर्सा पुलिस ने गैर-कानूनी वित्तीय लेन-देन अर्थात हुंडी की आशंका में 52 लाख 50 हजार रुपये के बेनामी नेपाली कैश के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सोमवार की रात वीरगंज महानगरपालिका-10 स्थित आदर्शनगर इलाके में की गई

जांच के दौरान पुलिस को भारी कैश मिला। जिला पुलिस कार्यालय पर्सा के पुलिस अधीक्षक पवन भट्टराई ने बताया कि दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आ रहे इन युवकों को संदिग्ध स्थिति में रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 500 और 1000 रुपये के नोटों में कुल 52,50,000 रुपये बरामद हुए।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सूरज कर्ण (उम्र 26 वर्ष) निवासीः सीतामढ़ी, भारत, उपेंद्र साह (उम्र 32 वर्ष) निवासीः प्रसौनी गाउंपालिका-1, बारा, नेपाल, सागर कुमार सर्राफ (उम्र 26 वर्ष) निवासीः प्रसौनी गाउंपालिका-1, बारा,नेपाल एवं राहुल कुमार गुप्ता (उम्र 25 वर्ष) झ निवासीः झौवागुठी, विंदबासिनी गाउंपालिका-1, पर्सा नेपाल के रूप में हुई। प्रत्येक व्यक्ति के पास से जब्त की गई राशि में सूरज कर्णः के पास से 1,00,000, उपेंद्र साह के पास से 18,16,000, सागर कुमार सर्राफ के पास से 18,34,000 एवं राहुल कुमार गुप्ता के पास से 16,00,000 बरामद हुए। इसके अलावा, पैसों के परिवहन में इस्तेमाल की गई दो मोटरसाइकिलें भी बरामद हुई है।

पर्सा पुलिस के अनुसार, आरोपी बरामद रकम का कोई वैध स्रोत या कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग और हुंडी कारोबार के तहत आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी गई है।

भारत-नेपाल सीमा पर बड़ी कार्रवाईः फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल और आदापुर थाना पुलिस ने एक संयुक्त कार्रवाई करते हुए फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस छापेमारी में दो आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

छापेमारी और गिरफ्तारी में एसएसबी की बेलदरवामठ सी-कंपनी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने आदापुर ब्लॉक रोड स्थित एक कंप्यूटर सेंटर पर अचानक दबिश दी। इस दौरान मौके से दुकान संचालक अजीत कुमार, निवासीः सिरसिया कला एवं रामविनय चौरसिया, निवासीः विशुनपुरवा को गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दुकान से कई संदिग्ध सामग्री बरामद की, जिनमें भारी मात्रा में जाली आधार कार्ड, 1 लैपटॉप 1 स्मार्टफोन एवं अन्य संदिग्ध इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल है। वही एसएसबी और पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया है।

थानाध्यक्ष पूजा कुमारी ने बतायाः फर्जी कागजात बनाए जाने की गुप्त सूचना मिलने पर यह कार्रवाई की गई है। पकड़े गए दोनों आरोपियों और जब्त उपकरणों के अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बेलाटांडी दोन में गूंजा 'वंदे मातरम्', चित्रकला प्रतियोगिता में दिखा देशभक्ति का रंग

प्रात : किरण संवाददाता

बागहा। हर घर तिरंगा-2026 अभियान के तहत एसएसबी 65वीं वाहिनी की ओर से दुर्गम दोन क्षेत्र के सोनाली नाला संवाय अंतर्गत बेलाटांडी दोन गांव में राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसएसबी के अधिकारी एवं जवानों के साथ एकलव्य आवासीय विद्यालय बेलाटांडी दोन के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक रूप से वंदे मातरम् के गायन से हुई। राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन के दौरान पूरा परिसर देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया। इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। बच्चों ने अपनी प्रतिभा के माध्यम से देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को कागज पर उकेरा। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान एसएसबी की ओर से विद्यार्थियों और ग्रामीणों को नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में जानकारी दी गई। नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के प्रति लोगों को जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने की अपील की गई। वहीं बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के महत्व पर भी लोगों को जागरूक किया गया। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य स्थानीय लोगों और विद्यार्थियों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ना है।

एसएसबी दे रही स्कूली बच्चों को विशेष प्रशिक्षण, उमंग के साथ सीख रहे परेड और आत्मरक्षा के गुर

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। देशभक्ति, अनुशासन, साहस और आत्म-सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसएसबी 21वीं वाहिनी के जवानों की ओर से मंगलवार को स्थानीय खेल मैदान में सन्जेवीयर स्कूल के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान एसएसबी जवानों ने विद्यार्थियों को परेड, अनुशासन, आपातकालीन परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा और बचाव से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को सुरक्षा बलों की कार्यप्रणाली और विभिन्न हथियारों के बारे में जानकारी देते हुए उनका प्रदर्शन भी कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एसएसबी के प्रशिक्षित डॉग स्क्वायड का प्रदर्शन रहा। प्रशिक्षित श्वानों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिसे देखकर छात्र-छात्राएं काफी उत्साहित नजर आए। इस दौरान विद्यार्थियों ने भी प्रशिक्षण गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

रीना देवी हत्याकांड में सुभाष यादव दोषी करार

प्रात : किरण संवाददाता

बागहा। धनहा थाना क्षेत्र से जुड़े चर्चित रीना देवी हत्याकांड में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने आरोपी सुभाष यादव को दोषी करार दिया है। अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करने के बाद मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को दोषसिद्धि का फैसला सुनाया।

अब दोषी को कितनी सजा दी जाएगी, इस पर 18 अगस्त 2026 को सुनवाई होगी। मामला धनहा थाना कांड संख्या 182/2020 से संबंधित है। न्यायालय के रिकॉर्ड के अनुसार घटना 28 जुलाई 2020 की है, जबकि मामले में 30 जुलाई 2020 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने अनुसंधान पूरा करने के बाद 8 नवंबर 2020 को आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। अदालत ने 28 मार्च 2022 को आरोपी के खिलाफ आरोप गठित किया था और 15 फरवरी 2023 से साक्ष्य की कार्यवाही शुरू हुई।

अभियोजन के अनुसार रीना देवी की शादी सुभाष यादव के साथ हुई थी। आरोप था कि शादी के बाद सुभाष यादव की ओर से दहेज में मोटरसाइकिल और सिकड़ी की मांग की जाती थी। मांग पूरी नहीं होने पर रीना देवी की हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया था। घटना के बाद रीना देवी का शव गंडक नदी से बरामद हुआ था। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहों के बयान के आधार पर सुभाष यादव को भारतीय दंड विधान की धारा 341, 323, 324, 307, 302 एवं 201/34 के तहत लगाए गए आरोपों में दोषी करार दिया है। अब 18 अगस्त को अदालत सजा के बिंदु पर सुनवाई करेगी।

दानापुर के बेटियारानी उत्सव हॉल में सुंडी समाज की महाबैठकः संगठन में निष्क्रियता और निरंकुशता के खिलाफ बजा बगावत का बिगुल

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर। मंगलवार को बेटियारानी उत्सव हॉल, दानापुर में सुंडी समाज के प्रमुख एवं प्रबुद्ध लोगों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान संगठन की कार्यशैली, समाज में छाई निष्क्रियता, निरंकुशता और संगठन के संस्थापक सदस्यों के प्रति किए जा रहे अनुचित व अपरिपक्व व्यवहार को लेकर गहरा असंतोष व्यक्त किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता राज कुमार राजू ने की, जबकि मंच का संचालन पूर्व अध्यक्ष विजय भोटी द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। 12 अगस्त को सौंपी जाएगी रिपोर्ट, 16 को अंतिम समीक्षाः बैठक में समाज के हित और संगठन की दिशा तय करने के लिए 21 सदस्यीय विशेष कमेटी* का गठन किया गया है। आज की बैठक में सर्वसम्मति से पारित प्रस्तावों को यह गठित कमेटी कल, यानी 12 अगस्तको होने वाली बैठक में वर्तमान संगठन की कमेटी के समक्ष प्रस्तुत करेगी। इसके पश्चात, अगले रविवार (16 अगस्त)* को एक समीक्षा बैठक बुलाई जाएगी। यदि वर्तमान कमेटी समाज कल्याण के लिए निष्पक्ष एवं सुचारू रूप से कार्य करने के लिए तैयार नहीं होती है, तो यह 21 सदस्यीय कमेटी स्वतंत्र रूप से नई कमेटी का गठन कर समाज हित के कार्यों को आगे बढ़ाएगी। वरिष्ठ सदस्यों व विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थितिः बैठक में सुंडी समाज के संस्थापक सदस्य सुखदेव के अलावा क्षितिज कुमार गुप्ता, पंचम , उदय कुमार, सुजीत , गणेश सुंडी, अंजय कुमार गुप्ता, विकास कुमार, राजेश कुमार समेत संगठन के 20 अन्य सक्रिय साथी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल हुए विशिष्ट अतिथियों में अवधेश भगत (वैशाली), धीरज कुमार (अरवल)और संजीव त्यागी (व्यापुर) ने भी अपने विचार रखे और समाज को एकजुट होकर सही दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

काठमांडू में शुरू हुआ तृतीय अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा पत्रकारिता सम्मेलन-2026

प्रात : किरण संवाददाता

बागहा। मातृभाषा में पत्रकारिता के विकास, संरक्षण और संवर्धन के साथ मातृभाषी संचार माध्यमों के सामने मौजूद चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा के उद्देश्य से तृतीय अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा पत्रकारिता सम्मेलन-2026 का आयोजन सोमवार को काठमांडू में शुरू हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन कानून, न्याय तथा संसदीय मामलों की मंत्री सोविता गौतम ने किया। कार्यक्रम में नेपाल सहित विभिन्न देशों से आए पत्रकारों, सञ्चारकर्मियों, भाषाविदों, संचार विशेषज्ञों तथा संबंधित क्षेत्र के प्रतिनिधियों की भागीदारी रही। सम्मेलन में मातृभाषाओं में पत्रकारिता को बढ़ावा देने, भाषाई विविधता के संरक्षण तथा मातृभाषी सञ्चार माध्यमों को मजबूत बनाने के विषय पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। साथ ही बदलते डिजिटल दौर में मातृभाषा पत्रकारिता के सामने आने वाली चुनौतियों और उपलब्ध संभावनाओं पर भी चर्चा की जा रही है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मातृभाषा को केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भाषा, संस्कृति और पहचान के संरक्षण का महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने स्थानीय तथा मातृभाषी सञ्चार माध्यमों को प्रोत्साहन देने और नई पीढ़ी को मातृभाषा पत्रकारिता से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के पत्रकारों और संचार विशेषज्ञों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान भी किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

भाई की डांट से आहत छात्रा ने खाया जहरीला पदार्थ हालत हुई गंभीर

धरहरा(मुंगेर)थाना क्षेत्र के धरहरा दास टोला में मंगलवार दोपहर भाई की डांट से आहत एक छात्रा ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरहरा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल मुंगेर रेफर कर दिया।बताया गया कि कक्षा दसवीं की छात्रा मुस्कान कुमारी (20) अपनी सहेली के साथ कहीं जाने वाली थी। इसी दौरान उसके भाई दीपक कुमार ने उसे बाहर जाने से मना किया और डांट-फटकार लगाई। इसी बात को लेकर छात्रा कथित तौर पर आहत हो गई। इसके बाद उसने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया।कुछ देर बाद छात्रा की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। यह देखकर परिजन घबरा गए और उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरहरा लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल मुंगेर रेफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चिंता का माहौल है। परिजन छात्रा के स्वास्थ्य को लेकर परेशान हैं। मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई है।धरहरा थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। पीड़ित पक्ष की ओर से आवेदन मिलने के बाद मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सदर प्रखंड में किसान सलाहकार समिति की बैठक

प्रशिक्षण में भेजे जाने वाले सदस्यों पर हुआ विचार-विमर्श

मुंगेर।सदर प्रखंड कृषि कार्यालय में सोमवार को प्रखंड किसान सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कृषि पदाधिकारी मोनिका कुमारी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए आत्मा के बीटीएम अवानी भूषण ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य समिति के सदस्यों को प्रशिक्षण में भेजने के संबंध में विचार-विमर्श करना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के लिए किन-किन सदस्यों को भेजा जाए, इस पर समिति के सदस्यों से सुझाव मांगे गए। इस दौरान उपस्थित सदस्यों ने प्रशिक्षण में भेजे जाने वाले किसानों के नाम और चयन प्रक्रिया को लेकर अपने विचार रखे। बैठक में प्रखंड कृषि समन्वयक मनोज कुमार, राजेश कुमार सहित कृषि सलाहकार और समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने कहा कि किसानों को नई तकनीक और योजनाओं की जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है, ताकि खेती को अधिक लाभकारी बनाया जा सके।

मुंगेर यूनिवर्सिटी से गोल्ड मेडल प्राप्त प्रियंका कुमारी सम्मानित

मुंगेर। सदर प्रखंड के कटरिया निवासी प्रियंका कुमारी को मुंगेर यूनिवर्सिटी से शास्त्री, संगीत और कला के क्षेत्र में स्वर्ण पदक एवं गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर मुंगेर विश्वजीत कुमार तिवारी ने उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बीडीओ ने प्रियंका के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप और आगे बढ़ें। अपने माता-पिता, परिजनों के साथ-साथ पूरे प्रखंड का नाम रोशन करें। यही हमारी आपके लिए शुभकामना है। प्रियंका की इस उपलब्धि पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई। सम्मान समारोह में हीरो राजन कुमार सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे और प्रियंका को बधाई दी।

सुल्तानगंज प्रखंड मुख्यालय के सभागार में पंचायत समिति की बैठक प्रमुख गुंजा देवी की अध्यक्षता में आयोजित

भागलपुर । जिले के सुल्तानगंज प्रखंड मुख्यालय के सभागार में पंचायत समिति की बैठक प्रमुख गुंजा देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई/बैठक में मंचासीन प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव कुमार, सांख्यिकी पदाधिकारी राकेश कुमार,कृषि पदाधिकारी सत्यम राज, पंचायती राज पदाधिकारी माधवेन्द्र कुमार, पीओ पदाधिकारी सुजीत कुमार, सांसद प्रतिनिधि पवन केसान थे/बैठक में पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य गण एवं सभी विभाग के पदाधिकारी एवं कर्मचारी गण थे/बैठक में पंचायत में होने वाले समस्या एवं एक पंचायत से दुसरे पंचायत से जोड़ने वाले समस्या,जल नल योजनाओं पर विचार विर्मश करते हुए धरातल कार्य मजबूत करते हुए पंचायत के लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ देने की बात कही गई।

राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का केंद्र : पूर्व विधायक

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। राम मंदिर में श्रद्धालुओं से प्राप्त चंदे, दान और बहुमूल्य वस्तुओं के प्रबंधन में कथित अनियमितता के आरोपों को लेकर औरंगाबाद में कांग्रेस कार्यकताओं ने विरोध का अलग तरीका अपनाया। पूर्व विधायक आनंद शंकर सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने सुंदरकांड पाठ और हवन का आयोजन किया। इस दौरान राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों को सद्बुद्धि देने और मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस नेताओं ने मंदिर में प्राप्त दान की व्यवस्था और उसके उपयोग को लेकर उठ रहे सवालों की ओर ध्यान आकर्षित किया। पूर्व विधायक आनंद शंकर सिंह ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का केंद्र है। ऐसे में श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धा से दिए जाने वाले चंदे और अन्य दान का इस्तेमाल पूरी ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने मंदिर में प्राप्त नकद राशि के अलावा सोना-चांदी, आभूषण और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं के रखरखाव, हिसाब-किताब को लेकर सवाल उठाए। आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण के लिए सिंधी समाज समेत विभिन्न वर्गों के श्रद्धालुओं ने बड़ी मात्रा में चांदी की ईंटें और अन्य मूल्यवान वस्तुएं भेंट की थी। उनके अनुसार, इन दानों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार किए जाने और प्रत्येक दानदाता को रसीद उपलब्ध कराने की व्यवस्था होनी चाहिए थी। पूर्व विधायक ने दावा किया कि कई मामलों में दान की समुचित सूची नहीं बनाए जाने और रसीद नहीं दिए जाने की बातें सामने आई है। ऐसे मामलों से श्रद्धालुओं के विश्वास और भावनाओं पर प्रतिकूल असर पड़ता है। आनंद शंकर सिंह ने मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कुछ लोगों और उनके करीबियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर की वित्तीय व्यवस्था को लेकर समय-समय पर ऑडिट के दौरान भी अनियमितताओं की बातें सामने आती रही है, लेकिन कथित गड़बड़ियों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। लगाए गए आरोपों की निष्पक्ष जांच और पूरे मामले में स्पष्टता लाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सुंदरकांड पाठ और हवन किसी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ व्यक्तिगत विरोध नहीं, बल्कि भगवान राम के मंदिर की व्यवस्था में पारदर्शिता और श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा की प्रार्थना के रूप में आयोजित किया गया है। कांग्रेस कार्यकताओं ने भगवान राम से प्रार्थना की है कि मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को सद्बुद्धि मिले। यदि कहीं कोई अनियमितता हुई है तो उसे दूर किया जाए। भविष्य में देश के किसी भी आस्था केंद्र पर श्रद्धालुओं के दान को लेकर सवाल खड़े होने की स्थिति पैदा न हो। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं ने मंदिर की व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग दोहराई। मौके पर देव प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र कुमार सिंह संजय सिंह दाउदनगर मिथिलेश कुमार कुटुंबा अरुण सिंह नबीनगर शत्रुघ्न सिंह गोह मिथिलेश सिंह आदि थे।

एसपी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर छात्र-युवाओं ने निकाला जनाक्रोश मार्च

प्रात: किरण संवाददाता

सीवान। 25 जुलाई को बिहार बंद के दौरान तीन छात्र आंदोलनकारियों के गोली लगने से घायल होने की घटना के विरोध में मंगलवार को छात्र-युवा संगठनों ने जनाक्रोश मार्च निकाला। मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने सीवान एसपी की बर्खास्तगी की मांग की और गोली चलाने वाले मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

जनाक्रोश मार्च चंदू चौक से शुरू होकर हॉस्पिटल मोड़ होते हुए पुनः चंदू चौक पहुंचा, जहां सभा का आयोजन किया गया। मार्च में आरवाईए के राज्य सचिव सह अगिआंव के पूर्व विधायक शिवप्रकाश रंजन, आइसा बिहार के राज्य अध्यक्ष धनंजय और राज्य सचिव दीपांकर सहित बड़ी संख्या में छात्र-युवा शामिल हुए।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को बिहार बंद के दौरान आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने गोली चलायी, जिसमें तीन छात्र घायल हुए। उन्होंने कहा कि आंदोलन के दौरान छात्रों की ओर से किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाया गया था। इसके बावजूद पुलिस की कार्रवाई में छात्र घायल हुए और बाद में उनके साथ मारपीट की गयी। वक्ताओं ने दावा किया कि उनके पास पुलिस कार्रवाई से जुड़े कई साक्ष्य मौजूद हैं।वक्ताओं ने घटना की जिम्मेदारी सीवान एसपी पर लगाते हुए उनकी तत्काल बर्खास्तगी की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि एसपी को बर्खास्त नहीं किया गया तो आंदोलन को बिहार स्तर पर विस्तार दिया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने बिहार सरकार पर भी छात्र, युवा, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों की अनदेखी करने का आरोप लगाया।वक्ताओं ने कहा कि बदहाल शिक्षा व्यवस्था और रोजगार के सवाल को लेकर बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालय मुख्यालयों पर छात्र-युवा संसद का आयोजन किया जाएगा।

चार दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित

मुजफ्फरपुर। कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन , मुजफ्फरपुर द्वारा हूमाना पीपल टू पीपल इंडिया के सहयोग से चार दिवसीय क्षमता-वर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दो दिवसीय स्टीम कार्यशाला, दो दिवसीय क्रियात्मकअनुसंधान कार्यशाला आयोजित किया गया। गई। कार्यशाला में प्रशिक्षुओं को विज्ञान ,तकनीक ईंजीनियरिंग कला एवं गणित विषयों के समन्वय तथा बहुविषयक दृष्टिकोण से परिचित कराया गया। छात्र-अध्यापकों ने कार्य करते हुए विभिन्न स्टीम आधारित परियोजनाएँ तैयार कीं और उनकी प्रस्तुति की। गतिविधियों के माध्यम से रचनात्मकता, सहयोग, समस्या-समाधान एवं अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा दिया गया। संकाय सदस्योने वर्तमान शैक्षिक परिस्थितियों, चुनौतियों एवं भविष्य की संभावनाओं पर विचार करते हुए शिक्षक-शिक्षा एवं संस्थागत विकास के लिए साझा दृष्टि विकसित की। इस दौरान भविष्य की शिक्षा, नवाचार, सहयोग एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षक-शिक्षा की प्राथमिकताओं पर समूह चर्चा एवं एक वर्ष की योजना बनाई

खुदीराम बोस की माटी और बूढ़ी गंडक के जल से बंगाल में रोपे जा रहे पौधे

हरित अभियान के जरिए शहीद को अनूठी श्रद्धांजलि

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। क्रांतिकारी खुदीराम बोस ने जिस दौर में युवाओं के भीतर आजादी की अलख जगाई थी, उसकी गूंज आज भी सुनाई देती है। अब उनकी कर्मभूमि मुजफ्फरपुर और जन्मभूमि मिदनापुर की मिट्टी व पानी के जरिए पर्यावरण संरक्षण के साथ उनकी स्मृतियों को जीवंत रखने का अनूठा प्रयास किया जा रहा है। मुजफ्फरपुर की माटी और बूढ़ी गंडक नदी का पानी लेकर पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है।

खुदीराम बोस की जन्मभूमि मिदनापुर में पिछले दो वर्षों से ह्यहरित खुदीराम बोस अभियानह्ल चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खुदीराम बोस के गिरफ्तारी स्थल, फांसी स्थल और चिताभूमि से मिट्टी तथा बूढ़ी गंडक नदी का पानी मुजफ्फरपुर से मिदनापुर ले जाकर पौधारोपण किया जाता है। इस पहल का उद्देश्य नई पीढ़ी को अमर शहीद खुदीराम बोस के त्याग, साहस और देशभक्ति की कहानी से रूबरू कराना है।अभियान के दौरान स्कूलों और विभिन्न संस्थानों में पौधारोपण के साथ परिचर्चा भी आयोजित की जाती है। विद्यार्थियों और युवाओं को खुदीराम बोस के जीवन, संघर्ष और बलिदान की जानकारी दी जाती है। साथ ही उन्हें पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई जाती है। अभियान के तहत मुख्य रूप से अशोक, अमलतास और पीपल के पौधे लगाए जा रहे हैं।हरित खुदीराम बोस अभियानह्ल चलाने वाले बंगाल निवासी समाजसेवी अरिंदम भौमिक बताते हैं कि नई पीढ़ी को खुदीराम बोस की वीरता की कहानी से जोड़ना ही अभियान का मुख्य उद्देश्य है। वे हर वर्ष मुजफ्फरपुर आकर खुदीराम बोस के गिरफ्तारी स्थल, फांसी स्थल और चिताभूमि से मिट्टी लेकर मिदनापुर जाते हैं। वहां की मिट्टी में बलिदान भूमि की मिट्टी मिलाकर पौधारोपण किया जाता है।

बूढ़ी गंडक नदी के पानी का भी इस अभियान में विशेष महत्व है। बताया जाता है कि खुदीराम बोस की अस्थियां बूढ़ी गंडक में विसर्जित की गई थीं। इसी कारण नदी का पानी भी मिदनापुर ले जाया जाता है। करीब 500 लीटर क्षमता वाले ड्रम में इस पानी को एकत्र कर पौधारोपण में इस्तेमाल किया जाता है। मिट्टी के कलश में पौधे के साथ बलिदान भूमि की मिट्टी और बोतल में बूढ़ी गंडक का पानी लोगों को वितरित किया जाता है।

खिड़की तोड़ घर में घुसे चोर दो लाख की संपत्ति उड़ाई

प्रात: किरण संवाददाता

धरहरा(मुंगेर)। थाना क्षेत्र के दशरथी गांव में सोमवार की देर रात चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर करीब दो लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। बदमाश घर के पीछे लगी फॉल्स ईंट की खिड़की तोड़कर अंदर दाखिल हुए और कमरे में रखे ट्रंक व बक्से का ताला तोड़कर करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवर और 40 हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए।घटना के बाद गांव में चोरी की वारदात को लेकर दहशत का माहौल है।जानकारी के अनुसार, दशरथी गांव निवासी प्रदीप कुमार विंद मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान चलाते हैं। सोमवार की रात वह अपनी पत्न ी के साथ पुराने मकान में सोए हुए थे। जिस कमरे में चोरी हुई, उसमें उनकी मां मीरा देवी रहती हैं। बताया गया कि मीरा देवी उसी दिन पूजा के सिलसिले में देवघर गई थीं। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने देर रात घर में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम दिया।चोरों ने घर के पीछे लगी फॉल्स ईंट की खिड़की को तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद कमरे में रखे ट्रंक और बक्से को तोड़कर उसमें रखे सोने के कंगन, मंगलसूत्र और कान की बालियां समेत करीब डेढ़ लाख रुपये के आभूषण तथा 40 हजार रुपये नकद चुरा लिए। वारदात के बाद चोर उसी रास्ते से फरार हो गए।खास बात यह रही कि घटना के दौरान घर के दूसरे कमरे में प्रदीप कुमार के भांजे-भांजी किशन कुमार (10), शुभम कुमार (8), सुप्रिया (8) और लक्ष्मी कुमारी (6) सो रहे थे। इसके बावजूद बच्चों को चोरी की भनक तक नहीं लगी।

रत्नेश्वरनाथ महादेव के दर्शन मात्र से प्राप्त होता है सुखों का भोग

सालों भर श्रद्धालुओं को लुभाता है शिव मंदिर से सटे शिवगंगा

तारापुर (मुंगेर)। सुल्तानगंज उत्तरवाहिनी गंगातट से 16 वें किलोमीटर की दूरी पर तारापुर के रणगांव स्थित रत्नेश्वरनाथ महादेव का विशेष महत्व है । गौरतलब है कि इस शिव मंदिर का रूपरेखा लगभग बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर से मिलता जुलता है । सालों भर यह शिव मंदिर कांवरिया एवं आस-पड़ोस के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र होता है। मान्यता यह है कि सावन महीने में जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं का मनोकामना भी पूर्ण होता है । धर्मशास्त्र एवं पुरोहितों के अनुसार इस शिव मंदिर की उत्पत्ति रत्नेश्वर नामक किसान के द्वारा खेत में हल जुताई के दौरान हल में लगे लोहे का फार जो शिवलिंग से टकराने के बाद रक्त के अधिक बहाव से हुआ है । पप्पू यादव ने बताया कि इस शिव मंदिर का निर्माण 1107 में कराया गया है । आगे बताया कि इस शिव मंदिर में शाम ढलने के बाद आरती लेने का बड़ा ही महत्व है। श्रद्धालु आरती के समय गुप्त दान देकर पुण्य के भागी भी बनते हैं।चढावा की राशि से मंदिर का विकास कार्य को कराया जाता है। यहां हर रोज शाम ढलते ही महाआरती के समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है ।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने 10-वर्षीय जीवन कवर विकल्प किया पेश

दुगार्पुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने अपने आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट प्लस प्लान के तहत एक नया 10-वर्षीय जीवन कवर विकल्प पेश किया है, जिसका उद्देश्य गृह ऋण, बच्चों की शिक्षा के खर्च और व्यावसायिक ऋण जैसी अल्पकालिक वित्तीय प्रतिबद्धताओं के खिलाफ किफायती सुरक्षा चाहने वाले ग्राहकों की मदद करना है। बीमाकर्ता ने कहा कि नई नीति ग्राहकों को ऐसे समय में कम प्रीमियम पर उच्च जीवन कवर का विकल्प चुनने में सक्षम बनाती है

बाढ़ प्रभावित मलाही टोला में मेडिकल टीम ने बांटे हैलोजन और ओआर एस

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। इसी क्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने मेडिकल टीम के साथ गाय घाट प्रखंड के कांटा पिरौछा दक्षिणी पंचायत के मलाही टोला का भ्रमण कर बाढ़ से प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति का जायजा लिया।भ्रमण के दौरान मेडिकल टीम ने ग्रामीणों को बाढ़ के बाद होने वाली विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। टीम की ओर से लोगों के बीच हैलोजन और ओआरएस का भी वितरण किया गया। ग्रामीणों को साफ-सफाई, सुरक्षित पेयजल और खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने मेडिकल टीम के साथ कांटा पिरौछा दक्षिणी पंचायत के बाढ़ प्रभावित टोलों का निरीक्षण किया। इस दौरान शिवनगर टोला स्थित स्वास्थ्य केंद्र कांटा का भी निरीक्षण किया गया और वहां स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया गया।स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रमण और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए। प्रभावित क्षेत्र में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी कराया गया, ताकि गंदे पानी के कारण होने वाले संक्रमण के खतरे को कम किया जा सके।स्वास्थ्य विभाग की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी और लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही गई है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से किसी भी तरह की स्वास्थ्य समस्या होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या मेडिकल टीम से संपर्क करें।

बिहार के किसान और मजदूर परेशान : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के तहत बदलाव जरूरी है। नारो के साथ शुरू की गई पदयात्रा छठे दिन मंगलवार को भी संपूर्ण बिहार में जारी रही। यात्रा के दौरान किसान और खेत मजदूरों से संवाद स्थापित किये गए। किसानों और मजदूरों ने अपनी-अपनी समस्या रखी। मानूसन में बारिश नहीं होने से पूरा बिहार सूखे की चपेट में आ गया है। 50 फीसद से कम धान रोपनी हुई है। किसानों को न डीजल पर अनुदान मिल रहा है और न ही खेती के लिए 24 घंटे बिजली मिल रही है। खेत मजदूरों को मनरेगा के तहत काम नहीं मिल रहा है। बारिश नहीं होने से भू-जलस्तर नीचे चला गया है। पीने के पानी का संकट उत्पन्न हो गया है। मजदूरों के समक्ष भुखमरी की समस्या उत्पन्न हो गई है। किसान सरकार की जन विरोधी नीतियों से परेशान हैं।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने कहा है

प्रेस प्रभारी के पारिश्रमिक मांग पर कुलसचिव एवं प्रभारी कुलपति के द्वारा प्रतिशोधात्मक कार्रवाई का आरोप

गया। मगध विश्वविद्यालय के प्रेस अधीक्षक प्रभारी डॉ. निरंजन प्रसाद वर्मा ने विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार मंगलम पर पिछले चार महीनों से उनके पारिश्रमिक का भुगतान रोके जाने का आरोप लगाया है। डॉ. वर्मा का कहना है कि अप्रैल, मई, जून और जुलाई का पारिश्रमिक अब तक लंबित है और अगस्त का आधा महीना बीतने को है, लेकिन भुगतान की दिशा में कोई स्पष्ट पहल नहीं की गई है।डॉ. वर्मा के अनुसार, उन्हें 11 माह के विस्तार के आधार पर प्रेस अधीक्षक प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनका आरोप है कि वर्तमान कुलसचिव इस पद को अपने करीबी व्यक्ति को देने के उद्देश्य से लगातार उनके विरुद्ध प्रतिकूल माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने इसे व्यक्तिगत प्रतिशोध और उनकी प्रतिष्ठा को प्रभावित करने की कोशिश बताया है।उन्होंने हाल में हुई एक आकस्मिक निरीक्षण कार्रवाई पर भी सवाल उठाया है। डॉ. वर्मा का दावा है कि जिस समय उन्हें प्रेस में अनुपस्थित अथवा विलंब से आने वाला दिखाने का प्रयास किया गया, उस समय वे विश्वविद्यालय के आधिकारिक कार्य से संबंधित दस्तावेज एकत्र करने के लिए बाहर गए हुए थे।

बिहार सरकार

योजना एवं विकास विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन,
कार्य प्रमंडल, 02 शेरघाटी।

अंतिम मापी हेतु सूचना

योजना का नाम :– बॉकेबाजार प्रखण्ड अन्तर्गत उच्च विद्यालय जूरी में पुस्तकालय भवन का निर्माण कार्य।

संवेदक का नाम :– फजल आलम खान, पिता– मो० समसेफारू खान,

ग्राम :– जरीबचक, कोठी, अंचल इमामगंज, जिला– गया।

निविदा आमंत्रण सूचना सं0 एवं ग्रुप सं0 :– 02/2019–20, ग्रुप संख्या–07

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि केन्दीय विशेष सहायता योजना अन्तर्गत निर्माणधीन उच्च विद्यालय जुरी में पुस्तकालय भवन निर्माण कार्य की अंतिम मापी हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–228 दिनांक–01.09.2022, पत्रांक–1000 दिनांक–27.03.2025 पत्रांक–3185 दिनांक–07.11.2025, पत्रांक–3425 दिनांक– 06.12.2025 ,पत्रांक–3298 दिनांक– 24.11.2025 एवं पत्रांक–727 दिनांक– 08.04.2026 निर्धारित था। इस संबंध में इस कार्यालय के पत्रवाहक एवं डाक विभाग के पत्रवाहक द्वारा संचिका में अंकित पते पर पत्र लेकर गया था, परन्तु आपके द्वारा पत्र स्वीकार नहीं किया गया है।

अतः अंतिम अवसर प्रदान करते हुए सूचित किया जाता है कि फजल आलम खान, पिता– मो० समसेफारू खान, ग्राम–जरीबचक, कोठी, अंचल इमामगंज, जिला–गया, स्वयं अथवा अपने प्राधिकृत प्रतिनिधि को अंतिम मापी हेतु निर्धारित तिथि 18.08.2026 को उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगें। उक्त निर्धारित तिथि एवं समय पर अनुपस्थित रहने पर एकतरफा अंतिम मापी करते हुए एकरारनामा विखंडित करने की कार्रवाई की जायेगी। भविष्य में उक्त मापी संबंधी किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

कार्यपालक अभियंता
स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन
कार्य प्रमण्डल, 02 शेरघाटी।

PR- 009645 (PLANNING) 2026-27

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

शहीद जगतपति कुमार को शहादत दिवस पर श्रद्धापूर्वक किया गया याद

प्रात: किरण संवाददाता

औरंगाबाद। देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले और 1942 की अगस्त क्रांति के अमर शहीद जगतपति कुमार को उनके शहादत दिवस के अवसर पर मंगलवार को उनके गृह जिले औरंगाबाद में श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस (जीकेसी) औरंगाबाद के बैनर तले शहर के नगर भवन तथा रमेश चौक के निकट स्थापित शहीद जगतपति कुमार की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं सार्वजनिक क्षेत्रों से जुड़े लोगों के साथ एनसीसी तथा स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राओं ने भी हिस्सा लिया। लोगों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को नमन किया।

जीकेसी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह राष्ट्रीय प्रवक्ता कमल किशोर ने कहा कि शहीद जगतपति कुमार का नाम बिहार के स्वतंत्रता आंदोलन के उन वीर सपूतों में लिया जाता है, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। वर्ष 1942 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में देशभर में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की लहर उठी थी। इसी अगस्त क्रांति के दौरान पटना सचिवालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए निकले युवा क्रांतिकारियों के दल पर अंग्रेजी हुकूमत ने गोलियां चला दी थीं। राष्ट्रीय ध्वज को सचिवालय पर फहराने के प्रयास के दौरान जगतपति कुमार अपने छह अन्य साथियों के साथ अंग्रेजों की गोलियों के शिकार हुए और देश की आजादी के लिए शहीद हो गए। उनका बलिदान आज भी बिहार के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में प्रेरणा का स्रोत है।

कार्यक्रम में जेपी सेनानी अजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शहीद जगतपति कुमार जैसे स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को यह बताना जरूरी है कि देश को आजादी आसानी से नहीं मिली, बल्कि इसके लिए हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने संघर्ष किया और अनेक वीरों ने अपने प्राणों की आहूति दी।

लोक अभियोजक अजय कुमार संतोष ने कहा कि शहीद जगतपति कुमार की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यालय स्तर से ही बच्चों को अपने क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानियों और उनके बलिदान की जानकारी दी जाए तो उनमें देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना और मजबूत होगी।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में एनसीसी तथा स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राओं की भागीदारी विशेष रूप से रही। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा।

BIHAR

बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद्

परिवेश भवन, पाटलिपुत्रा औद्योगिक क्षेत्र, पटना–800 010
दूरभाष नं0– 0612-2261250/2262265, फैक्स– 0612-2261050
ई–मेल– msbspcb-bih@gov.in, वेबसाईट–http://bspcb.bihar.gov.in

बिहार सरकार

लोक-सुनवाई की सूचना

1. मेसर्स एम/एस राघोपुर इंफ्राकॉन प्रा. लि., इंद्रा नगर रोड नं.–08, पोस्टल पार्क, पटना द्वारा वैशाली गंगा–4D बालू घाट, मौजा–परोहा (थाना सं. 363), हल्का–जहांगीरपुर, ब्लॉक–राघोपुर, जिला–वैशाली एवं
2. श्री बिजेंद्र कुमार, पिता–श्री धूपनाथ राय, ग्राम–जीवराखन टोला, पोस्ट ऑफिस–ब्यापुर, मनेर, जिला–पटना द्वारा वैशाली गंगा–4E बालू घाट, मौजा–परोहा (थाना सं. 363), हल्का–जहांगीरपुर, ब्लॉक–राघोपुर, जिला–वैशाली में बालू खनन परियोजना से संबंधित प्रस्ताव प्राप्त है। इस परियोजना के कार्यान्वयन के पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के ई.आई.ए. अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533, दिनांक 14.09.2006 यथा संशोधित, के आलोक में परियोजना को TOR (Terms of Reference) निर्गत किया गया है तथा लोक–सुनवाई की जानी है।

परियोजना का पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन प्रतिवेदन तैयार किया गया है, जिसमें सम्भावित कुप्रभावों को निरस्त करने के उपाय प्रस्तावित हैं। उक्त प्रतिवेदन तथा परियोजना के कार्यपालक सार की प्रति पर्षद् मुख्यालय, पटना, जिला पदाधिकारी, जिला– वैशाली, कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, जिला–वैशाली, जिला उद्योग केन्द्र, जिला–वैशाली एवं जिला खनन कार्यालय, वैशाली के कार्यालय में प्रभावित क्षेत्र के लोगों के अवलोकनार्थ उपलब्ध है। परियोजना की विवरणी का अवलोकन पर्षद् के वेबसाईटः http://bspcb.bihar.gov.in पर भी किया जा सकता है। वैसे व्यक्ति जो इस परियोजना से प्रभावित होने वाले हों, अपना लिखित सुझाव/विचार एवं मंतव्य इस सूचना प्रकाशन के 30 दिनों के अन्दर पर्षद् कार्यालय में जमा कर सकते हैं। साथ ही पर्षद् के ई–मेल-msbspcb-bih@gov.in अथवा डाक के माध्यम से भी लिखित सुझाव/विचार एवं मंतव्य भेजी जा सकती है।

परियोजना प्रभाव क्षेत्र के नागरिकों के लिए लोक–सुनवाई निम्नानुसार आहूत किया गया है:–

दिनांक	समय	अंचल का नाम	बालू घाट का मौजा	बालू घाट का नाम	लोक–सुनवाई का स्थल
12.09.2026	अपराह्न 11:00 बजे	राघोपुर	जहांगीरपुर	वैशाली गंगा–4D बालू घाट	अचंल कार्यालय, राघोपुर, जिला–वैशाली।
12.09.2026	अपराह्न 12:00 बजे	राघोपुर	जहांगीरपुर	वैशाली गंगा–4E बालू घाट	अचंल कार्यालय, राघोपुर, जिला–वैशाली।

सभी आम लोगों/संबंधितों से अनुरोध है कि उपरोक्त लोक–सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में अपने मंतव्य/सुझाव/विचार से अवगत करायेंगे।

PR. No. 009745 (B&C) 2026-27

सदस्य–सचिव

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

सुरक्षित जीवन अपनाओ, अपनी नियमित एच.आई.वी. जाँच कराओ।

असरगंज में नि:शुल्क डाक बम सेवा शिविर का भव्य उद्घाटन, जदयू प्रदेश महासचिव अनिल वैद्य व जिप सदस्य ज्योति वैद्य ने काटा फीता

प्रात: किरण संवाददाता

असरगंज (मुंगेर):प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के पावन अवसर पर असरगंज में जय बाबा हाथीनाथ ह्र श्वेत महादेव निःशुल्क डाक बम सेवा शिविर का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि, पूर्व जिला परिषद सदस्य (मुंगेर) सह जदयू व्यवसाय एवं उद्योग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव अनिल वैद्य तथा ग्राम पंचायत मकाव की पूर्व मुखिया सह वर्तमान जिला परिषद सदस्य ज्योति वैद्य ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

उद्घाटन के दौरान अतिथियों और आयोजकों ने बाबा भोलेनाथ के देवघर जाने वाले श्रद्धालुओं (डाक बमों) की निस्वार्थ सेवा और सुविधा का संकल्प लिया। शिविर में कांवड़ियों के लिए विश्राम, स्वास्थ्य, भोजन एवं जलपान की पूरी व्यवस्था की गई है।

इस अवसर पर स्थानीय श्रद्धालुओं और गणमान्य लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सोनहन कुमार, राजेश कुमार, दिलीप कुमार, संजीव कुमार, रंजीत कुमार, बिजली कुमार, राजकुमार शर्मा, ब्रह्मदेव कुमार, विजय कुमार, आशीष मंडल, सागर कुमार, रंजन कुमार, जितेंद्र कुमार साह, मनोहर कुमार, राजेन्द्र मोदी, दिनेश साह एवं अंजनी सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।पूरा परिसर बोल बम और हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। आयोजकों ने बाबा हाथीनाथ से सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने की प्रार्थना की।

संक्षिप्त खबरें

रेलकर्मियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया

हाजीपुर। मुख्यालय, हाजीपुर में 03 रेलकर्मियों एवं उनके आश्रितों ने पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह से मुलाकात कर तथा अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए निर्धारित समय सीमा में केस निष्पादन के निर्देश दिए। विदित हो कि रेलकर्मियों की विभागीय समस्याओं के निष्पादन के उद्देश्य से महाप्रबंधक से मुलाकात हेतु प्रत्येक मंगलवार का दिन निर्धारित किया गया है। इसके लिए रेलकर्मी अपना नाम पूर्व में कार्मिक विभाग में पंजीकृत करवाकर मंगलवार को महाप्रबंधक से मुलाकात कर अपनी समस्याएं उनके सामने रख सकते हैं।

सावन शिवरात्रि : बाबा दिनेश्वर नाथ मंदिर में उमड़ी आस्था

कोईलवर। सावन महीने की शिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को कोईलवर स्थित बाबा दिनेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर में पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। सावन शिवरात्रि को लेकर सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे थे। हाथों में गंगाजल, बेलपत्र, फूल और प्रसाद लेकर भक्त कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। मंदिर परिसर में पूरे दिन हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष गूंजते रहे।श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, आक और पुष्प अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिला श्रद्धालुओं की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। कई भक्तों ने सावन शिवरात्रि के अवसर पर उपवास रखकर भगवान शिव की आराधना की। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में विशेष व्यवस्था की गई थी। लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से पूजा-अर्चना की। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और शिवभक्त भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए नजर आए।

हत्या का केस उठाने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

पानापुर (सारण)वर्ष 2025 में जमीनी विवाद में एक बुजुर्ग महिला की हुई हत्या का केस उठाने की धमकी देने एवं जबरदस्ती बांस काट लेने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार अभियुक्त लगुनी गांव निवासी शैलेश महतो, सुनील कुमार महतो एवं किशोर महतो बताये जाते हैं।

बताते चलें कि लगभग एक वर्ष पहले 16 मई 2025 की सुबह आरोपितों एवं उनके परिजनों ने जमीनी विवाद को लेकर बुजुर्ग चंपा कुंवर की लोहे के रड से मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में मृतका की विवाहिता पुत्री रीता देवी ने हत्या की प्राथमिकी दर्ज करायी थी जिसमें आधे दर्जन लोगों को नामजद किया था।स्थानीय थाने में दिए आवेदन में मायके में रह रही रीता देवी ने कहा हैं कि आरोपित पूर्व के केस को वापस लेने की हमेशा धमकी देते हैं एवं लगुनी गांव से भगाने की बात कहते हैं। इस बीच आरोपितों ने दिनदहाड़े मेरा बांस काट लिया और धमकी दे रहे हैं।थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार अभियुक्तों को जेल भेजा जा रहा है।

वाहन जांच में ऑटो से 270 लीटर देसी शराब बरामद, चालक किया गया गिरफ्तार

एकमा (सारण)। एकमा थाना पुलिस ने मंगलवार को छपरा-सीवान मुख्य मार्ग पर पावरग्रिड के समीप वाहन जांच के दौरान शराब लदे एक टेंपो को पकड़ा। तलाशी के दौरान टेंपो से 270 लीटर देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके से टेंपो चालक को गिरफ्तार कर लिया।थानाध्यक्ष रामबालक यादव पुलिस बल के साथ पावरग्रिड के समीप वाहन जांच कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि छपरा की ओर से सीवान की तरफ एक टेंपो में शराब ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन जांच तेज कर दी। इसी क्रम में पुलिस को देखकर टेंपो चालक भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने पीछा कर टेंपो को रोक लिया और चालक को पकड़ लिया।टेंपो की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने टेंपो और शराब को जब्त कर थाने ले आई। गिरफ्तार चालक की पहचान भगवान बाजार थाना क्षेत्र के छत्रधारी बाजार निवासी सत्यनारायण राय के पुत्र विजय कुमार राय के रूप में हुई है। पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चालक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया बाल श्रम से मुक्त बच्चों के लिए विशेष आवासीय प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

बच्चों को शिक्षा, कौशल और समान अवसर देकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता

प्रातः किरण संवाददाता

बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चों को शिक्षा, कौशल और बेहतर भविष्य का अवसर उपलब्ध कराने के लिए आज प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर के द्वारा पटना के हनुमान नगर विशेष आवासीय प्रशिक्षण केंद्र (रस्ट्री' फ़ैशील्ड्र' ल्ह्ल्ल्ल्ल्' डॅल्लश्ी) की स्थापना की गयी, जिसका विधिवत उद्घाटन श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर बिहार राज्य बाल श्रमिक आयोग के उपाध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंह, विभाग के अपर मुख्य सचिव के. सेंथिल कुमार, विशेष सचिव सुनील कुमार यादव, उपेन्द्र प्रसाद, श्रमायुक्त बिहार राजेश भारती, प्रयास के प्रमुख अमोद कंठ सहित विभाग के अपर श्रमायुक्त, विजय कुमार के साथ विभाग के वरीय पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

इस विशेष अवसर पर मंत्री श्री अरुण शंकर प्रसाद ने कहा कि यह पहल बाल श्रम से मुक्त बच्चों को शिक्षा, कौशल और बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाने की महत्वपूर्ण शुरुआत है। उन्होंने कहा कि इसे केवल एक केंद्र तक सीमित नहीं रखना है, बल्कि निर्धारित सात स्थानों तक ले जाना है। प्रथम चरण में पटना, गया और सीतामढ़ी सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर ऐसे केंद्र स्थापित किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक जागरूकता की कमी और आर्थिक कमजोरियों के कारण कई बच्चे बाल श्रम की ओर धकेल दिए जाते हैं। श्रम विभाग और बाल श्रम उन्मूलन से जुड़े प्रयासों के माध्यम से बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराकर घर वापस लाया गया है और उन्हें तत्काल आवश्यक सुविधाएं भी दी गई हैं, लेकिन सरकार का उद्देश्य केवल उन्हें घर वापस लाना नहीं, बल्कि उनके भविष्य को मजबूत बनाना है।

मंत्री ने कहा कि हमारा दीर्घकालिक उद्देश्य यह है कि बाल श्रम से मुक्त कराए गए बच्चे भी उतने ही योग्य और जिम्मेदार नागरिक बनें, जितने किसी सांसद, विधायक, आईएएस या आईपीएस अधिकारी के बच्चे बनते हैं। इसके लिए उन्हें समान अवसर देना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि विभाग श्रमिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ-साथ बाल श्रम मुक्त समाज बनाने की दिशा में काम कर रहा है। प्रत्येक प्रखंड में कम-से-कम तीन पंचायतों को बाल श्रम मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। कई जिलों से सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल पंचायत को बाल श्रम मुक्त घोषित कर देना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए संबंधित पंचायत के लोगों और स्थानीय अधिकारियों से प्रमाण-पत्र लेकर उचित सत्यापन एवं प्रमाणन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

श्रमिकों एवं उनके परिवारों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो : मंत्री

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में कर्मचारी राज्य बीमा योजना की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद की अध्यक्षता में कर्मचारी राज्य बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव के सेंथिल कुमार, श्रमायुक्त, बिहार राजेश भारती सहित कर्मचारी राज्य बीमा योजना से संबंधित अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।समीक्षा के दौरान ईएसआई के अधिकारियों द्वारा मंत्री को श्रमिकों एवं उनके परिवारों के हितार्थ संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्ध कराए जा रहे चिकित्सा तथा नकद हितलाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बीमारी की स्थिति में वेतन संबंधी हितलाभ, कार्यस्थल पर दुर्घटना की स्थिति में आजीवन पेंशन, बीमित व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में आश्रितों को 90 प्रतिशत तक आजीवन पेंशन, 26 सप्ताह तक मातृत्व हितलाभ तथा बीमित व्यक्तियों के बच्चों के लिए मेडिकल कॉलेजों में आरक्षण की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं से अवगत कराया।मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने कर्मचारी राज्य बीमा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, अधिक से अधिक श्रमिकों को योजना का लाभ सुनिश्चित कराने, बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा योजना की प्रगति से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रमिकों एवं उनके परिवारों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो तथा बीमारी की प्रारंभिक पहचान एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के माध्यम से निःशुल्क उपचार की व्यवस्था का अधिकाधिक लाभ श्रमिकों को मिले। इससे श्रमिक परिवारों पर अचानक आने वाले भारी चिकित्सा व्यय का आर्थिक बोझ कम होगा।उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं सुरक्षित श्रमिक लंबे समय तक सक्रिय रहकर अपनी कार्यक्षमता बनाए रखते है। जिससे उद्योगों की उत्पादकता में वृद्धि होती है। साथ ही, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संबंधी जागरूकता और बेहतर सुविधाओं से कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं की संभावना को भी कम किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी सेविकाओं की बैठक में पोषण ट्रैकर पर शत-प्रतिशत पंजीकरण का निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

बड़हरा। बाल विकास परियोजना कार्यालय, बड़हरा में मंगलवार को आंगनबाड़ी सेविकाओं की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सीडीपीओ शशिकला सिंह ने की। इस दौरान विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सेविकाओं को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक की शुरूआत में सीडीपीओ ने सभी सेविकाओं से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद पोषण ट्रैकर एप पर लाभुकों के पंजीकरण और विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। सीडीपीओ ने सेविकाओं को अपने-अपने पोषक क्षेत्र के योग्य लाभुकों को पोषण ट्रैकर एप पर जोड़ने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोगों को आईसीडीएस की योजनाओं का लाभ मिल सके।

उन्होंने सभी लाभुकों का एफआरएस (चेहरा प्रमाणीकरण) कराने पर विशेष जोर दिया। सीडीपीओ ने बताया कि विभागीय निर्देश के अनुसार लाभुकों का एफआरएस कराना अनिवार्य है। एफआरएस पूरा नहीं होने की स्थिति में लाभुकों को आईसीडीएस की सुविधाओं से वंचित होना पड़ सकता है। बैठक में टेक होम राशन वितरण के दौरान एफआरएस की प्रक्रिया को लेकर सेविकाओं को प्रशिक्षण भी दिया गया।

बैठक में कुछ आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा भी सामने आया। इस पर सीडीपीओ ने आश्वस्त किया कि महिला पर्यवेक्षिकाओं से केंद्रवार रिपोर्ट प्राप्त कर जल्द ही आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रखंड समन्वयक-सह-प्रधान सहायक चंदन कुमार ने सेविकाओं को पोषण ट्रैकर एप पर सभी इंडिकेटरों में शत-प्रतिशत कार्य करने की अपील की। उन्होंने बताया कि सेविकाओं द्वारा पोषण ट्रैकर पर किए जा रहे कार्यों के आधार पर विभाग की ओर से विभिन्न मदों में आवंटन भी किया जाता है। उन्होंने लाभुकों से भी अपील की कि वे जल्द से जल्द अपने नजदीकी आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका से संपर्क कर पोषण ट्रैकर पर अपना पंजीकरण कराएं।

उच्च शिक्षा नियमावली 2026 के विरोध में शोधार्थियों का प्रदर्शन

प्रातः किरण संवाददाता

पटनाः ऑल पी-एच.डी. होल्डर एंड रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन के बैनर तले चल रहे अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन के समर्थन में अभ्यर्थियों द्वारा एक जुलूस निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने धरना स्थल से मार्च करते हुए बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग के अध्यक्ष गिरीश चौधरी, उच्च शिक्षा मंत्री और लोक भवन के सचिव के खिलाफ प्रदर्शन किया।

अभ्यर्थियों का यह प्रदर्शन लोक भवन द्वारा जारी नियमावली 2026 के प्रावधानों के विरोध में था। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि नई नियमावली में यूजीसी (वऋछ) के दिशा-निर्देशों के विपरीत रिसर्च पब्लिकेशन के अंक शामिल नहीं किए गए हैं और शैक्षणिक अनुभव को प्राथमिकता नहीं दी गई है। इसके साथ ही, चयन प्रक्रिया में मैट्रिक और इंटरमीडिएट के अंकों का प्रतिशत जोड़ने, पी-एच.डी. का वेटेज 30 से घटाकर 11 अंक करने और अधिकतम आयु सीमा 55 वर्ष से घटाकर 43 वर्ष किए जाने पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई है।

प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि देश के सभी विश्वविद्यालय यूजीसी के मानकों के अनुसार संचालित होते हैं। ऐसे में नए मानकों से स्थानीय उच्च डिग्री धारियों के अवसरों पर प्रभाव पड़ सकता है। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश कुमार सिंह, डॉ. विभुरंजन, डॉ. रवि कुमार, डॉ. देवनन्दन यादव, चंदन कुमार, आशीष कुमार, डॉ. विशाल सिंह, सिद्धार्थ पटेल, मो. नेमतुल्ला, डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. अंकित तिवारी, डॉ. विभाग रानी, डॉ. शोभा कुमारी, वंदना सिंह, डॉ. सूची स्मिता, डॉ. स्नेहा कुमारी समेत कई शोधार्थी शामिल हुए।वहीं, अपनी मांगों को लेकर कुमुद पटेल, अभिषेक मेहता और बिक्कू सिंह प्रधान का आमरण अनशन लगातार आठवें दिन भी जारी रहा।

अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

पटना। आज अखिल भारतीय रौनियार वैश्य महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक अप्सरा होटल में की गई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कृष्णा प्रसाद, राष्ट्रीय महामंत्री विशाल कुमार समेत कार्यकारिणी के सभी सदस्य ने भाग लिया, साथ में बिहार प्रदेश इकाई का गठन किया गया। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष मथुरा प्रसाद एवं महामंत्री कुमार संजय को मनोनीत पर शपथ दिलाया गया। इस दौरान प्रदेश इकाई ने सरकार से मांग किया है कि रौनियार समाज को जनसंख्या के आधार पर राजनीतिक हिस्सेदारी दिया जाए। इस मौके पर संजय कुमार- महामंत्री, संजय प्रसाद गुप्ता- उपाध्यक्ष, रिशु गुप्ता- प्रदेश युवा अध्यक्ष, शशिकांत, मुन्ना गुप्ता- संगठन मंत्री, राज प्रसाद, बजरंग गुप्ता- प्रदेश उपाध्यक्ष आदि मौजूद थे।

12 अगस्त को समाहरणालय परिसर से शहीद पार्क तक निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

बेतिया। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत आगामी 12 अगस्त 2026 को पूर्वाह्न 10:00 बजे समाहरणालय परिसर से शहीद पार्क, बेतिया तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिला पदाधिकारी, पश्चिम चम्पारण, श्री तरनजोत सिंह ने निर्देश दिया है कि तिरंगा यात्रा का आयोजन पूर्ण अनुशासन, गरिमा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ किया जाए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यात्रा की सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने का निर्देश दिया है।जिला पदाधिकारी ने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य आमजन, विशेषकर युवाओं में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, कर्मियों, छात्र-छात्राओं, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में तिरंगा यात्रा में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तिरंगा यात्रा समाहरणालय परिसर से प्रारंभ होकर शहीद पार्क, बेतिया तक निकाली जाएगी। यात्रा के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सभी प्रतिभागियों से निर्धारित समय पर उपस्थित होकर राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा एवं निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

पेड़ से टकराई अनियंत्रित बाइक, एकमा व जलालपुर इलाके के तीन युवक घायल

एकमा/मांझी (सारण)। बिहार-उत्तर प्रदेश की सीमा क्षेत्र स्थित यूपी के चांद दियर पुलिस चौकी के समीप मंगलवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जाता है कि तेज गति से जा रही बाइक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद मौके पर पहुंची यूपी पुलिस के सहयोग से तीनों घायलों को इलाज के लिए मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सक डॉ. रिजवान अहमद ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने तीनों को बेहतर इलाज के लिए छपरा रेफर कर दिया।घायलों की पहचान एकमा थाना क्षेत्र के बिंदालाल के रामपुर निवासी देव कुमार राम, जलालपुर थाना क्षेत्र के भटकेसरी निवासी मिथिलेश कुमार व मंगोलापुर निवासी दीपक कुमार राम के रूप में हुई है। हादसे के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस घटना की जानकारी जुटाने में लगी है।

श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए भूमि पूजन एवं धर्मध्वज का हुआ आरोहण

पानापुर (सारण)प्रखंड के भोरहा मठिया परिसर में अगले वर्ष आयोजित होनेवाले सात दिवसीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के लिए भूमिपूजन एवं धर्मध्वज का आरोहण वैदिक मन्त्रोच्चार के साथ किया गया।सर्वप्रथम गाजे बाजे के साथ धर्मध्वज का नगर परिभ्रमण कराया गया एवं उसके बाद पंडित अखिलेश शर्मा एवं वेदप्रकाश तिवारी द्वारा उद्घोषित मन्त्रोच्चार के बीच भूमिपूजन एवं धर्मध्वज का आरोहण किया गया।ध्वजारोहण के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।ध्वजारोहण के साथ ही पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास की लहर दौड़ गई है।चन्द्रमा दास की देखरेख में आयोजित होनेवाले इस महायज्ञ के लिए 12 मार्च 2027 की तिथि निर्धारित की गयी है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि धर्मध्वज का आरोहण यज्ञ की आधिकारिक शुरूआत का प्रतीक है।उन्होंने बताया कि अगले वर्ष 11 मार्च को जलभरी की जायेगी वही 12 मार्च से सात दिवसीय यज्ञ की विधिवत शुरूआत होगी।इस मौके पर राजन बाबा, जयप्रकाश पांडेय, मुखिया प्रतिनिधि ललन महतो, शिवजी राय, अशर्फी पांडेय, पप्पू राय, अशोक सिंह, बालमुकुंद पांडेय, नंदू मिस्त्री सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महिला का अश्लील वीडियो किया वायरल,प्राथमिकी दर्ज

दरियापुर।डेरनी थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।विरोध करने पर पिस्टल दिखा कर धमकाया गया।इस संबंध में पीड़िता के ससुर ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दर्ज प्राथमिकी में उसने कहा है कि केस उठाने के लिए अभियुक्तों ने बहु का अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।जब विरोध किया तो पिस्टल दिखा कर पूरे परिवार को धमकाया गया।दर्ज प्राथमिकी में उसने यह भी आरोप लगाया है कि अभियुक्तों ने केस नहीं उठाने पर समाज में इज्जत नीलाम करने की धमकी दी।फिर पिस्टल दिखा कर उसको धमकाया गया।दर्ज प्राथमिकी में उसने चार लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है।पुलिस छानबीन में जुट गई है।

12 सितंबर को आयोजित तृतीय नेशनल लोक अदालत की तैयारी तेज

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया। आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली तृतीय नेशनल लोक अदालत की सफलता को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पश्चिम चम्पारण के सचिव धीरेंद्र कुमार पांडे की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला नीलाम पदाधिकारी, अनुमंडल नीलाम पदाधिकारी एवं विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए सचिव धीरेंद्र कुमार पांडे ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिकाधिक वादों का सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना हम सभी की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों से अपील की कि वे लंबित वादों के निष्पादन के लिए पूरी तैयारी के साथ कार्य करें, ताकि अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में कराया जा सके।

उन्होंने निर्देश दिया कि संबंधित पक्षकारों को समय पर नोटिस निर्गत किया जाए तथा उनसे समन्वय स्थापित कर उन्हें राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विवादों के समाधान के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि आपसी सहमति से वादों का निष्पादन होने से समय एवं धन दोनों की बचत होती है तथा पक्षकारों को शीघ्र न्याय प्राप्त होता है।

बैठक में तृतीय नेशनल लोक अदालत की तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभिन्न विभागों एवं बैंकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सचिव ने सभी संबंधित अधिकारियों से समन्वित प्रयास करते हुए आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित तृतीय नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने का आह्वान किया।

स्वर्ण व्यवसायी से लूट के विरोध में परसागढ़ बाजार में बंद रहीं लगभग दो दर्जन स्वर्ण व्यवसायियों की दुकानें

प्रातः किरण संवाददाता

एकमा (सारण)। जिले के एकमा थाना क्षेत्र स्थित परसागढ़ बाजार के स्वर्ण व्यवसायी संदीप सोनी के साथ सोमवार को हुई सोना-चांदी, मोबाइल व अन्य सामान की लूट के विरोध में मंगलवार को परसागढ़ बाजार के लगभग दो दर्जन स्वर्ण व्यवसायियों ने अपनी-अपनी दुकानें बंद रखकर विरोध जताया। व्यवसायियों ने घटना पर आक्रोश व्यक्त करते हुए बाजार की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, नियमित पुलिस गश्ती बढ़ाने और लूटकांड में शामिल अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।बाजार बंद की सूचना मिलने पर एकमा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और व्यवसायियों से बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया। इसी दौरान एकमा विधायक मनोरंजन कुमार सिंह धूमल भी परसागढ़ बाजार पहुंचे। उन्होंने स्वर्ण व्यवसायियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक पहल करने का भरोसा दिया।विधायक श्री सिंह ने कहा कि व्यवसायियों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है। भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो, इसके लिए पुलिस-प्रशासन के स्तर पर आवश्यक पहल की जाएगी। उन्होंने कहा कि परसागढ़ बाजार में पुलिस चौकी दोबारा खोलने को लेकर उन्होंने सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक से पूर्व में बातचीत की थी। उस समय व्यवसायियों से पुलिस चौकी खोलने के लिए लिखित आवेदन देने को कहा गया था, लेकिन अब तक व्यवसायियों की ओर से आवेदन नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि व्यवसायी यदि पुलिस चौकी पुनः स्थापित करने के लिए लिखित मांग करते हैं तो वे दोबारा एसएसपी सारण से बातचीत कर चौकी खोलने की दिशा में पहल करेंगे।व्यवसायियों ने विधायक के समक्ष बाजार में नियमित पुलिस गश्ती बढ़ाने, पुलिस चौकी पुनः स्थापित करने तथा लूट की घटना में शामिल अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग रखी। विधायक ने उनकी मांगों पर गंभीरता से पहल करने का आश्वासन दिया।

पेट्रोल पंप के पास नकाबपोश अपराधियों ने की थी लूट :

स्वर्ण व्यवसायियों के अनुसार, सोमवार को एकमा-परसागढ़ मुख्य सड़क पर पेट्रोल पंप के समीप नकाबपोश अज्ञात अपराधियों ने स्वर्ण व्यवसायी संदीप सोनी को निशाना बनाया था। अपराधियों ने हथियार के बल पर सोना-चांदी के आभूषण, नगदी, मोबाइल समेत अन्य सामान लूट लिया और फरार हो गए थे। घटना के बाद से ही परसागढ़ बाजार के व्यवसायियों में आक्रोश था।इधर, एकमा थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। थानाध्यक्ष रामबालक यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है।

छात्रों पर एके -47 से किसके आदेश पर चली गोलियां का नहीं मिला जवाब, राज्यपाल से करेंगे मुलाकात : तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीवान में परीक्षा धांधली और पेपर लीक के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई और एके -47 से गोलियां चलाए जाने की घटना को लेकर एकबार फिर राज्य सरकार पर जोरदार हमला बोला है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस गंभीर मामले में अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है और न ही कोई ठोस कार्रवाई की गई है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि छात्रों पर कोई हवाई फायरिंग नहीं हुई, बल्कि निर्दोष छात्रों की छाती को निशाना बनाकर गोलियां चलाने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि इस विषय को लेकर उन्होंने पुलिस महानिदेशक से स्पष्ट तौर पर मुलाकात की है और आने वाले दिनों में वे इस मुद्दे पर राज्यपाल से भी मुलाकात कर अपनी बात रखेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि छात्रों पर एके -47 चलाने का आदेश किसके निर्देश पर दिया गया था।

महंत हनुमान शरण कॉलेज में तुम कभी नहीं मरोगे का लोकार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। स्थानीय महंत हनुमान शरण कालेज, राजापुर-मैनपुरा, पटना-1 के प्रांगण में मंगलवार को प्रेमचंद-रंगमंच पर कथाकार, लेखक डा लालजी प्रसाद सिंह द्वारा लिखित 41 वीं पुस्तक तुम कभी नहीं मरोगे का लोकार्पण कालेज के प्रांगण में बने प्रेमचंद रंगमंच पर संपन्न हुआ। जिसका लोकार्पण महंत शरण कालेज के संस्थापक प्राचार्य डा बिमल नारायण आर्य, पूर्व अध्यक्ष-बिहार सर्वोदय मण्डल सह 1974 ई के जे पी आन्दोलनकारी कालिका सिंह ग्राम-अजगरा कैमूर, बिहार तथा महंत हनुमान शरण कालेज के वर्तमान प्राचार्य भी संजय ठाकुर ने किया। उपर्युक्त तीनों व्यक्तियों के कथनों का सारांश यह रहा कि लालजी प्रसाद सिंह बिल्कुल ही सहज भाषा में अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता की समस्याओं को उजागर करते रहते हैं। लोकार्पण में अन्य व्यक्तियों में प्रो पंकज कुमार, प्रो अजय कुमार आजाद, प्रो अभिनव कुमार चौधरी, दीपक कुमार सिंह, रीता सिंह, प्रियंका, केशव कुमार सिंह, रीना सिन्हा, चितरंजन नारायण आर्य, प्रकाशचंद आर्य, रामाशीष ठाकुर, धनंजय कुमार, रामाशीष ठाकुर, इत्यादि उपस्थित थे।

शराबबंदी के कारण परिवारों में आर्थिक बचत बढ़ी, घरेलू हिंसा में कमी आई : शीला

प्रातः किरण संवाददाता

जनसुनवाई में मंत्री शीला मंडल ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में बिहार सरकार की मंत्री शीला मंडल ने प्रदेशभर से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों के विधि-सम्मत त्वरित निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस मौके पर कार्यक्रम के समन्वय हेतु प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी अंजुम आरा मौजूद रहीं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में शीला मंडल ने कहा कि नीतीश कुमार ने वर्ष 2016 में शराबबंदी लागू कर समाज सुधार की दिशा में साहसिक और महत्वपूर्ण कदम उठाया था। इसके बाद से प्रदेश के सामाजिक वातावरण में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। खासकर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई अब शराब पर खर्च होने के बजाय बच्चों की पढ़ाई, परिवार की जरूरतों और घर की खुशहाली पर खर्च हो रही है। शराबबंदी के कारण परिवारों में आर्थिक बचत बढ़ी है, घरेलू हिंसा में कमी आई है और महिलाओं के जीवन में सुरक्षा एवं सम्मान का भाव मजबूत हुआ है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216,
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496